हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 26 अक्टूबर 2025

छठ पूजा से पहले...

हरिभूमि ने किया नदी-तालाबों का पानी टेस्ट

खारुन का पानी छूना मुश्किल, अरपा का टीडीएस 700 पार, भिलाई थोड़ा बेहतर

खारुन में अभी गंदगी का अंबार

आज छोड़ा जाएगा पानी

हरिभूमि की टीम ने शनिवार को खारुन नदी रायपुर के घाट का जायजा लिया तो पाया कि घाट किनारे अब भी कीचड़ और गंदगी जमी हुई है। सफाई के बाद भी हालात नहीं सुधरे हैं। गदंगी अब भी घाट किनारे जमी हुई है, जो पानी के संपर्क में आने के बाद और भी गंदा हो जाएगा। खारुन में इस वक्त पानी बेहद कम है। इतना की नहाया भी नहीं जा सकता। बॉयोटेक वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत शर्मा ▶▶| शेष पेज 7 पर

छठ महापर्व की शुरुआत शनिवार से हो चुकी है और चार दिन तक चलने वाले इस व्रत में महिलाएं डूबते और उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं, जिसके लिए हर साल महिलाएं आसपास घाट पर जाती हैं। रायपुर में खारुन नदी, बिलासपुर में अरपा नदी के घाट में भारी संख्या में व्रती महिलाएं परिवार के साथ पहुंचती हैं। हरिभूमि ने अर्घ्य से पहले पानी की जांच की। बिलासपुर की अरपा नदी में 70 नालों का गंदा पानी गिरने से हाल-बेहाल है। नदी का जल अब स्नान और पूजा के योग्य नहीं रह गया है, फिर भी श्रद्धालु इसी में खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे।

अरपा में गंदगी का अंबार, पानी का टीडीएस निकला 718, यह पीना तो छोड़िए नहाने के भी लायक नहीं

रायपुर-ललित राठोड़/बिलासपुर-विकास चौबे/भिलाई -संदीप उपाध्याय

हरिभूमि ने जब नदी के पानी का सैंपल लेकर टीडीएस जांच की तो यह 718 पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) पाया गया जो कि मानक क्षमता से करीब ढाई गुना है। पानी में सीवरेज, कचरा और कई तरह के टॉक्सिन्स मौजूद हैं, जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक हैं।

भिलाई में टीडीएस बेहतर लेकिन पानी में बदबू

भिलाई

हरिभूमि की टीम ने भिलाई के तीन तालाबों के पानी का सैंपल टेस्ट किया और जानना चाहा कि वहां का जल लोगों के स्वास्थ्य के लिए कितना सही या हानिकारक है। जब तालाब के पानी का टीडीएस चेक किया गया, तो 300 से कम आया। ▶▶| शेष पेज 7 पर

अरपा नदी में 70 नालों का गंदा पानी गिर रहा
भिलाई में पानी गंदा लेकिन टीडीएस कंट्रोल में

अरपा की हालत गटर जैसी

न्यायधानी की पहचान कराने वाली अरपा की हालत गटर सी हो गई है। क्षेत्रीय पर्यावरण विभाग भी मानता है कि अरपा का पानी पीना तो छोड़िए अब नहाने लायक भी नहीं बचा है। सालों से नगर निगम जवाली नाले सहित 70 नाले, नालियों का पानी बिना ट्रीटमेंट के अरपा में बहा रहा है। कुदुदंड, कोनी, गोंड़पारा, जूना बिलासपुर, तोरवा आदि स्थानों पर नदी में कचरा, मलबे की डंपिंग की जा रही है। वाहनों के जाने के लिए नदी में रास्ता बनाया गया है। इसके साथ ही नगर निगम का नल जल विभाग प्रतिदिन ▶▶| शेष पेज 7 पर

इस तरह के पानी के संपर्क में आने से त्वचा संबंधी समस्याएं जैसे कि स्किन इंफेक्शन, एलर्जी, खुजली, दाने और फोड़े हो सकते हैं। इसके अलावा, बुखार, पेट दर्द, उल्टी, डायरिया, टाइफाइड और हेपेटाइटिस-ए, ई जैसी गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं।
- श्रीमती पूजा दुबे, महिला रोग विशेषज्ञ

पुणे का किराया रायपुर से ढाई हजार, वसूल रहे छह हजार से ज्यादा

ट्रेनों में जगह नहीं, मजबूरी का फायदा उठा रहे बस आपरेटर, वसूल रहे तीन गुना ज्यादा

छठ पूजा को लेकर ट्रेनों से लेकर बसों में भीड़ बढ़ गई है। रायपुर से महानगरों को जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में वेटिंग इन दिनों 100 के पार पहुंच चुकी है, जिसके कारण टिकट कन्फर्म होने की संभावना रेलवे 90 प्रतिशत नहीं बता रहा है। ऐसे में ज्यादातर यात्री बस की बुकिंग करवा रहे हैं, लेकिन यहां भी ट्रेन से अधिक किराया वसूला जा रहा है।

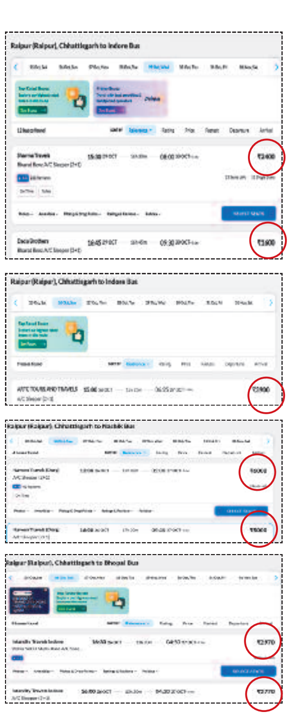

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

हरिभूमि ने जब इसकी पड़ताल की, तो पता चला बसों में अधिक किराया केवल 25 से 27 अक्टूबर के बीच ही वसूला जा रहा है। रायपुर से नांदेड़ के लिए हर दिन दो ट्रेन की सुविधा है, लेकिन वर्तमान में फुल है। बस में 26 अक्टूबर का किराया 2500 तक है, लेकिन 30 के बाद किराया उसी बस में 1700 तक है। यह किराया ट्रेन के स्लीपर से भी अधिक है। ऐसा ही उज्जैन, रांची, पटना जाने वाली बसों में यात्रियों से वसूला जा रहा है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

केस 1
रायपुर से पुणे जाने वाली बस में वर्तमान में किराया 5 हजार तक पहुंच गया है, जो पर्व के बाद खरीदने पर यात्रियों को 1800 से 2500 से स्लीपर सीट मिल जा रही है। ऐसे में यात्रियों को ढाई से तीन हजार तक अतिरिक्त देना पड़ रहा है।

केस 2
26 व 27 को रायपुर से नासिक का किराया 5000 से 6000 है, लेकिन 1 नवंबर को इसी बस में किराया बुक माय ट्रिप में 3000 दिखा रहा है। 2 से 3 हजार अधिक बढ़ाया है। अक्टूबर में नासिक की ट्रेनों में वेटिंग अधिक है।

केस 3
रायपुर से 26 अक्टूबर को रायपुर से रांची का स्लीपर बस में किराया 2000 तक है और छठ पर्व के बाद 1100 में टिकट मिल रहा है।

एमपी, यूपी और बिहार की बसों का अधिक किराया

छठ पूजा को लेकर यूपी व बिहार की ट्रेनों में वेटिंग अधिक है। इस वजह से बस संचालकों ने इसी रूट में किराया बढ़ा दिया है। ट्रेन में रायपुर से पटना का सफर स्लीपर में 510 है, तो वहीं बस में यात्रियों को 1700 तक देना पड़ रहा है। सीधी ▶▶| शेष पेज 7 पर

किराया फ्लैक्सिबल रहता है

ऑल इंडिया परमिट पर चलने वाली बसों का किराया फ्लैक्सिबल रहता है, इस वजह से बसों के किराया कम ज्यादा होता रहता है।
- डी. रविशंकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

किलोमीटर हिसाब से तय हो

स्टेज कैरिज की तरह ऑल इंडिया परमिट में चलने वाली बसों का किराया भाड़ा किलोमीटर के हिसाब से तय कर देना चाहिए। नियम ऐसे बनाए जाने चाहिए कि बस ऑपरेटर भाड़ा न कम कर सके न बढ़ा सके। तय मापदंड के अनुसार किराया वसूल सके।
- सैयद अनवर अली, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ बस परिवहन संघ

पीएम का दो से एक दिन और उप राष्ट्रपति का एक से दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास

डा. रमन के आमंत्रण पर राजनांदगांव जाएंगे उप राष्ट्रपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्योत्सव का शुभारंभ एक नवंबर को होगा। समापन पांच नवंबर को होना तय हुआ है। शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और समापन समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शामिल होंगे। पूर्व में श्री मोदी का दो दिन का प्रवास था। वह अब एक दिन हो गया है। उप राष्ट्रपति एक दिन के लिए छत्तीसगढ़ प्रवास पर आने वाले थे। अब वे दो दिन के दौरे पर रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार उप राष्ट्रपति 4 नवंबर की शाम को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आएंगे। यहां पर रात्रि विश्राम के बाद वे 5 नवंबर को सुबह राजनांदगांव जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के अनुरोध पर राजनांदगांव में उदयाचल संस्था के एक ▶▶| शेष पेज 7 पर

पीएम के कार्यक्रम में बड़ा बदलाव, अब 1 नवंबर की सुबह पहुंचेंगे रायपुर

छत्तीसगढ़ का स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रवास इस कार्यक्रम के लिए होगा। पूर्व में वे दो दिन के प्रवास पर आने वाले थे। 31 अक्टूबर की शाम को रायपुर पहुंचने वाले थे, लेकिन अब बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनके कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया गया है। अब वे 1 नवंबर की सुबह रायपुर पहुंचेंगे। 1 नवंबर को पांच कार्यक्रमों में शिरकत करने के बाद शाम को ▶▶| शेष पेज 7 पर

1 नवंबर को पांच कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे प्रधानमंत्री

दोपहर 3 बजे राज्योत्सव का शुभारंभ

नवा रायपुर स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर 3 बजे राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरा होने पर इस रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राज्योत्सव के ▶▶| शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से पांच लोगों की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा पुलिस आयुक्तालय के न्यू आगरा थाना क्षेत्र में एक अनियंत्रित कार ने शुक्रवार रात कई लोगों को बुरी तरह रौंद दिया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान बबली (33), भानु प्रताप (25), कमल (23), कृष्णा (20) और बंटेश (21) के रूप में हुई हैं। यह हादसा थाना न्यू आगरा इलाके में केंद्रीय हिंदी संस्थान से आगे नगला बूढ़ी पर हुआ। हादसे में घायल पांच लोगों को सरोजनी नायडू मेडिकल कॉलेज में भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

एक और गुफा मिली

वन विभाग की टीम पहुंची 200 मीटर तक की यात्रा

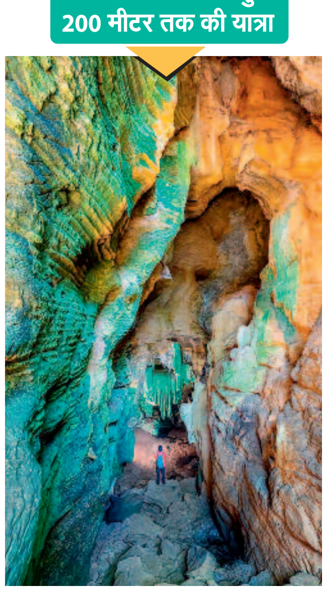

ग्रीन गुफा में चूना पत्थर की संरचनाएं मौजूद हैं, जिन्हें स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स कहते हैं

कांगेरघाटी में ग्रीन गुफा की खोज, मिला 200 मीटर का रहस्यमयी गलियारा

छत्तीसगढ़ का बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है। एक नई खोज ने बस्तर की सुंदरता को बढ़ा दिया है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जो पहले से ही कुटुमसर और कैलाश गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है, वहां नई गुफा-ग्रीन गुफा की खोज हुई है। यह गुफा, कुटुमसर गुफा से मात्र 10 किमी की दूर पर स्थित है और वन विभाग की टीम ने इसके रहस्यमयी गलियारों में 200 मीटर तक की यात्रा कर ली है।

महेश विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पहले से ही 11 गुफाओं का समूह मौजूद है, जिनमें से केवल तीन गुफाएं कुटुमसर, कैलाश और दंडक को पर्यटकों के लिए खोला गया है। ग्रीन गुफा जो हाल ही में खोजी गई है, वन विभाग की टीम के लिए एक नई उपलब्धि है। इस गुफा के अंदर 200 मीटर तक ▶▶| शेष पेज 7 पर

गुफा का अनूठा हरा रंग

ग्रीन गुफा का नाम इसके अनोखे हरे रंग के कारण पड़ा है। गुफा के कई हिस्सों और स्टैलेक्टाइट्स पर लाइकेन की परत चढ़ी हुई है, जो इसे एक चमकदार हरा रंग प्रदान करती है। लाइकेन जो एक प्रकार का सहजीवी जीव है, पेड़ों की छाल, चट्टानों और अन्य सतहों पर पाया जाता है। यह ▶▶| शेष पेज 7 पर

पर्यटन की संभावनाएं

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक नवीन कुमार ने बताया कि ग्रीन गुफा को जल्द ही पर्यटकों के लिए खोलने की योजना है। वन विभाग ने इसके लिए तकनीकी मंजूरी के लिए आवेदन कर दिया है और मंजूरी मिलते ही यह गुफा आम लोगों के लिए उपलब्ध होगी। कांगेर घाटी की अन्य गुफाओं, जैसे कुटुमसर और कैलाश को पहले ही विश्व धरोहर की संभावित सूची में ▶▶| शेष पेज 7 पर

मृतक के भाई ने टी शर्ट से की पहचान

सेंट्रल विवि में मिली लाश लापता छात्र की ही निकली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी परिसर स्थित तालाब में मिली लाश विवि के हास्टल से लापता छात्र की ही निकली, मृतक के छोटे भाई ने टी शर्ट से लाश की बड़े भाई के रूप में पहचान की है। मृतक के माता पिता बिहार से बिलासपुर के लिए रवाना हो गए हैं, रविवार को उनके द्वारा शिनाख्त किए जाने के बाद लाश का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। गुरुवार की शाम जीजीयू परिसर स्थित एक तालाब में युवक की लाश ▶▶| शेष पेज 7 पर

ऐसे हुई पहचान

कोनी पुलिस थाना के विवेचक रमेश पटनायक ने बताया कि शनिवार को बिहार पटना निवासी अय्यूब अंसारी कोनी थाने में उपस्थित हुआ। उसने बताया कि उनके पिता ने लगातार बड़े भाई असलम अंसारी से संपर्क करने का प्रयास किया, परन्तु वह फोन रिसीव नहीं कर रहा है। अय्यूब ने बताया कि उसे यहां जानकारी लेने भेजा गया है। पुलिस उसे सिम्स के मरच्यूरी ▶▶| शेष पेज7 पर

बस्तर ओलंपिक का आगाज, समर्पित नक्सली भी करेंगे प्रतिस्पर्धा

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने बस्तर संभाग के जनजातीय बहुल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं की खेल प्रतिभा को पहचानने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। जिसका नारायणपुर जिला के सुदूर वनांचल कच्चापाल में शुभारंभ शनिवार को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

इस अवसर पर ईरकभट्टी और कच्चापाल की ग्रामीण महिलाओं के मध्य रस्साकसी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें ईरकभट्टी के महिलाओं ने बाजी मारी। उपमुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर सभी का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने टीशर्ट का वितरण किया। यह प्रतियोगिता विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर तीन चरणों में होगी। बस्तर ओलंपिक में बस्तर संभाग में 3 लाख 80 हजार से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसमें नारायणपुर में 47 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं।

खास बातें

- बस्तर ओलंपिक के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी प्रदेश को मिलेंगे : शर्मा
- उप मुख्यमंत्री ने सुदूर वनांचल कच्चापाल में बस्तर ओलंपिक का किया शुभारंभ

नैसर्गिक प्रतिभा के प्रदर्शन का एक मंच

उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल नहीं है, यह बस्तर की समरसता, बंधुत्व, विश्वास और एकता का प्रतीक भी है। यह ओलंपिक बस्तर के युवाओं को अपनी नैसर्गिक प्रतिभा के प्रदर्शन का एक मंच प्रदान करने के साथ उनमें आत्मविश्वास जगाने और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का एक माध्यम भी है। हमें पूरा भरोसा है कि इस ओलंपिक के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी प्रदेश को मिलेंगे जो प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में बस्तर का नाम ऊंचा करेंगे।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, एसपी रॉबिंसन गुड़िया, एसडीएम ओरछा डॉ. सुमित गर्ग, जनपद उपाध्यक्ष ओरछा मंगड़ूराम नूरेटी, सरपंच कच्चापाल रजमा नूरेटी उपस्थित थे।

दिव्यांग और सरेंडर नक्सली भी खेलेंगे

बस्तर ओलंपिक का 30 नवम्बर तक किया जाएगा। जिसमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी, हॉकी और वेटलिफ्टिंग जैसी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जहां जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष) और सीनियर वर्ग (17 वर्ष से अधिक) के साथ दिव्यांग खिलाड़ी और आत्मसमर्पित नक्सली भी सीधे संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

खबर संक्षेप

भतीजे की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। जिले के थाना क्षेत्रों में एक बार फिर हत्या जैसे संगीन अपराध के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अभी हाल ही में जिले के पाण्डातराई थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सोड़ा में एक ग्रामीण ने चरित्र शंका के चलते अपनी पत्नी के सिर पर सब्बल मार कर उसकी हत्या कर दी। वहीं बीते 24 अक्टूबर को ग्राम पोंड़ी के मकान में एक युवक का सड़ा गला शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। इसी कड़ी में शुक्रवार की देररात कवर्धा कोतवाली अंतर्गत ग्राम सूखाताल में एक युवक की खून से लथपथ लाश मिली है। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे गांव में हड़कंप और दहशत का माहौल देखा जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची कवर्धा पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात ग्राम सूखाताल निवासी मकान मालिक जब शौच के लिए बाहर निकला तो उसने अपने घर के परछी में चूल्हे के पास खून से सनी एक युवक की लाश देखी। अपने घर की परछी में खून से सनी युवक की लाश का खौफनाक दृश्य देखकर मकान मालिक ग्रामीण के होश उड़ गए और उसने इसकी जानकारी तत्काल अपने घर के दूसरे सदस्यों व आसपास के ग्रामीणों को दी।

चरौटी में युवती की जलकर मौत, हत्या की आशंका

बलौदाबाजार। चरौटी में ग्राम की ही युवती की पैरावट में जली हुई अवस्था में लाश मिली है। की

सूचना पर थाना सिटी कोतवाली का पुलिस बल तत्काल घटनास्थल ग्राम चरौटी पहुंचा। साथ ही फोरेंसिक टीम के माध्यम से भी शव एवं घटनास्थल का सूक्ष्म जांच एवं निरीक्षण किया गया। प्रारंभिक जांच में शव, मृतिका कु. तेजस्विनी पटेल पिता रूप सिंग पटेल उम्र 26 साल निवासी ग्राम चरोटी पटेल पारा गुड़ी चौक का होना पाया गया है। प्रथम दृष्टया प्रकरण में युवती की हत्या करना प्रतीत हो रहा है, अपितु प्रकरण में घटनास्थल संपूर्ण जांच कार्यवाही, गवाहों, परिजनों के कथन एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर संपूर्ण स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। अग्रिम संपूर्ण वस्तुस्थिति एवं जानकारी प्राप्त कर आपको पृथक से उपलब्ध कराई जाएगी।

हम गद्दार नहीं, सशस्त्र संघर्ष छोड़ना पार्टी का निर्णय था: रूपेश

सरेंडर के बाद रूपेश ने जारी किया वीडियो सबके सामने रखा अपना पक्ष, संगठन का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सीसी मेंबर रूपेश समेत 210 नक्सलियों के आत्मसर्मण के बाद एक बार फिर नक्सल संगठन में भूचाल आ गया है। अब तक के सबसे बड़े समर्पण के बाद केन्द्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय ने प्रेसनोट जारी कर समर्पण करने वाले सीसी मेंबर रूपेश व उसके साथियों को संशोधनवादी, गद्दार और धोखेबाज करार दिया है। इस बयान के जारी होने के बाद रूपेश ने अपने साथियों के साथ जारी बयान में बताया कि हम गद्दार नहीं है, सशस्त्र संघर्ष छोड़ना पार्टी का निर्णय था। पोलित ब्यूरो मेंबर बसव राजू के मुठभेड़ में मारे जाने से पूर्व माड़ इलाके में सशस्त्र संघर्ष छोड़ते हुए जनता के बीच रहने का निर्णय लिया गया था।

- सेंट्रल कमेटी के गद्दार व धोखेबाज बयान के बाद सरेंडर नक्सलियों और जंगल के नक्सलियों में विवाद की स्थिति

गौरतलब है कि शीर्ष नक्सलियों के सबसे बड़े शरणस्थली माने जाने वाले अबूझमाड़ डिविजन के नक्सली नेता सीसी मेंबर रूपेश समेत 210 नक्सलियों ने डीजीपी समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में आत्मसर्मण किया था। इस समर्पण के बाद से ही नक्सल संगठन में भूचाल आ गया था। माड़ डिविजन समेत दण्डकारण्य के कई शीर्ष माओवादियों ने अपने साथियों के साथ सशस्त्र संघर्ष छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का मन बना लिया था। इसके बाद से ही नक्सलियों में दो फाड़ हो गया था। शांतिवार्ता की पेशकश करने व हथियार डालने वाले नक्सलियों के बीच पिछले काफी समय से पत्र के माध्यम से चर्चा हो रही थी।

नक्सल संगठन के स्टेट व केन्द्रीय समिति में दो फाड़

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे के ऐलान को लगभग छह माह बचे है और नक्सल संगठन की केन्द्रीय व राज्य समिति समेत कई ताकतवर डिवीजनों में हड़कम्प मचा हुआ है। पिछले लगभग एक माह में केन्द्रीय व राज्य समिति ने आठ पत्र जारी कर सीज फायर व शांतिवार्ता के पक्ष व विपक्ष में समर्थन कर रहे है। हाल ही में पोलित ब्यूरो मेम्बर भूपति उर्फ सोनू ने केन्द्र व राज्य सरकार से शांति वार्ता व युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा था। इसी पत्र के समर्थन में माड़ डिविजन समेत कई ताकतवर डिविजन के प्रवक्ताओं ने समर्थन किया था, जिनकी संख्या सीज-फायर व शांतिवार्ता का विरोध करने वाले राज्य समितियों से अधिक है।

मौत से पहले जारी किया था पत्र

नारायणपुर जिले के माड़ मुठभेड़ में मारे जाने से दो दिन पूर्व केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता विकल्प और दण्डाकरण्य स्पेशल जोनल कमेटी प्रवक्ता अभय द्वारा जारी संयुक्त पत्र में सोनू द्वारा उल्लेख शांतिवार्ता की बात को जहां उनका निजी राय करार देते हुए भूपति के पास अभी जो भी जवाबदारियां है, उन सबसे बर्खास्त करने की बात कही गई थी। मुठभेड़ में मारे जाने से पहले नक्सलियों के केन्द्रीय कमेटी के प्रवक्ता विकल्प और अभय द्वारा जारी संयुक्त प्रेस नोट में सोनू उर्फ भूपति के शांतिवार्ता और युद्ध विराम के प्रस्ताव का खंडन करते हुए दोनों ही नक्सली नेताओं ने कहा कि सोनू अगर समर्पण करना चाहता है तो करे, पर संगठन के हथियारों को दुश्मनों के हाथों सौंपने का अधिकार उन्हें नहीं है।

इन संगठनों के बीच हुआ था विवाद

गौरतलब है कि 22 सितम्बर को भूपति व उर्फ सोनू ने केन्द्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय के नाम से प्रेसनोट जारी कर केन्द्र व राज्य सरकार से शांतिवार्ता व युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा था। इसी पत्र के जारी होने के बाद अब नक्सल संगठन में भूचाल आया हुआ है। संगठन के पोलित ब्यूरो मेम्बर भूपति उर्फ सोनू ने शांति वार्ता को लेकर जो पत्र जारी किया था उसको लेकर माओवादियों की केंद्रीय कमेटी ने विरोध दर्ज किया है। नारायणपुर जिले के माड़ मुठभेड़ में मारे जाने से दो दिन पूर्व केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता विकल्प और दण्डाकरण्य स्पेशल जोनल कमेटी प्रवक्ता अभय द्वारा जारी संयुक्त पत्र में सोनू द्वारा उल्लेख शांतिवार्ता की बात को जहां उनका निजी राय करार दिया है।

शांति और विकास को चुनें

बस्तर पुलिस रूपेश और उनके 210 साथियों के समर्पण के निर्णय की सराहना करती है और उनका स्वागत करती है। शेष माओवादी कैडरों के सामने केवल एक ही विकल्प हिंसा और विनाश के मार्ग को त्यागकर शांति और विकास के मार्ग को अपनाना शेष है जो लोग अब भी इस विवेकपूर्ण आह्वान की अवहेलना करेंगे। उन्हें इसके अनिवार्य परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर

मड़ई देखने गए युवक की चाकू मारकर हत्या

धमतरी। मड़ई घूमने गए युवक की आधी रात को गांव की बीच बस्ती में अज्ञात हमलावरों ने धारदार चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार मगरलोड थाना क्षेत्र के ग्राम झुरातराई निवासी भानुप्रताप मंडावी पिता रामदयाल उम्र 24 वर्ष धमतरी के गोकुलपुर में स्थित आटा चक्की में काम करता था। युवक रजिस्ट्रार आफिस के पास आटा चक्की संचालक की डेयरी में अन्य लड़कों के साथ रहता था। खाना आटा चक्की के संचालक के घर खाता था। युवक दीपावली के दिन 20 अक्टूबर को त्योहार मनाने अपने घर झुरातराई चला गया। युवक ने 23 अक्टूबर को काम पर लौट आने की बात आटा चक्की के मालिक को बताया था। 23 अक्टूबर को भानुप्रताप काम पर वापस धमतरी जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वह आटा चक्की नहीं पहुंचा। मालिक ने युवक से फोन पर बात की। युवक ने अपने ससुराल बोरसी जाना बताया। 24 अक्टूबर को फोन करने पर भानुप्रताप ने ग्राम माकरदोना की मड़ई देखने जाने की बात कहते हुए 25 अक्टूबर को काम पर पहुंच जाना बताया। उसके बाद युवक मड़ई देखने अपने रिश्तेदार चाचा पुनुराम मंडावी के घर ग्राम माकरदोना चला गया। युवक देर शाम तक मड़ई घूमता रहा।

रिश्तेदार के घर से 50 मीटर की दूरी पर हुई हत्या

मृतक मड़ई घूमने रिश्तेदार पुनुराम के घर गया था। बस्ती के बीच युवक की लाश मिली। घटनास्थल रिश्तेदार के घर से मात्र 50 मीटर की दूरी पर है। वहीं घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर मड़ई हुई। मृतक आधी रात को वहां क्यों पहुंचा और किस कारण उसकी हत्या हुई। इसका खुलासा होना बाकी है।

बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के नेलाकांकेर की घटना

घर से निकालकर दो युवकों की नक्सलियों ने की निर्मम हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र में बीती रात नक्सलियों ने दो ग्रामीण युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर नक्सलियों ने दोनों युवकों को उनके घर से निकाला, फिर धारदार हथियार से मौत के घाट उतार दिया। बीते दस माह में नक्सलियों ने बीजापुर जिले में दो दर्जन से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या कर चुके है।

- घटना के बाद इलाके में सर्चिंग की गई तेज

जानकारी के मुताबिक उसूर थाना क्षेत्र के नेलाकांकेर गांव में शुक्रवार देर रात नक्सलियों ने वारदात को अंजाम दिया। मृतकों की पहचान रवि कट्टम (25) व तिरूपति सोढ़ी (38) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक रवि कट्टम का भाई सीआरपीएफ में है। घटना को अंजाम देने के बाद माओवादी जंगल की ओर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर रवाना हो गया है। बीजापुर एसपी जीतेंद्र यादव ने बताया

कि पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। लगातार सरेंडर से नक्सली बैकफुट पर हैं और इसी वजह से ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। वहीं दो ग्रामीणों की हत्या की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

दस माह में दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों की हत्या

जानकारी के मुताबिक इस वर्ष अब तक नक्सली 25 निर्दोष ग्रामीणों की पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर मौत के घाट उतार चुके हैं। कुछ दिन पूर्व ही भाजपा नेता की भी इसी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा हत्या की गई थी। 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त करने की घोषणा के बीच नक्सलियों द्वारा लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

चोर गिरोह फूटा, सूने मकान और दुकानों पर करते थे वारदात

12 लाख के मोबाइल और आठ लाख के जेवर जब्त, पिता-पुत्र समेत 6 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/ मैनपुर

जिले में लगातार हो रही चोरी की वारदातों पर गरियाबंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। ओडिशा के नवरंगपुर जिले से सक्रिय इस गिरोह के मास्टरमाइंड पिता-पुत्र समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। एसपी निखिल राखेचा ने प्रेसवार्ता में बताया कि गिरोह का सरगना सूरज बारीक (21 वर्ष) अपने पिता भुवनेश्वर बारीक (39 वर्ष) और साथियों भूपेंद्र नेताम (20 वर्ष), लिंगराज नेताम (22 वर्ष), देवाशीष राउत रॉय (देवबंद निवासी) और प्रीत मिस्त्री (रायपुर परसदा निवासी) के साथ मिलकर सूने मकानों और दुकानों में सेंधमारी कर चोरी की वारदात को

अंजाम देता था। गिरोह के विरुद्ध अमलीपदर थाना में 1 और देवभोग थाना में 3 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305, 331(4), 317 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

96 मोबाइल, सोने-चांदी के जेवर और ब्रेजा कार जब्त : पुलिस ने आरोपियों से चोरी किए गए 96 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कीमत 12 लाख 10 हजार 400 रुपए बताई गई है। इसके अलावा लगभग 8 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण, चोरी के पैसों से खरीदी गई ब्रेजा कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। एसपी राखेचा ने बताया कि इस खुलासे में सायबर सेल, अमलीपदर और देवभोग पुलिस की अहम भूमिका रही।

देवभोग के किराए के मकान से पकड़े गए आरोपी

मुख्य आरोपी भुवनेश्वर बारीक देवभोग के राजापारा इलाके में किराए के मकान में रहकर अपने बेटे और साथियों के साथ रेकी करता था। 14 अक्टूबर को गिरोह ने अमलीपदर की एक मोबाइल दुकान को निशाना बनाया और 96 मोबाइल चोरी किए। इनमें से 10 मोबाइल को देवबंद के कारोबारी देवाशीष राउत रॉय को बेचने भेजा गया था। 21 अक्टूबर को जब चोरी के तीन मोबाइल एक्टिव हुए तो सायबर सेल ने लोकेशन ट्रैक कर कार्रवाई की। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने देवभोग में घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया और मकान से सभी चोरी के मोबाइल जब्त किए।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- पीएम करेंगे डिजिटल प्रदर्शनी का अवलोकन, दीवारों पर दिखेगी छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा
- शिल्पग्राम, फूडकोर्ट, गेम जोन का होगा निर्माण, भीड़ की मदद के लिए पुलिस कंट्रोल रूम भी

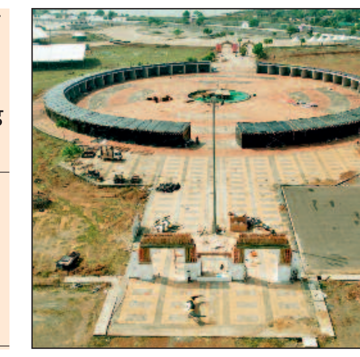

राज्योत्सव के पांच दिन में आएंगे दो लाख लोग, दो हिस्सों में कार्यक्रम, दर्शकों के लिए पहली बार फन पार्क, मीनाबाजार भी

गौरव शर्मा के साथ भूपेश जांगड़े ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर आयोजित होने जा रहा राज्योत्सव हर लिहाज से बेहद खास और वृहद होगा। पांच दिनों के राज्योत्सव में दो से ढाई लाख लोगों के आने की उम्मीद है। इस वजह से पहले की तुलना में वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। उन्हें सुनने के लिए भारी भीड़ ▶▶|शेष पेज 7 पर

मुख्य मंच के सामने हजारों दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, दूसरे हिस्से में मेले का आयोजन

फन पार्क होगा आकर्षण का केंद्र

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त फन पार्क और मीनाबाजार राज्योत्सव में आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा। फन पार्क में जहां गेम जोन बनाए जाएंगे। वहीं मीनाबाजार में पारंपरिक अंदाज में लोग झूलों का आनंद ले सकेंगे। हजारों की संख्या में हर दिन लोग राज्योत्सव स्थल में पहुंचेंगे। इस वजह से फन पार्क और मीनाबाजार के पास ही फूड कोर्ट का निर्माण भी किया गया है। यहां लोग स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे।

अलविदा

जन्म- 25 जून 1951, निधन-25 अक्टूबर 2025

नहीं रहे कॉमेडी के 'शाह'

बॉलीवुड अभिनेता सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सतीश शाह का शनिवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। शाह को फिल्म 'जाने भी दो यारो', 'मैं हूं ना' और मशहूर टीवी शो 'साराभाई वर्सेज साराभाई' में अपने अभिनय के लिए खास तौर पर सराहा जाता है। अभिनेता का दोपहर के समय बांद्रा पूर्वी स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। फिल्म जगत के सहयोगी अशोक पंडित समेत कई लोगों ने दुख जताया।

बचपन से ही अभिनय में रुचि

सतीश शाह का जन्म 25 जून 1951 को मुंबई में हुआ था। बचपन से ही अभिनय की ओर उनका रुझान था। उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से अभिनय की शिक्षा ली। यहीं से उनके करियर की नींव पड़ी। सतीश शाह ने 1970 के दशक के अंत में फिल्मों में कदम रखा था। उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं।

नवा रायपुर के सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल में प्रधानमंत्री मोदी का मरीजों से सीधा संवाद

नया जीवन पाने वाले बच्चों से मोदी करेंगे 'दिल' की बात, 3000 को दिया न्योता, विदेश से भी बुलाए गए

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

अलग खबर

सत्यसाईं हास्पिटल कैशलेस होने की वजह से देश ही नहीं, दूसरे देशों में अपनी पहचान बना चुका है। यहां छत्तीसगढ़ समेत देश के विभिन्न राज्यों के साथ दूसरे देशों के मासूम बच्चों को नया जीवन मिला है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान देने वाले इस अस्पताल से जीवन का उपहार प्राप्त करने वाले बच्चों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सार्थक संवाद करेंगे। मोदी के आगमन के मद्देनजर सत्यसाईं संस्थान में व्यापक तैयारी की जा रही है। इसके लिए संस्थान में निशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त करने वाले बच्चों और उनके परिवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने निमंत्रण भेजा गया है। साथ ही पूरे सत्यसाईं संस्थान में आकर्षक साज सज्जा का काम पूरा किया जा रहा है। वहां प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की जा रही तैयारियों का जायजा लिया था।

राज्य स्थापना समारोह में शामिल होने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवा रायपुर के सत्यसाईं संजीवनी हॉस्पिटल में 1 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में वे उन बच्चों से सीधा संवाद करेंगे जिन्हें कैशलैस हॉस्पिटल में दिल की बीमारी के इलाज के बाद नया जीवन मिला है। ऐसे करीब तीन हजार बच्चों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। इनमें विदेश के बच्चे भी हैं।

सत्य साईं हॉस्पिटल में दूसरी बार मोदी

प्रधानमंत्री मोदी सत्य साईं हॉस्पिटल में होने वाले कार्यक्रम में दूसरी बार शामिल होंगे। इसके पूर्व वे फरवरी 2016 में सत्यसाईं संस्थान पहुंचे थे। उन्होंने सत्यसाईं सौभाग्यम एवं श्री सत्यसाईं संजीवनी सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट केयर का उद्घाटन किया था। इस बार संस्थान में मौजूदगी के दौरान वे उन बच्चों से बातचीत करेंगे जिन्हें यहां इलाज का लाभ मिला है।

13 साल में 30 हजार से ज्यादा सर्जरी

सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल की शुरुआत नवंबर 2012 में नवा रायपुर में हुई थी। अपने 13 साल के लंबे सफर में सत्यसाईं संस्थान ने 30 हजार से अधिक बच्चों की दिल की बीमारी का इलाज कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है। नया जीवन का उपहार पाने वाले बच्चों में देश के अलावा पाकिस्तान, नाइजीरिया, फिजी, श्रीलंका, नेपाल के साथ अन्य देश के लोग शामिल हैं। मोदी के कार्यक्रम में इन सभी को बुलावा भेजा गया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अगले हफ्ते शुरू हो सकता है एसआईआर

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के अखिल भारतीय विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के पहले चरण की अगले सप्ताह शुरुआत कर सकता है। इस अभियान की शुरुआत 10 से 15 राज्यों से होगी, जिनमें वे राज्य भी शामिल होंगे जहां अगले साल चुनाव होने वाले हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे और ये सभी उन राज्यों की सूची में में होंगे, जहां मतदाता सूची को शुद्धीकरण किये जाने का काम सबसे पहले शुरू होगा।

गैस गीजर से एलपीजी रिसाव, दो बहनों की मौत

मैसूरु/बेंगलुरु। कर्नाटक के मैसुरू में शनिवार सुबह एक गैस गीजर से एलपीजी रिसाव होने से दो बहनों की मौत हो गई। गुलफाम (23) और उसकी बहन सिमरन ताज (20) की बाथरूम में एलपीजी गैस के सम्पर्क में आने से मौत हो गई। गीजर से गैस तो निकली लेकिन उसमें आग नहीं लगी। उनके पिता अल्ताफ को संदेह हुआ और उन्होंने जबरदस्ती दरवाजा खोला तो दोनों बेटियां बेहोश पड़ी मिलीं। लड़कियों के पिता अपनी दोनों बेटियों को अस्पताल ले गए, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

'बिग बैंग' सिद्धांत को चुनौती

दिवंगत वैज्ञानिक जयंत को 'विज्ञान रत्न पुरस्कार'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रसिद्ध खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत नारलीकर को शनिवार को 'विज्ञान रत्न पुरस्कार' के लिए चुना गया। यह देश का शीर्ष विज्ञान पुरस्कार है। नारलीकर का 86 वर्ष की आयु में 20 मई को निधन हो गया था। नारलीकर ने 'बिग बैंग' सिद्धांत को चुनौती दी, ▶▶|शेष पेज 7 पर

ये टीम भी होगी पुरस्कृत

सीएसआईआर (वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद) अरोमा मिशन टीम, जिसने जम्मू और कश्मीर में लैवेंडर मिशन की शुरुआत की, को विज्ञान टीम पुरस्कार के लिए नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार, जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान माना जाता है, 2023 में शुरू किया गया था।

बस के अंदर रखे गए 234 मोबाइलों से भड़की आग!

एजेंसी ▶▶| कुरनूल

हरिभूमि फॉलोअप

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में में आग लगने की घटना की जांच जारी है। इस बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। इसके मुताबिक बस के अंदर रखे गए 234 मोबाइलों के चलते आग इतना ज्यादा भड़की। बता दें कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल से बेंगलुरु जा रही निजी बस में आग लगने के चलते 20 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा सुबह के समय ▶▶|शेष पेज 7 पर

घटना की जांच में दावा

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में दर्दनाक हादसा
बस के फ्यूल टैंक में घुसी बाइक लगी आग, 20 यात्री जिंदा जले

ऐसा है पूरा मामला

गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बाइक से टक्कर के बाद, निजी बस में शुक्रवार को आग लग गई। इससे 20 लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद बाइक बस के नीचे कुछ दूरी तक घिसटती रही और इस बीच उसकी पेट्रोल टंकी का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गई। हादसे में अधिकतर शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकी। उनमें दो बच्चे और बाइक सवार भी शामिल हैं। इस हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं।

विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद स्वतंत्र रूप से निवेश का दावा

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को एलआईसी ने नकारा कहा-अदाणी समूह में निवेश का नहीं था दबाव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में दावा किया है कि भारतीय जीवन बीमा निगम ने सरकारी अधिकारियों के प्रस्ताव के तहत अदाणी समूह की कंपनियों में लगभग 3.9 अरब डॉलर (करीब 33 हजार करोड़ रुपए) का निवेश किया। मामला चर्चा में आने के बाद एलआईसी ने एक बयान जारी कर रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को निराधार और झूठा बताया है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने कहा कि उसने अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश स्वतंत्र रूप से और विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद किया। कंपनी ने कहा कि ऐसा निदेशक ▶▶|शेष पेज 7 पर

अदाणी ग्रुप ने किया इंकार

इधर, अदाणी ग्रुप ने साफतौर पर एलआईसी के फंड के निवेश को लेकर किसी कथित सरकारी योजना में शामिल होने से इंकार किया है। कंपनी ने कहा है, एलआईसी कई कॉर्पोरेट समूहों में निवेश करती है और अदानी को फेवर करने के दावे भ्रामक हैं। इसके अलावा एलआईसी ने हमारे पोर्टफोलियो में अपने निवेश से रिटर्न कमाया है। कंपनी ने ये भी कहा कि अनुचित राजनीतिक पक्षपात के दावे निराधार हैं।

कांग्रेस ने कहा-पीएसी से कराई जाए जांच: कांग्रेस ने कहा कि संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) को जांच करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की असली लाभार्थी भारत की आम जनता नहीं, बल्कि मोदी जी के परम मित्र हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या एक आम वेतनभोगी वर्ग का व्यक्ति जो पाई-पाई जोड़कर एलआईसी का प्रीमियम भरता है, उसे ये भी मालूम है कि मोदी जी उसकी ये जमा-पूंजी अदाणी को प्रोत्साहन देने में लगा रहें हैं?

एलआईसी पर क्या है आरोप

वाशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि वित्त मंत्रालय ने मई में एलआईसी से अदाणी समूह में लगभग 3.9 बिलियन डॉलर के निवेश के प्रस्ताव को जल्द से पास कर दिया, वह भी ऐसे समय में जब पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक का कारोबार करने वाला यह समूह कर्ज में डूबा हुआ था। अमेरिका में जांच का सामना कर रहा था। पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया था कि मई 2025 में, अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने 7.75% कूपन दर पर 15 वर्षीय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के माध्यम से 5,000 करोड़ रुपये जुटाए, जिसे एलआईसी ने पूरी तरह से सब्सक्राइब किया।

भारत ने 9 विकेट से जीता सिडनी वनडे

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वनडे में हराया

रोहित-कोहली की शानदार साझेदारी

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने सीरीज में क्लीन स्वीप को टाला और सीरीज 2-1 पर समाप्त हुई।

भारत के लिए इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। रोहित ने शतकीय पारी खेली और विराट ने शानदार पचासा लगाया। रोहित शर्मा इस पारी में 121 रन बनाकर नाबाद रहे और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारी खेली। इसी के साथ दोनों खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ नंबर है, अभी यह दोनों खिलाड़ी भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक खेलने को तैयार हैं।

रोहित प्लेयर ऑफ द सीरीज

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में सिडनी के मैदान पर नाबाद 121 रन की पारी खेली। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं पूरी सीरीज के तीन मैचों में 202 रन बनाने वाले हिटमैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। उन्होंने एडिलेड वनडे में भी 73 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी।

रोहित का 50वां इंटरनेशनल शतक

रोहित शर्मा ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 121 रन की पारी खेली। यह उनका वनडे में 33वां और इंटरनेशनल क्रिकेट में 50वां शतक रहा। वे टी-20 में 5 और टेस्ट में 12 सेंचुरी लगा चुके हैं। रोहित 50 शतक लगाने वाले दुनिया के 10वें ही खिलाड़ी बने। वे ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर से आगे भी निकले, जिनके नाम 49 शतक हैं।

व्हाइट बॉल क्रिकेट के टॉप स्कोरर विराट

विराट कोहली व्हाइट बॉल इंटरनेशनल क्रिकेट के टॉप रन स्कोरर बन गए। उन्होंने भारत के ही सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने वनडे और टी-20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 18436 रन बनाए थे। विराट ने तीसरे वनडे में 74 रन की पारी खेलकर सचिन को पीछे छोड़ दिया। विराट के नाम अब 18443 रन हो गए हैं।

देश बिहार विधानसभा के चुनाव को बहुत ही अधिक आतुरता और जिज्ञासा के साथ देख रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम वस्तुतः सन् 2027 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए निर्णायक तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जो भी राष्ट्रीय चुनाव गठबंधन इस चुनाव को जीतेगा, संभवतया वही, राजनीतिक गठबंधन लोकसभा के आगामी चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर अपने पक्ष में एक सकारात्मक वातावरण को तैयार कर सकता है। अतः राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन ने पूरी ताकत बिहार विधानसभा के चुनाव में झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान ने बिहार चुनाव को तेजतर स्तर पर पहुंचा दिया है। नीतीश कुमार भी चुनाव को धार दे रहे हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को अंतिम मतदाता तक पहुंचाने में तो कामयाब रहे हैं, लेकिन वोट कितने मिलेंगे ये कहना अभी जल्दबाजी होगी। राहुल गांधी तेजस्वी को आगे करके चुनाव पर वोट चोरी का रंग चढ़ाने में लगे हैं। मुकेश सहनी राजनीतिक सौदेबाजी करके उपमुख्यमंत्री पद के दावेदार तो हो गए, लेकिन महागठबंधन को इससे फायदा होगा या नुकसान इसी का आंकलन करता *आजकल* का यह खास अंक...

सियासत की राह तय करेगा बिहार चुनाव

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
सियासी मामलों के जानकार

> **विधानसभा चुनाव में इस दफा नौजवानों के वोट निर्णनायक सिद्ध होने जा रहे हैं। नेपाल की जेनजी आंदोलन से प्रेरित होकर बिहार के युवाजन एक नए तेवर में राजनीति को निहार रहे हैं और इसको बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। बिहार में बेरोज़गार युवाओं की संख्या संभवतः देश में सबसे अधिक है। इस दफा बिहार चुनाव में जातिगत समीकरण कुछ परिवर्तित हो सकते हैं। उनको उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का पैगाम वस्तुतः महागठबंधन के समर्थकों के मध्य नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है जिससे महागठबंधन को भारी क्षति हो सकती है।**

आजकल समस्त देश बिहार विधानसभा के चुनाव को बहुत ही अधिक आतुरता और जिज्ञासा के साथ देख रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम वस्तुतः सन् 2027 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए निर्णायक तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जो भी राष्ट्रीय चुनाव गठबंधन इस चुनाव को जीतेगा, संभवतया वही राजनीतिक गठबंधन लोकसभा के आगामी चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर अपने पक्ष में एक सकारात्मक वातावरण को तैयार कर सकता है। अतः राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने और महागठबंधन ने पूरी ताकत बिहार विधानसभा के चुनाव में झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए चुनाव अभियान के द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव को तेजतर स्तर पर पहुंचा दिया गया है। सबसे पहले नरेंद्र मोदी ने बिहार के समाजवादी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव जाकर एनडीए के चुनाव प्रचार अभियान का आगाज किया और 45 मिनट की अपनी तकरीर में 17 दफा बिहार के राजद दौर के जंगल राज़ का उल्लेख किया। महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया। बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व संभालते ही तेजस्वी यादव ने बकायदा ऐलान कर दिया कि अगर महागठबंधन सत्तासीन हुआ तो पहली कैबिनेट बैठक में ही दस लाख सरकारी नौकरियों की मंजूरी प्रदान कर देंगे। वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फरमाया है कि तेजस्वी यादव एक असंभव चुनावी वादा कर रहे हैं और युवाजनों को एक झूठा सपना दिखा रहे हैं।

युवाओं के वोट होंगे निर्णायक

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में इस दफा नौजवानों के वोट निर्णनायक सिद्ध होने जा रहे हैं। नेपाल की जेनजी आंदोलन से प्रेरित होकर बिहार के युवाजन एक नए तेवर में राजनीति को निहार रहे हैं और इसको बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। बिहार में बेरोज़गार युवाओं की संख्या संभवतः देश में सबसे अधिक है। देशभर में तकरीबन 20 प्रतिशत नौजवान बेरोजगारी से संत्रस्त हैं। 2024 में महागठबंधन का परित्याग करके नीतीश कुमार पुनः एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए। सत्य है कि नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में अब पहले जैसे चमकते हुए राजनीतिक सितारे नहीं रह गए हैं।

नीतीश का उत्तराधिकारी कौन

नीतीश कुमार कुछ अस्वस्थ हैं और पहले जैसा राजनीतिक तेवर उनके अंदर कदाचित नहीं बचा हैं। उनका उत्तराधिकारी कौन बनेगा अभी नहीं कहा जा सकता। नीतीश कुमार के राजनीतिक रणनीतिकार रहे, प्रशांत किशोर अपनी राजनीतिक पार्टी का गठन करके, बिहार विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरे हैं। प्रशांत किशोर की अपनी पार्टी का नाम है जन सुराज पार्टी। पार्टी के चुनाव अभियान के अध्यक्ष हैं सुधीर शर्मा और प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के स्टार प्रचारक हैं। प्रशांत किशोर स्वयं चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं, किंतु उनकी पार्टी ने सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारें हैं। प्रशांत किशोर ने विगत तीन वर्षों में संपूर्ण बिहार का सघन दौरा किया है और यह दावा पेश किया कि वह बिहार की राजनीति की दशा और दिशा दोनों ही बदल कर ही दम लेंगे। प्रारम्भ में अनेक प्रोफेशनल्स और बौद्धिक जनगण प्रशांत किशोर के साथ जुड़ गए थे। किंतु अनेक योग्य कार्यकर्ताओं के स्थान पर अनेक अयोग्य किंतु धनवानों को जन सुराज पार्टी का टिकट दिए जाने से प्रशांत किशोर की राजनीतिक साख किसी हद तक गिर गई है।

संकीर्ण जातिवादी राजनीति

फिर भी उम्मीद शेष है कि प्रशांत किशोर का कड़ा परिश्रम और राजनीति में उनकी नैतिक सोच का किंचित निर्णायक का प्रभाव बिहार की संकीर्ण जातिवादी राजनीति पर इस चुनाव में शायद दिखाई दे जाए। प्रशांत किशोर अपनी चुनाव सभाओं में शिक्षा, स्वाथ्य, बेरोजगारी, आर्थिक विकास आदि बुनियादी सवालों को उठा रहे हैं। अन्यथा आजकल जातिवादी समीकरणों के दलदल में धंसा हुआ बिहार विधानसभा का चुनाव बिहार को ना जाने किस भटकी हुई राह पर ले जा रहा है। एक ऐतिहासिक दौर में बिहार समाजवादी जनसंघर्षों का जबरदस्त गढ़ रहा था। बिहार की राजनीति द्वारा कर्पूरी ठाकुर सरीखे अनेक कर्मठ, ईमानदार और दिग्गज समाजवादियों को जन्म देकर राष्ट्र के पटल पर एक बड़ी उम्मीद उत्पन्न की गई थी। बिहार के समाजवादी आंदोलन द्वारा और विशेषकर जेपी आंदोलन ने देश को एक नई दिशा प्रदान की थी और राष्ट्रीय स्तर पर संपूर्ण क्रांति की एक प्रबल उम्मीद जगाई थी। दुर्भाग्यवश जेपी की संपूर्ण क्रांति वस्तुतः एक संपूर्ण भ्रांति बनकर रह गई। 2003 के पश्चात बिहार चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) का विशद कार्य प्रारम्भ किया गया। महागठबंधन ने इल्जाम आयद किया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा मनमाने तौर पर मतदाता सूची से बहुत बड़ी संख्या में वैलिड वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने न केवल नए मतदाताओं से दस्तावेज मांगे, वरन् 2003 से प्रत्येक चुनाव में मतदान कर रहे मतदाताओं से भी दस्तावेज मांगे गए। जून 2025 में जब इंटेंसिव रिवीज़न अर्थात गहन पुनरिक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले बिहार में 7.89 करोड़ मतदाता थे। 30 सितंबर 2025 को चुनाव आयोग द्वारा अंतिम मतदाता सूची जारी की गई, जिसके मुताबिक मतदाता सूची में केवल 7.42 करोड़ मतदाता शेष रह गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची से लगभग 6 प्रतिशत मतदाता हटा दिए गए।

गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया बड़ा मुद्दा

महागठबंधन द्वारा गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया गया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरूद्ध राजनीतिक वोटर यात्रा निकाली। वोट चोरी महागठबंधन का एक विकट नारा बन गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के शीर्ष नेतृत्व में एक नाम उभरकर आया मुकेश सहनी, जिसको महागठबंधन द्वारा उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया। मुकेश सहनी मल्लाह जाति का लीडर है। नीतीश कुमार ने अति पिछड़ा वर्ग को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की थी। इस दफा बिहार चुनाव में जातिगत समीकरण कुछ परिवर्तित हो सकते हैं। मुकेश सहनी राजनीतिक सौदेबाजी और मौकापरस्ती के माहिर खिलाड़ी रहे हैं। उनको उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का पैगाम वस्तुतः महागठबंधन के समर्थकों के मध्य नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है जिससे महागठबंधन को भारी क्षति हो सकती है।

देश में महागठबंधनों की बढ़ी महिमा

उठापटक
कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव है। देश की आजादी के बाद कांग्रेस एक ऐसी पार्टी रही थी, जो अपने दम पर चुनाव लड़ती आ रही थी लेकिन 1977 के बाद से पार्टी का प्रभुत्व कई पार्टियों के महा गठजोड़ के बीच झूलता आ रहा है। मई 2014 के बाद से भारतीय जनता पार्टी इस हैसियत में पहुंच गई। वैसे ,राज्यों में तो गठबंधन का दौर काफी पहले 1967 में ही आ गया था। कांग्रेस का भ्रष्टाचार देश की आजादी के दो वर्ष के बाद शुरू हो गया था। कांग्रेस धीरे-धीरे राज्यों से कटती आ रही है। अचानक कांग्रेस का जनाधार खत्म नहीं हुआ है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के दोषियों का नाम अखबार में उजागर होता था, उस दौर में मतदाता कांग्रेस से मुह मोड़ते गए। उतर के साथ राज्य और तमिलनाडु में गठबंधन सरकारों और वैचारिक रूप से व्यापक गठबन्धन का प्रयोग हुआ था। ये तमाम गठबंधन भले नाजुक,अस्थायी और परेशानी वाले रहे हो, मगर इनमें मतदाओं का व्यापक प्रतिनिधित्व हुआ करता था। कांग्रेस अब हर राज्य में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही है। यूपी में समाजवादी के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बिहार में राजद के साथ गठबंधन में भी गीले-शिकवे पैदा हो गए हैं। कांग्रेस की विचारधारा जनता के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस अपने मन की करती है, उसी का नतीजा है कि कांग्रेस की कथनी-करनी में समानता नजर नहीं आती है। बिहार में जनसुराज पार्टी के 116 प्रत्याशियों का ऐलान की सूचना है, वहीं जातिगत समीकरण को केंद्र बिंदु रखा है। बिहार में धमाका होगा। पीएम मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए हैं और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंप दी गई है। उधर,कयास लगाया जा रहा है कि महागठबंधन खंड-खंड बंट चुका है। घटक दल अब एक दूसरे के खिलाफ हो चुके है। महागठबंधन नाम की कोई चीज अब शेष नहीं रही है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी एक तरफ खींच रहे है तो राहुल दूसरी तरफ खींच रहे हैं। तब महागठबंधन का क्या औचित्य है? दोनों दलों ने जिस तरह से एकता का दिखावा चुनाव के पहले किया गया था। वो बेनकाब हो चुका है। राजद और कांग्रेस दोनों पार्टियो की दिशा और दशा अलग है। आपसी विश्वास नही पनपा पाए दोनो दल पर मतदाता क्या भरोसा कर पाएगा ? 1977 में इंदिरा गांधी की निरंकुश इमरजेंसी और जेपी आंदोलन की परिणीति जनता पार्टी के स्वरूप में एक महागठबंधन में हुई, जिसमें वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव की पार्टियां शामिल थी।क ये गठबंधन मजबूरी में बनाये गए थे। चुनाव के बाद जीत की खुशी दोगुनी होती है, लेकिन बीच में विवाद खड़ा होता है तो मायूस हो जाते है। जनसंघ से लेकर वाम मोर्चे तक, जयप्रकाश नारायण कांग्रेस विरोधी विपक्ष के मसीहा बन गए। 1977 के इस प्रयोग के आधार पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1989 में राजीव गांधी की सरकार के खिलाफ गठबंधन बनाने का कामचलाऊ प्रयोग किया, जिसमें बीजेपी और वाम मोर्चे को सहयोग के रूप ने शामिल किया गया। अब का दौर अलग है। उसके बाद 1996 में दो अल्पमत संयुक्त मोर्चा सरकारों के प्रयोग हुए। एक एच-डी देवगौड़ा और दूसरा इंद्रकुमार गुजराल के नेतृत्व में सरकार बनी। अब तो देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा भी गठबंधन का तिलिस्म तोड़ने के लिए राजी नहीं है। एनडीए गठबंधन में आज भी यह नियम है कि भाजपा बहुमत में है तो भी एनडीए घटक दलों को नहीं छोड़ते हैं। यह नीति है। यह गठबंधन की अच्छाई का नमूना है। उस दौर में क्षेत्रीय और राज्यों के क्षत्रपों की महत्वाकांशाओं का उभार इतना हो चुका था कि चुनावी नजरिए से राष्ट्रीय पार्टियों के लिए उन्हें दल नजरअंदाज करना लगभग नामुमकिन हो गया। लिहाजा, दो प्रमुख राष्ट्रीय गठबन्धनों की नींव पड़ी। जो भारतीय राजनीति की नई हकीकत बन गए। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपीए गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पिछले कई वर्षों से क्षत्रिय दलों ने इन्ही में से किसी एक के साथ अपनी निष्ठाओं और अपने चुनावी भविष्य को बांध रखा है। कांग्रेस ने मोदी को हराने के लिए सभी घटक दलों से मिलकर इंडिया महागठबंधन बनाया गया। महागठबंधन में बिहार में राजद शामिल है। इनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय नेता है लेकिन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों में तीन सबसे लोकप्रिय नेता नीतिश कुमार रहे हैं और ममता और केजरीवाल आदि गैर एनडीए दलों से नाम चर्चित थे। नीतीश को छोड़कर ममता और केजरीवाल की साख में कुछ वृद्धि नहीं हुई है।

> *पीएम मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए हैं और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंप दी गई है।*

अवैध प्रवासन अब नहीं रही बड़ी समस्या

निवारण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

राष्ट्रीय समस्याएं कई स्तर पर कई विकृत व विसंगत स्वरूपों में हल हुए बिना ही परिव्याप्त हैं। जब तक इन समस्याओं का युद्धस्तर पर, क्रांतिकारी ढंग से, सुनियोजित व सुशासकीय विधिपूर्वक समाधान नहीं हो जाता, तब तक मूल भारतीय निवासियों का जीवन कितनी ही आधुनिक प्रगतियों के उपरांत भी असंतुष्ट, अशांत व दुःखी बना रहेगा। ऐसी ही समस्याओं में से एक है देश में अवैध प्रवासन। औपचारिक रूप में स्वतंत्र होने के बाद से लेकर अब तक अवैध प्रवासन वर्ष-प्रतिवर्ष नई-नई चुनौतियों के साथ बढ़ता रहा है। केंद्र व राज्यों में स्थापित रहे पहले के शासन ने इस ओर समस्या की दृष्टि के साथ ध्यान ही नहीं दिया। इसके विपरीत ऐसे शासन ने अवैध रूप में भारत में रहे लोगों को अपने-अपने राजनीतिक दलों के लिए मतदाताओं के रूप में इस्तेमाल किया। सत्तारूढ़ होने के लिए ऐसे दलों का यह राजनीतिक अभ्यास आज भी यथावत है।

चौदह वर्ष पूर्व केंद्र में सत्तासीन राजग के शासनकाल में यह दुष्प्रवृत्ति पहचानी गई। इसके निवारण हेतु राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक प्रयास किए गए। गत चौदह वर्षों से इस दिशा में सैद्धांतिक स्तर पर तो शासकीय-प्रशासकीय कार्य अवश्य हो रहे हैं, किंतु धरातल पर क्रांतिकारी व त्वरित कार्यों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। हालांकि केंद्रीय शासन ने अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गत मार्च के प्रथम सप्ताह में संसद में एक विधेयक पारित किया था, किंतु विधेयक का धरातली प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन आज तक भी आरंभ नहीं हो सका है। गत अप्रैल में पहलगाम नरसंहार हुआ था। नरसंहार के दोषी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों को कठोर दंड देने के संकल्प के साथ ही भारतीय शासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समेत अनेक स्तरीय संबंध समाप्त कर दिये थे। पाक नागरिकों को कुछ दिनों में भारत छोड़ने के लिए कह दिया गया था। परिणामस्वरूप देशभर में पाकिस्तान समेत अनेक अन्य सीमावर्ती देशों के अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर निकालने का अभियान आरंभ हुआ था। समय बीतने पर पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों व आतंकवादियों को समाप्त करने के बाद प्रतिशोधवश किए गए पाक के दुस्साहस को ध्वस्त करने हेतु भारत-पाकिस्तान के मध्य दो अल्प समयावधियों के युद्ध भी हुए। शासकीय कार्यगत दिशादृष्टि अवैध प्रवास के रोकथाम तथा एक-एक अवैध व्यक्ति को देश से बाहर करने के लिए भी जाग्रत होना चाहिए। विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले हैं। अतः केंद्रीय शासन को इस दिशा में बिना रुके निरंतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है।

> *विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले हैं।*

यह भी जानें : अब तक ये रहे सीएम

मुख्यमंत्री	कार्यकाल	मुख्यमंत्री	कार्यकाल
श्रीकृष्ण सिन्हा	26 जनवरी 1950 - 31 जनवरी 1961	राम सुंदर दास	21 अप्रैल 1979- 17 फरवरी 1980
दीप नारायण सिंह	1 फरवरी 1961 - 18 फरवरी 1961	राष्ट्रपति शासन	17 फरवरी 1980 - 8 जून 1980
बिनोदानंद झा	18 फरवरी 1961 - 2 अक्टूबर 1963	जगन्नाथ मिश्रा	8 जून 1980 - 14 अगस्त 1983
केबी सहाय	2 अक्टूबर 1963 - 5 मार्च 1967	चंद्रशेखर सिंह	14 अगस्त 1983 - 12 मार्च 1985
महामाया प्रसाद सिन्हा	5 मार्च 1967 - 28 जनवरी 1968	बिंदेश्वरी दुबे	12 मार्च 1985 - 13 फरवरी 1988
सतीश प्रसाद सिंह	28 जनवरी 1968 - 1 फरवरी 1968	भागवत झा आज़ादी	14 फरवरी 1988 - 10 मार्च 1989
बी. पी. मंडल	1 फरवरी 1968 - 22 मार्च 1968	सत्येंद्र नारायण सिन्हा	11 मार्च 1989 - 6 दिसंबर 1989
भोला पासवान शास्त्री	22 मार्च 1968 - 29 जून 1968	जगन्नाथ मिश्रा	6 दिसंबर 1989 - 10 मार्च 1990
राष्ट्रपति शासन	29 जून 1968 - 26 फरवरी 1969	लालू प्रसाद यादव	10 मार्च 1990 - 28 मार्च 1995
हरिहर सिंह	26 फरवरी 1969 - 22 जून 1969	राष्ट्रपति शासन	28 मार्च 1995 - 4 अप्रैल 1995
भोला पासवान शास्त्री	22 जून 1969 - 4 जुलाई 1969	लालू प्रसाद यादव	4 अप्रैल 1995 - 25 जुलाई 1997
राष्ट्रपति शासन	6 जुलाई 1969 - 16 फरवरी 1970	राबड़ी देवी	25 जुलाई 1997 - 11 फरवरी 1999
दरोगा प्रसाद राय	16 फरवरी 1970 - 22 दिसंबर 1970	राष्ट्रपति शासन	11 फरवरी 1999 - 9 मार्च 1999
कर्पूरी ठाकुर	22 दिसंबर 1970 - 2 जून 1971	राबड़ी देवी	9 मार्च 1999 - 2 मार्च 2000
भोला पासवान शास्त्री	2 जून 1971 - 9 जनवरी 1972	नीतीश कुमार	2 मार्च 2000 - 10 मार्च 2000
राष्ट्रपति शासन	9 जनवरी 1972 - 19 मार्च 1972	राबड़ी देवी	11 मार्च 2000 - 6 मार्च 2005
केदार पांडेय	19 मार्च 1972 - 2 जुलाई 1973	राष्ट्रपति शासन	7 मार्च 2005 - 24 नवंबर 2005
अब्दुल गफूर	2 जुलाई 1973 - 11 अप्रैल 1975	नीतीश कुमार	24 नवंबर 2005 - 20 मई 2014
जगन्नाथ मिश्रा	11 अप्रैल 1975 - 30 अप्रैल 1977	जीतन राम मांझी	20 मई 2014 - 22 फरवरी 2015
राष्ट्रपति शासन	30 अप्रैल 1977 - 24 जून 1977	नीतीश कुमार	22 फरवरी 2015 - कार्यरत
कर्पूरी ठाकुर	24 जून 1977 - 21 अप्रैल 1979		

कार्टूनिस्ट की नजर में बिहार चुनाव...

कुल 223 विस सीटें

बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। चुनाव आयोग ने इस बार मतदान दो चरणों में करवाने का फैसला किया है। पहले चरण में 121, जबकि दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा। इसमें 1314 उम्मीदवार मैदान में हैं। दूसरे और अंतिम चरण में 20 जिलों के 122 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार में सामान्य की 203, एससी श्रेणी की 38, जबकि एसटी श्रेणी की 2 सीटें हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, जबकि दूसरे चरण में वोटिंग 11 नवंबर को होगी। नतीजों के लिए 14 नवंबर का इंतजार करना होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। इनमें करीब 3.92 करोड़ पुरुष, 3.50 करोड़ महिला और 1,725 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। ये सभी आंकड़े 30 सितंबर 2025 तक के हैं।

चुनाव में मुख्य मुकाबला दो स्थापित गठबंधनों के बीच ही होगा

बिहार विस चुनाव
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

बिहार विधानसभा चुनाव की राजनीति स्वाभाविक ही चरम पर है । जब तक किसी चुनाव का परिणाम नहीं आता तब तक हर प्रकार के विश्लेषण और अनुमान आते रहते हैं, आते रहेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आम विश्लेषण यह है कि भाजपा जदयू वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग और राजद, कांग्रेस , वामदल आदि के गठबंधन के बीच जबरदस्त टक्कर है और प्रशांत किशोर की नवगठित जन सुराज तीसरा स्थान पाने की स्थिति में है। एक विश्लेषण यह भी है कि जनसुराज पार्टी दोनों पक्षों को क्षति पहुंचा कर प्रभावी स्थान बना सकती है। प्रश्न है कि आखिर बिहार चुनाव में इस समय क्या संभावनायें दिखतीं हैं? 2020 विधानसभा चुनाव में दोनों मुख्य गठबंधनों के बीच केवल 12,768 वोटों का अंतर था। तब राजग को 37.26% (1,57,01,226) मत मिले थे जबकि महागठबंधन के खाते में 37.23% (1,56,88,458) मत गये। दोनों के बीच .03% मतों का मामूली अंतर था। इतने मामूली अंतर से राजग को 125 एवं राजद नेतृत्व वाले गठबंधन को 110 सीटें मिली थी। अन्य को आठ पर विजय हासिल हुई। इसके आधार पर पहला निष्कर्ष यही है कि अगर विरोधी गठबंधन को थोड़े मत और आ जाते तो नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार नहीं बनती। इसका निष्कर्ष यह भी है कि पुनः 5 वर्ष के शासन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार को लेकर लोगों में कुछ न कुछ असंतोष होगा और इस सत्ता विरोधी रुझान का लाभ विरोधी गठबंधन को मिल सकता है।

पिछली बार बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा की 52 विधानसभा सीटों पर हार-जीत का अंतर भी 5 हजार से भी कम वोटों का था। लेकिन चुनाव का अंकगणित इतना सरल नहीं होता। पिछले चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा अकेले 137 सीटों पर लड़ी थी और उसे 5.66 प्रतिशत यानी 23 लाख 83 हजार,457 मत मिले थे। इस बार चिराग पासवान गठबंधन में हैं और इन मतों को मिला दें तो दोनों के बीच बड़ा अंतर आ जाता है। तब 83 सीटों पर 10 हजार से भी कम से हार-जीत हुई थी। इन 83 सीटों में 28 पर राष्ट्रीय जनता दल और 10 पर कांग्रेस को जीत मिली थी। वास्तव में 2025 के विधानसभा चुनाव पूर्व का आकलन न 2020 और न 2015 के आधार पर हो सकता है। पिछले चुनाव में राजग गठबंधन में जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो भी नहीं थी। इसी तरह मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी या वीआईपी राजग में थी जो इस बार दूसरे गठबंधन में है। अब महागठबंधन में कुल आठ दल हो गए हैं। इस समय चुनाव पूर्व राजग के पास 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जद (यू) -45 और हम (एस) को 4 सीट है । इनके अलावा दो निर्दलीय विधायकों ने भी राजग को समर्थन दिया था। महागठबंधन के पास 111 सीटें हैं, जिनमें राजद को 77, कांग्रेस को 19, सीपीआई (एमएल) को 11, सीपीआई (एम) 2 और सीपीआई के पास 2 सीट हैं। इस बार इसमें वीआईपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और पशुपति पारस की लोजपा भी आ गई है। इस तरह विरोधी गठबंधन में 8 दल हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह भाजपा को छोड़ राजद और राजद छोड़ भाजपा से हाथ मिलाया उनसे उनकी साख और विश्वसनीयता काफी क्षीण हुई। बीच के काल में गुस्सा, तिलमिलाहट और वक्तव्यों में काफी असंतुलन उनकी पहचान बन रहा था। किंतु पिछले 6 महीना में आप इसमें गुणात्मक आमूल परिवर्तन देख रहे होंगे। पहले लगता था कि दोबारा साथ आने के बावजूद भाजपा उन्हें चुनाव में मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनाने से परहेज करेगी। भाजपा के ज्यादातर शीर्ष नेताओं ने इधर लगातार बयान दिया कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और फिर से वही मुख्यमंत्री होंगे। तो इसे लेकर संदेह बिल्कुल समाप्त हो गया है। इस कारण नीतीश कुमार के समर्थक मतदाताओं के अंदर का ऊहापोह भी खत्म हो गया होगा। सीटों को लेकर गठबंधन में समस्याएं हमेशा रही हैं और इस बार भी हैं। बावजूद नीतीश कुमार चुनाव प्रचार कर रहे हैं और सभी घटक दल उनके साथ खड़े हैं। सबसे बढ़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी एकजुट हैं और उनका आभामंडल सब पर भारी है। भाजपा और राज्य की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्वकारी राजनीतिक भूमिका का भी गहरा प्रभाव दिखाई देता है। नेतृत्व के साथ एकजुटता की यही तस्वीर विरोधी खेमे में नहीं दिखाई देती।

प्रशांत किशोर लंबी यात्राएं कर लोगों से संवाद किया है और उसका असर है। केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की नीतीश सरकार के विरुद्ध वैसा असंतोष कहीं नहीं है। कुल मिलाकर बिहार में मुख्य लड़ाई दो स्थापित गठबंधनों के बीच ही है। निस्संदेह, कुछ उम्मीदवारों को लेकर भाजपा के अपने ही कार्यकर्ताओं व समर्थकों में असंतोष है और उसका थोड़ा असर भी होगा, किंतु दूसरे गठबंधन में कलह और विद्रोह कहीं ज्यादा है। इसमें गठबंधन की एकजुटता, चुनावी तैयारी- प्रबंधन ,नेतृत्व की छवि, जनता के मुद्दे और मतदाताओं के सामूहिक मनोभावों में बड़े परिवर्तन की कामना न होने जैसे कारक ही चुनाव परिणाम निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

> **अब महागठबंधन में कुल आठ दल हो गए हैं। इस समय चुनाव पूर्व राजग के पास 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जद (यू) -45 और हम (एस) को 4 सीट है। दो निर्दलीय विधायकों ने भी राजग को समर्थन दिया था।**

सूर्य मंदिरों में अदभुत होता है छठ पूजा का नजारा

- चार दिनों तक चलने वाले छठ पर्व की हो गई है शुरुआत
- छठ में डूबते और उगते सूर्य को दिया जाता है अर्घ्य
- अलग ही रौनक देखने मिलती है बिहार में छठ महापर्व की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

छठ पूजा का शनिवार से आगाज हो गया है। सूर्य देव और छठी मइया को समर्पित छठ पूजा बिहार सहित न केवल पूरे देश बल्कि नेपाल और अमेरिका में भी धूमधाम से मनाया जाता है।

चार दिनों तक चलने वाले इस व्रत में व्रती कड़े नियमों का पालन करते हैं। इस दौरान सूर्योदय और सूर्यास्त के समय व्रती भगवान सूर्य देव को अर्घ्य भी देते हैं। आइए, छठ पर्व पर देश में मौजूद कुछ प्रमुख सूर्य मंदिरों के बारे में जानते हैं

देवार्क मंदिर, औरंगाबाद

देश के 12 सूर्य मंदिरों में से नौ अकेले बिहार में स्थित हैं। औरंगाबाद में स्थित देवार्क मंदिर काफी प्रसिद्ध है। यह मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले के देव नामक स्थान पर स्थित है और भगवान सूर्य को समर्पित है। पूरे देश में मौजूद सूर्य मंदिरों में यह अनोखा है क्योंकि इसके दरवाजे पूरब की ओर नहीं, बल्कि पश्चिम दिशा की ओर हैं।

दक्षिणार्क सूर्य मंदिर, गया

बिहार के गया जी में भी एक फेमस सूर्य मंदिर है, जिसे दक्षिणार्क सूर्य मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर भी भगवान सूर्य को समर्पित है। यहां छठ पूजा के समय काफी भव्य आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु यहां सूर्य देव की पूजा-अर्चना करने के लिए दूर-दूर से आते हैं। ऐसे में आप भी यहां जाकर छठ पूजा देख सकते हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर, ओडिशा

छठ पूजा के मौके पर अगर आप बिहार या उत्तर प्रदेश नहीं जा पाए हैं, तो आप ओडिशा जा सकते हैं। यहां भी छठ की जबरदस्त रौनक देखने को मिलती है। ओडिशा के कोणार्क में स्थित सूर्य मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है। इसकी संरचना एक विशाल रथ के आकार में बनाई गई है, जिसमें 24 पहिए हैं और इसे सात घोड़े खींच रहे हैं। ये पहिए साल के 12 महीनों और 24 घंटे का प्रतीक हैं।

रांची का सूर्य मंदिर

झारखंड में भी एक प्रसिद्ध सूर्य मंदिर है, जो राजधानी रांची से करीब 39 किलोमीटर दूर बुंडू नामक स्थान पर स्थित है। यह मंदिर देखने में ओडिशा के कोणार्क सूर्य मंदिर जैसा दिखता है। मकर संक्रांति और छठ पूजा के दौरान यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

सूर्य मंदिर मोढेरा (गुजरात)

गुजरात के मोढेरा में बना सूर्य मंदिर 1000 साल पुराना है। यह मंदिर फिजिक्स और एस्ट्रोनॉमी और अध्यात्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस मंदिर में साल में दो दिन सूर्य की रोशनी मंदिर के गर्भगृह में मौजूद तक पहुंचती है और प्रतिमा को छूती है। यह भौगोलिक घटना "सोलर इक्विनॉक्स' के दिन होती है, जो साल में दो दिन होता है।

ग्वालियर का सूर्य मंदिर

यह सूर्य मंदिर एक अद्भुत वास्तुशिल्पीय कृति है जो हर साल बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करती है। इस मंदिर के लाल बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर इस मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। हालाँकि, यह एक और सूर्य मंदिर है जहाँ भक्त छठ पूजा के दौरान दर्शन कर सकते हैं।

उत्तराखंड के कटारमल अल्मोड़ा में सूर्य मंदिर

कटारमल में सूर्य मंदिर एक और प्रसिद्ध मंदिर है जहाँ भक्त छठ पूजा के दौरान दर्शन कर सकते हैं। यह उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित एक तीर्थ स्थल है।

मार्तण्ड सूर्य मंदिर जम्मू और कश्मीर

यह आठवीं शताब्दी में बनाया गया एक प्राचीन मंदिर है, जो जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित एक बहुत ही महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक स्थल है। इस भव्य मंदिर का निर्माण आठवीं शताब्दी ईस्वी (लगभग 725-753 ईस्वी) में कर्कोटा राजवंश के सबसे शक्तिशाली शासक ललितादित्य मुक्तापीड़ ने करवाया था। "मार्तण्ड" का अर्थ है सूर्य देव। यह मंदिर पूरी तरह से सूर्य देव को समर्पित है।

सूर्यनार कोविल मंदिर (सूर्यनार मंदिर), तमिलनाडु

यह राज्य के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक है। सूर्यनार कोविल मंदिर तमिलनाडु के प्रसिद्ध नवग्रह मंदिरों के समूह का हिस्सा है। यह मंदिर विशेष रूप से सूर्य भगवान (सूर्यनारायण) को समर्पित है, जबकि अन्य नवग्रह मंदिरों में मुख्य देवता शिव होते हैं।

बिहार की चुनावी रैली में बोले केंद्रीय गृह मंत्री शाह, महागठबंधन पर जमकर साधा निशाना

लालू-राबड़ी सरकार में वापस आ गए तो फिर से जंगलराज का होगा बोलबाला

एजेंसी ▶▶| मुंगेर

इस राज्य में 6 व 11 नवंबर को होगा दो चरणों में मतदान

14 नवंबर को बालदिवस के दिन होगी मतगणना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंगर और खगड़िया में आयोजित चुनावी रैलियों में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने विरोधी दलों पर 1990 के दशक के शासन-काल को जंगलराज करार देते हुए विकास और सुरक्षा के मुद्दों पर जनता से एनडीए को दोबारा बहुमत दिलाने की अपील की। मुंगर रैली में शाह ने लालू-राबड़ी शासनकाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि लालू-राबड़ी वापस आ गए तो फिर से जंगलराज वापस आ जाएगा, जबकि मोदी और नीतीश के आने पर बिहार फिर से

विकसित बिहार की दिशा में आगे बढ़ जाएगा। उनके समय में हत्याएं, फिरौती, अपहरण और जघन्य नरसंहार हुए और उन्होंने बिहार को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी की सरकार ने अनेक सालों तक जंगलराज चलाया। हत्याएं, फिरौती, अपहरण, जघन्य नरसंहार और एक प्रकार से हमारे हरे-भरे बिहार को तहस-नहस कर दिया था।

हम पांडवों की तरह एकजुट

रैली में उन्होंने चुनावी गठबंधन के समीकरणों पर भी हमला बोला और कहा कि इस बार एनडीए के पांच दल पांच पांडवों की तरह एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि महागठबंधन टिकट बंटवारे में ही उलझा हुआ है। उनके मुताबिक इस गठबंधन के पास न तो नेता है, न नीयत है और न नेतृत्व. शाह ने दोहरा संदेश देते हुए कहा कि उनका दल नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है और बीते 20 सालों में एनडीए की नीतियां स्पष्ट रही हैं। स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई, समय पर दवा, खेतों में सिंचाई और हर घर में पीने का पानी सुनिश्चित करने पर उन्होंने जोर दिया।

पूर्व मंत्री-विधायक समेत 11 बागी नीतीश ने किए निष्कासित

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जनता दल (यूनाइटेड) ने संगठन के भीतर बगावत को लेकर सख्त कदम उठाया है। पार्टी ने निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ रहे अपने 11 बागी नेताओं को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इन नेताओं ने पार्टी की विचारधारा, अनुशासन और संगठनात्मक आचरण के खिलाफ जाकर कार्य किया है, जिसके चलते इन्हें प्राथमिक सदस्यता से निलंबित करते हुए निष्कासित किया जाता है। बता दें कि जेडीयू बिहार में कुल 101 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

बीजेपी वालों ने नीतीश को किया हाईजैक वे सरकार चलाने लायक नहीं : तेजस्वी

राजद नेता व महागठबंधन के घोषित सीएम पद के दावेदार तेजस्वी यादव ने खगड़िया में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश चाचा की उम्र हो गई है। वो सरकार चलाने लायक नहीं रह गए। बीजेपी वालों ने उन्हें हाईजैक कर लिया है। वही सरकार चला रहे हैं। खगड़िया की जनता इस बार भाजपा को रिजेक्ट कर देगी। ये लोग हिंदू-मुस्लिम करेंगे, लेकिन तेजस्वी के साथ पिछड़ा, दलित, अपर कास्ट सब हैं। हमें मुद्दों की बात करनी है, बंटना नहीं है। छठी मइया से प्रार्थना है कि सबका दुख हर ले और बेईमानों को सत्ता से उखाड़ फेंके। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बाद चुने गए विधायक बिहार के सीएम का फैसला करेंगे। तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि बिहार में 20 साल से जेडीयू की अगुवाई में एनडीए की सरकार है। इसके बावजूद बिहार गरीब राज्य है।

खगड़िया की चुनावी सभा में बरसे राजद नेता

ऑस्ट्रेलिया की 2 महिला क्रिकेटरों के साथ इंदौर में छेड़छाड़, बवाल

एजेंसी ▶▶| इंदौर

वर्ल्ड कप मैच से पहले हुई शर्मनाक घटना, आरोपी गिरफ्तार

स्वच्छता के मामले में देश के नंबर-1 शहर इंदौर में एक ऐसी घटना हुई है, जिसने देश की इज्जत पर कालिख पोतने का काम कर दिया है। दरअसल महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए इंदौर पहुंची ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की क्रिकेटरों के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ की घटना हुई है। एक बाइक सवार एक मनचले ने इस घटना को तब अंजाम दिया, जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स रेडिसन ब्लू होटल के करीब पैदल ही कैफे जा रही थीं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इंदौर पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम अकील है व आजाद नगर का निवासी है। वह स्थानीय डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता है। उसकी बाइक को जब्त कर लिया गया है। इस घटना के बाद महिला वर्ल्ड कप खेलने आए सभी देशों में भारत की किरकिरी हो रही है। खासतौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसे लेकर काफी तीखा रिएक्शन दिया है। बीसीसीआई ने भी इस पूरी घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और देश की छवि खराब करने वाला बताया है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के साथ मैच के लिए पहले से दोनों देशों की खिलाड़ी यहां पर थीं।

यह थी पूरी घटना

इंदौर में 23 अक्तूबर की शाम को होटल रेडिसन ब्लू से दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर पैदल ही कैफे की तरफ जा रही थीं। इसी दौरान बाइक पर सवार अकील ने उन्हें गंदे शब्द कहे और छूते हुए छेड़छाड़ करने की कोशिश की। महिला क्रिकेटरों के एसओएस नोटिफिकेशन भेजते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलियाई टीम के सिक्योरिटी अफसर डेनी सिमंस की शिकायत पर थाना एमआईजी पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व सीआईए अधिकारी का बड़ा दावा, हमने 'खरीद' लिया था मुशर्रफ

अमेरिका के पास थी पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की चाबी

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने अपने देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। अमेरिका ने मुशर्रफ को लाखों डॉलर की मदद के जरिए 'खरीद' लिया था।

मुशर्रफ के शासनकाल में अमेरिका को पाकिस्तान की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों तक लगभग पूरी पहुंच थी। एएनआई से बातचीत में पूर्व सीआईए अधिकारी किरियाकू ने एक सवाल, पाकिस्तान में परमाणु हथियारों के आतंकवादियों के हाथों में जाने के डर, के जवाब में कहा कि 'जब मैं 2002 में पाकिस्तान में तैनात था, तो मुझे अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि पेंटागन पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार को नियंत्रित करता है, और परवेज मुशर्रफ ने नियंत्रण संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया है क्योंकि उन्हें ठीक इसी बात का डर था।'

पाक राजनेता जनता पर ध्यान नहीं देते

किरियाकू के अनुसार, पाकिस्तान के राजनेता जनता की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा, ये वही नेता हैं, जिनके साथ पाकिस्तानी जनता को जीना पड़ता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या अल कायदा पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर कब्जा कर सकता है, तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ऐसा नहीं होगा।

'अमेरिका ने मुशर्रफ को खरीद लिया था'

किरियाकू ने कहा, अमेरिका ने पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ इतना करीबी रिश्ता बनाया कि सचमुच उसे खरीद लिया गया। किरियाकू के अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान को लाखों डॉलर की मदद दी, चाहे वह सैन्य मदद हो या आर्थिक विकास के लिए, और मुशर्रफ ने अमेरिका को पूरी आजादी दी कि वे अपने काम कर सकें। किरियाकू ने यह भी बताया कि मुशर्रफ सेना को खुश रखने के लिए अमेरिका के साथ आतंकवाद विरोधी सहयोग का ढोंग करता था, जबकि गुप्त रूप से भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां जारी रहती थीं।

एयर इंडिया के विमान से पक्षी टकराया, हुई इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अहमदाबाद प्लेन हादसे के बाद से एयर इंडिया की फ्लाइट लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। शुक्रवार रात नागपुर से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई-466 के टेक-ऑफ के तुरंत बाद एक पक्षी से टकरा गई। इसके बाद एयरलाइन ने तुरंत नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई, इस घटना में फ्लाइट में सवार 150 यात्री सुरक्षित थे और किसी को चोट नहीं आई।

पक्षी से टकराने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत सावधानी के तौर पर फ्लाइट को एयरपोर्ट पर उतारने का फैसला लिया। कुछ ही मिनटों में फ्लाइट सुरक्षित लैंड कर गई। तकनीकी जांच में खामी पाए जाने के कारण फ्लाइट को बाद में कैंसिल कर दिया गया।

बीच आसमान में अटकी 150 यात्रियों की जान, नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

कुछ दिन पहले भी हुआ था ऐसा हादसा : हाल के दिनों में यह दूसरी घटना है जब एयर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकराया। पिछले महीने भी एक फ्लाइट का नोज कोन पक्षी से टकराने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। उस समय रनवे पर बाज का शव मिला था। बाज के टकराने से फ्लाइट का नोज कोन टूट गया था और पक्षी की मृत्यु हो गई थी।

तकनीकी खामी का चला पता : फ्लाइट में तकनीकी खामी का पता चला है, लेकिन इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। नागपुर एयरपोर्ट पर हमेशा पक्षियों की निगरानी के लिए स्टाफ तैनात रहता है, लेकिन रात के समय पक्षी दिखाई नहीं देते।

भारत लाया गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शार्प शूटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई यानी सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने शनिवार को एक अहम अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन में अमेरिका से मोस्ट वांटेड गैंगस्टर लखविंदर कुमार को भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर की गई है। लखविंदर कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से जुड़ा बताया गया, जो पिछले कुछ वर्षों से देश में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। लखविंदर कुमार के खिलाफ हरियाणा पुलिस ने जबरन वसूली, धमकी, अवैध हथियार रखने और हत्या की कोशिश जैसे कई गंभीर मामलों में केस दर्ज कर रखा था।

'मानवाधिकारों' की बात न करे आतंक पोषित राष्ट्र

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान की अवधारणाओं से पाकिस्तान बिल्कुल अनजान है। जो देश सेना के पीछे रहकर काम करता है, वो लोकतंत्र के मायने नहीं समझ सकता संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 80वें यूएन दिवस के अवसर पर हुई खुली बहस के दौरान अपने बयान में कहा कि हम मांग करते हैं कि पाकिस्तान अवैध रूप से कब्जाए इलाकों में जारी मानवाधिकार उल्लंघन को बंद करे।

RAIPUR: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332 | AVANTI VIHAR: SKY AUTOMOBILES: 9584333066, 9584465304 | MAHOBA BAZAR, G.E. ROAD: SKY AUTOMOBILE: 9584433005, 9584465304 | BHILAI: POWER HOUSE, G.E. ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 9926761100 | DURG BYPASS: CHOUHAN AUTOMOBILES: 7222910050, 7222910057, 7222910042 | DURG: PULGAON CHOWK: SPARSH AUTOMOBILES: 7987561390 | JAGDALPUR: SKY AUTOMOBILES: 8889998607, 9584465304 | BHATAGAON: HDN MOTORS: 7909800009. SARONA: VISHWABHARTI AUTOMOBILES: 6262620018 | DUMERTARAI, DHAMTARI ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332, 9111011381.

उड़ने के लिए तैयार फ्लाइंग कार

आसमान में उड़ते हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर को तो हम सबने देखा है। अब बस कुछ ही वर्षों में आस-पास की दूरियों को तय करने के लिए फ्लाइंग कारें भी उड़ती हुई दिखने लगेंगी। कई विदेशी कंपनियां इस दिशा में पूरी तरह रेडी हो चुकी हैं तो अपने देश में भी इस बारे में जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। भविष्य के नए हवाई सफर पर एक नजर।

टीकैब कंपनी चीन की ई20 एयरटैक्सी

कवर स्टोरी
एन. के. अरोड़ा

उड़ने वाली कारें यानी फ्लाइंग कार या रोडेबल एयरक्राफ्ट यानी ऐसी गाड़ियां, जो सड़कों पर चल भी सकें और जरूरत पड़ने पर उड़ान भी भर सकें। अब ये केवल हॉलीवुड की फिल्मों का हिस्सा भर नहीं हैं बल्कि ये हकीकत है। हां, यह बात अलग है कि अभी इसका उपयोग लोगों ने शुरू नहीं किया है। अभी ये कारें सीमित स्तर पर प्रोटोटाइप, परीक्षण, नियामक मंजूरी और टेस्ट फ्लाइट के दौर से गुजर रही हैं। अभी सड़क पर दौड़ने और उड़ान भरने वाली ये कारें, आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के कई देशों में ये कारें जल्द से जल्द आम लोगों के घरों के गैराज में दिखने लगेंगी।

कई स्तरों पर हो रही तैयारी: साल 2025 के अंत तक दुनिया भर में कई कंपनियां ऐसी

स्काई ड्राइव, जापान की एयरटैक्सी

इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (वीटीओएल) कारों को पूरी तरह तैयार कर लेंगी, क्योंकि इन कंपनियों की फ्लाइंग कारों की प्रगति महत्वपूर्ण चरणों में है। कुछ देशों और कंपनियों ने तो अपनी कारों की सूची भी सोशल मीडिया पर जारी कर दी है। इस समय दुनिया भर के अलग-अलग देशों में करीब 250 ऐसी कंपनियां हैं, जो उड़ने वाली कारों यानी फ्लाइंग टैक्सियों या वीटीओएल परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। कई प्रोटोटाइप पहले ही हवा में उड़ान भर चुके हैं, कुछ मानव पायलट के साथ और कुछ बिना इंसानी ड्राइवर के। उदाहरण के लिए टर्की में सीजेरी का प्रोटोटाइप और जापान में स्काई डाइव का प्रोटोटाइप हवा में उड़ान भर चुका है। कई कंपनियां एयर टैक्सी शुरू करने की बिल्कुल व्यावहारिक योजनाएं बना चुकी हैं, तो कुछ देशों ने सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। कहने का मतलब उड़न कारें

जॉबी एविएशन, अमेरिका की ईवीटॉल

यानी, जमीन और हवा दोनों पर चलने वाली कारें भले अभी दुनिया में आम लोगों के इस्तेमाल में आना शुरू न हुई हों, पर इनके एक साथ पूरी दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट काम कर रहे हैं कि दिन-रात इनके बारे में बातें होना स्वाभाविक है। इनके उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति इन कारों पर भारी निवेश भी कर रहे हैं।

कई कंपनिया हैं एक्टिव: आज दुनिया के जिन देशों में प्रमुख कंपनियां ऐसी फ्लाइंग कारें बनाने में जुटी हुई हैं, उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉबी एविएशन ने एफएए से एयर करियर प्रमाणपत्र हासिल किया है और डेल्टा एयरलाइंस के साथ साझेदारी की है। इसी तरह आर्चर एविएशन ने भी यूनाइटेड एयरलाइंस से 10 मिलियन डॉलर प्राप्त किया है। इसी तरह जेस्टन वन नामक एक व्यक्तिगत उड़न वाहन भी अमेरिका में विकसित किया गया है, जिसकी कीमत 1 लाख 28 हजार डॉलर है और जिसे उड़ाने के लिए किसी पायलट लाइसेंस की जरूरत नहीं है। जबकि चीन एक्सपेंग एयरोहॉट दुनिया की पहली ऐसी कंपनी है, जिसने बिना पायलट के यात्री उड़ानों के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर ली है। इसने लैंड एयरक्राफ्ट करियर नामक मॉड्यूलर कार विकसित की है, जिसमें एक फोल्डेबल ईवीटीओएल है। टीकैब टैग कंपनी ने ई-20 नामक मानवयुक्त ईवीटीओएल विकसित की है। इसी तरह ब्राजील ने ईव एयर मोबिलिटी, जापान की स्काई ड्राइव और जर्मनी की लिलियम बोलोकॉप्टर कंपनियों ने भी अपनी-अपनी उड़न कारें विकसित कर ली हैं और इन सबकी हवा में उड़ने और जमीन में जरूरत पड़ने पर चलने वाली ये कारें परीक्षण और अपग्रेडेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। इन दिनों इसी काल्पनिक सच को हकीकत में बदलने के लिए विकसित देशों में दर्जनों उड़न कारें अपनी बुनियादी उड़ाने भर रही हैं या दूसरे शब्दों में ट्रेंड हो रही हैं।

ऐसे आई सुर्खियों में: फ्लाइंग कारों की चर्चा अचानक इसलिए बढ़ी है, क्योंकि पिछले दिनों दो उड़ने वाली कारें एक फ्लाइंग शो के दौरान हवा में ही टकरा गईं और एक बड़ा हादसा हो गया। यह अलग बात है कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। दरअसल, चीन के जिलिन में बीते 16 सितंबर 2025 की दोपहर को चल रहे चांगचुन एयर शो के दौरान एक्सपेन एयरोहॉट की दो वीटीओएल आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस टक्कर से एक यात्री घायल हो गया, जिसे जानलेवा चोट नहीं लगी। लेकिन इस दुर्घटना की वजह से रातों-रात पूरी दुनिया की आटोमोबाइल इंडस्ट्री में वीटीओएल कारों के किस्से पूरी तरह से छा गए और हर किसी को पता लग गया कि उड़ने वाली कारें अब विज्ञान कथा भर नहीं हैं, वास्तविक जिंदगी का हिस्सा बनने की कगार पर हैं। निकट भविष्य में इनका उपयोग शहरी परिवहन, आपातकालीन सेवाओं और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में बहुत कॉमन हो जाएगा।

सुरक्षा है बड़ा मुद्दा: जिस तरह इन दिनों चीन में हुई हवाई दुर्घटना के कारण दो एयर टैक्सियों के आपस में भिड़ जाने पर खूब चर्चा हो रही है, उससे उड़ने वाली कारों यानी ईवीटीओएल की तकनीकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। माना जाता है कि ऐसी काल्पनिक कारों का यह पहला मिड एयर कॉलिशन है। लेकिन यह अकेला कारण भी नहीं है, जिसकी वजह से इन उड़न कारों की बातें हो रही हैं। दरअसल, अब नए मॉडल के नई लाइफस्टाइल को सपोर्ट करने वाले शहरों के बसाए जाने की बात भी हो रही है। इन्हीं नए शहरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर अर्बन एयर मोबिलिटी पर जबर्दस्त चर्चा हो रही है, क्योंकि भविष्य के शहरों में लोगों के पास इतना समय नहीं होगा कि वे ट्रैफिक में घंटों फंसे रह सकें। इसलिए ऐसी कारों की जरूरत जबर्दस्त ढंग से पैदा होने वाली है, जो हवा में उड़कर मिनटों में एक जगह से दूसरी जगह कई किलोमीटर दूर पहुंच सकती हैं।

सिर्फ सुरक्षा का ही नहीं, वास्तव में इन वाहनों की उड़ान और लैंडिंग की अनुमति भी एक बड़ी समस्या होगी, जिस पर इन दिनों

एक्सपेन एयरोहॉट ईवीटॉल, चीन

सिस्टमेटिक ढंग से प्लानिंग हो रही है। लोगों को उत्सुकता है कि एयर ट्रैफिक रेगुलेशन, पायलट ट्रेनिंग, बैटरी रिलायबिलिटी, इस तरह की सभी समस्याएं एक-एक करके हल हों ताकि उड़ने वाली कारें अब फिक्शन न रह जाएं।

बहरहाल, विशेषज्ञ कहते हैं कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सन 2030 तक दुनिया के अनेक बड़े शहरों के आसमान में हवा में उड़ान भरने वाली कारें दिखने लगेंगी। *

भारत में भी जल्द उड़ेंगी एयरटैक्सी

केवल विदेशों में ही नहीं अपने देश भारत में भी ईवीटॉल विकसित करने में कुछ कंपनियां सक्रिय हैं। डीजीसीए ने पंजाब की एक कंपनी के एयरटैक्सी मॉडल को डिजाइन अप्रूवल सर्टिफिकेट भी दे दिया है। एयरटैक्सी के टेकऑफ और लैंडिंग के लिए वर्टिपोर्ट बनाने की प्लानिंग पर भी काम किया जा रहा है। बेंगलुरु की एक कंपनी भी इस दिशा में एक्टिव है। सब कुछ प्लानिंग के अनुसार फाइनल होने पर वर्ष 2028 तक दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी का परिचालन शुरू हो सकता है। इसके बाद कोलकाता, मुंबई जैसे अन्य मेट्रो शहरों में भी एयरटैक्सी चलने की संभावना है।

अवेयरनेस / संध्या सिंह

इन दिनों लगभग रोज ही साइबर फ्रॉड की अनेक घटनाएं घटित हो रही हैं। साइबर क्रिमिनल्स नए-नए तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में जरा सी लापरवाही आपका भारी आर्थिक नुकसान करा सकती है। इसलिए साइबर वर्ल्ड में हमेशा एलर्ट रहें।

खूब हो रहा साइबर फ्रॉड ना बरतें कोई लापरवाही

आजकल सोशल मीडिया पर साइबर तस्करी, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, डीपफेक में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी धोखाधड़ी अब आम हो गई है।

सोशल मीडिया पर फ्रॉड नेटवर्क: हाल के दिनों में लोगों को व्हाट्सएप पर नकली ई-चालान मिलना, नकली बिजली, पानी, गैस, केबल के बिल मिलने जैसी चीजें आम हो गई हैं, जिनमें व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा जाता है और उसमें यह वॉर्निंग दी जाती

है कि यदि समय पर बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। हड़बड़ी में लोग अकसर व्हाट्सएप में आए उस बिल पर क्लिक कर देते हैं और कुछ समय बाद उन्हें पता चलता है कि उनके खाते से काफी पैसे निकाल लिए गए हैं। यहां तक कि फेसबुक पर भी बहुत रोचक कहानियां बनाकर उन्हें डाल दिया जाता है और जब लोग उन्हें पढ़कर आगे की कहानी जानने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करते हैं, तो उस लिंक पर कई बार एडल्ट साइट्स से उनका सामना होता है या गलत लिंक पर क्लिक करने के कारण वे साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

हो रहा भारी नुकसान: साइबर क्राइम अब एक ऐसी समस्या के रूप में सामने आ रहा है, जो हमारा पैसा और मन की शांति दोनों को खत्म कर रहा है। साइबर अपराध पर 254वीं संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट ने इस बात का खुलासा किया है कि साइबर ठगी के जरिए 31,500 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। इस साल साइबर अपराधी एक साथ कई मोर्चों पर सक्रिय हैं। संसदीय रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि साइबर अपराधी एक साथ कई हथकंडे आजमा रहे हैं। लोग यह समझते हैं कि इनसे बचने के उपाय, अत्यधिक कुशल हैकर्स का काम है, लेकिन इससे आम लोगों को यह समझना होगा कि उनको नेविगेट करने की क्षमता हम सबमें होनी जरूरी है।

बीते जुलाई माह में गुरुग्राम पुलिस द्वारा एक ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया, जहां जालसाज वीआईपी नंबर्स और पुलिस स्टेशन की पृष्ठभूमि का एआई द्वारा उपयोग करके वीडियो कॉल पर कानून अधिकारी के रूप में पेश आते थे, जो लोगों को उनके नाम पर एक पैकेट में अवैध वस्तुएं होने का हवाला देकर उन्हें गिरफ्तार कर लेने के लिए डराते थे और उन्हें यह धमकी देते थे कि यदि वह तुरंत अपनी जमानत या वैरीफिकेशन के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान नहीं करते, तो उन्हें कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस द्वारा छापे में स्क्रीन स्क्रिप्ट और जाली आईडी मिली, इसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं, जिनका लिंक दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेटवर्क से था, जो सीधे भारतीयों को अपना निशाना बना रहे थे।

जागरूकता है जरूरी: यह सही है कि आज के दौर में साइबर अपराध इतने जटिल हो गए हैं और लोगों को ठगी का शिकार बनाने के उनके तरीके इतने दबे छिपे होते हैं कि आम लोगों में जागरूकता का अभाव होने के कारण वे सहजता से इसका शिकार हो जाते हैं। मसलन, अगर आपको कोई पुलिस अधिकारी होने का दावा करने वाले का कॉल आता है तो उनसे यह पूछा जा सकता है कि वीडियो कॉल के जरिए भला गिरफ्तारी कैसे हो सकती है? इस तरह की समझदारी और अवेयरनेस से फ्रॉड से बच सकते हैं।

बिना डरे रहें सजग: इन जटिल साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के समाधान या तरीके इतने कठिन नहीं है, जितने हम समझते हैं। हमें हर चीज पर सवाल उठाना सीखना होगा और जीरो ट्रस्ट नीति अपनानी होगी। एक बार जब हम ऐसे मामले में जीरो ट्रस्ट नीति अपनाने लगते हैं तो साइबर सुरक्षा आसान

हो जाती है। किसी भी लिंक अटैचमेंट या मैसेज पर जाने से पहले बिना सोचे-समझे क्लिक नहीं करना चाहिए, क्योंकि साइबर जगत में हर अंजान को जांचने-परखने की नीति अपनाएं। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले सोचें, विचार करें। वेडिंग इंविटेशन या ई-चालान की पीडीएफ/जेपीईजी फाइल होनी चाहिए, न कि एपीकेएस। एपीकेएस पर क्लिक करने का ही मतलब है आप हैकर को क्लिक कर रहे हैं। किसी को भी अपना ओटीपी या यूपीआई पिन या स्क्रीन शेयर न करें। क्योंकि कानून आपको इन्हें साझा करने के लिए नहीं कह सकता। ऑड यूआरएलएस, नए हैंडल्स, मिस मैच्ड लोगो, भ्रम पैदा करने वाली ईमेल आईडी पर क्लिक न करें। अगर आपके खाते से पैसों की ठगी हो जाती है तो 1930 नंबर पर कॉल करें और अपने बैंक को तुरंत फोन करके इसके बारे में सूचित करें। कुल मिलाकर ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए बिना डरे एलर्ट रहना जरूरी है। *

कविता
आरती आस्था

छोड़ना

मां छोड़ देती है
सब कुछ
अपने बच्चे के लिए।
वही बच्चा होकर बड़ा
छोड़ देता है
मां को
अपने प्रेम के लिए।
छोड़ते हैं दोनों ही
अपने-अपने प्रेम के लिए।
पर लगाना अनुमान
है लगभग असंभव
किसका छोड़ना
और किसका छूट जाना
होता है
ज्यादा पीड़ादायक।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

लचकलाल को भी मिले नोबेल पुरस्कार

भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि, भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह भी क्यों नहीं प्रसिद्ध बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं!

हर साल अक्टूबर के महीने में नोबेल पुरस्कार का हल्ला रहता है। इस बार भी हल्ला रहा। लचकलाल फिर नोबेल पुरस्कार के लिए बेचैन हुए। वह नोबेल पुरस्कार चाहते हैं, भ्रष्टाचार के मामले में। उनका कहना है, इस क्षेत्र में उनसे अच्छा और श्रेष्ठ कार्य किसी ने नहीं किया है, ना ही कोई कर सकता है। इस क्षेत्र में उन्होंने जितने नवाचार किए हैं, उतने तो अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश ने अपना माल बेचने के लिए विश्व शांति के क्षेत्र में भी नहीं किए होंगे।

लचकलाल का यह कहना है कि भ्रष्टाचार में गोपनीयता के मामले में उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। वह कैसे-कैसे टेबल के नीचे से सेवा शुल्क लेकर जनसेवा करते रहे हैं, वो रिकॉर्ड बने हैं। लचकलाल भ्रष्टाचार में यूपीआई की भी सुविधा ले रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार को ऑन लाइन कर दिया है। उनकी टेबल पर घूस ऑन लाइन भी ली जाती है-जल्द यह तख्ती भी लग सकती है। लचकलाल को लगता है, वे अपनी भ्रष्टाचार की सेवाओं से विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को उन्होंने अब शासकीय शिष्टाचार मान लिया है। इस प्रतिभा के पीछे उन्होंने ऐसी दिव्य दृष्टि पाई है कि एक बार में ही वह अच्छे से अच्छे ईमानदार अधिकारी को देखते ही समझ जाते हैं, यह अधिकारी अपनी सेवा कितने में प्रदान करेगा? इसकी सेवा का लाभ कैसे लेना है? इसकी निष्ठा का कितना दाम लगाना है? लचकलाल यह सब अपनी भ्रष्टाचारी दिव्य दृष्टि से कुछ ही दिनों में ताड़ लेते हैं कि साहब टेबल के कितने ऊपर और टेबल के नीचे कितने तक धंसे हैं? लचकलाल ने अपनी इस दिव्य दृष्टि और कला के सहारे बहुत से नवागत अधिकारियों, कर्मचारियों को भी भ्रष्टाचार के मामले में प्रशिक्षित किया है। कोई कितना ही ईमानदार व्यक्ति शासकीय सेवा में 'सेवा परमोधर्मः' की भावना से आए, लेकिन उनकी दिव्य दृष्टि उसे भ्रष्टाचार की कला बहुत ही जल्दी सीखा देती है। इस कला को सीखने के बाद वह नवागत अधिकारी भ्रष्टाचार के दूध में पताशे(बताशे) की तरह घुल जाता है। लचकलाल भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने में उसी तरह से दक्ष हैं, जैसे इन दिनों मिस्टर ट्रंप विश्व शांति की चाशनी बनाने के लिए अपनी वैश्विक चम्मच हिला रहे हैं। वह बात अलग है कि चाशनी बन नहीं रही है। इस बार भी तथाकथित विश्व शांतिदूत नोबेल पुरस्कार के लिए चम्मच हिलाते ही रह गए।

खैर! मिस्टर लचकलाल अपने अभियान में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने और उसमें से जलेबी निकालने से कोई नहीं रोक सकता है। उनके पास भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टों का जनाधार है। वे अपनी इस कला से लोकतंत्र की सेवा करना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि इस कला से राष्ट्र निर्माण भी आसानी से किया जा सकता है। कम बजट में सड़कों, पुलों, सरकारी भवनों और सेवाओं का कार्य पूरा हो जाता है। भ्रष्टाचार उनके लिए सरकारी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है। उसके बगैर अधिकारियों को कार्य करने में मजा नहीं आता और सरकारों को सरकार चलाने में मजा नहीं आता। लचकलाल की मानें तो वह जनता और सरकार के बीच भ्रष्टाचार, पुल का काम करते हैं। भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह क्यों नहीं बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं! उन्हें लगता है कि वह भ्रष्टाचार विषय के मामले में बुद्धिजीवी बन गए हैं। अब आखिर उन्हें क्यों नहीं इस क्षेत्र में सेवा, शोध और नवाचार के लिए नोबेल पुरस्कार मिले! *

लघुकथा / अलका जैन 'आराधना'

प्रेरणा

आईआईटी में सेलेक्शन न होने से हताश रौनक, रेल की पटरियों के किनारे चला जा रहा था। एक पल के लिए उसके मन में खुद को खत्म करने का ख्याल आ रहा था। अचानक मम्मी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे, 'रेल की पटरियां रेल को गंतव्य तक पहुंचाती हैं। बेटा, इनसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए... क्योंकि वास्तव में चलना ही जिंदगी है।'

रौनक के चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह सोच रहा था कि आईआईटी में सेलेक्शन ना होना तो एक पड़ाव भर है, जीवन में और भी बहुत कुछ है करने के लिए। अब वह मुस्कुराते हुए घर वापसी का फैसला कर चुका था। घर पहुंचा तो मम्मी-पापा बेसब्री से उसका ही इंतजार कर रहे थे। दोनों ने एक-साथ उसके कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'तुम्हारा पसंदीदा मूंग की दाल का हलवा बनाया है, इसे खाओ और नई राह पर आगे बढ़ने की शुरुआत करो। जिंदगी किसी मोड़ पर खत्म नहीं होती, नई शुरुआत कहीं से भी की जा सकती है।'

रौनक अपने मम्मी-पापा के पैरों में झुक गया। उसे लग रहा था कि रेल की पटरियों ने उसे जीवन से पलायन की नहीं जीवन को गले लगाने की प्रेरणा दे दी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमानुभूति में भीगी कविताएं

प्रेम एक ऐसा विषय है, जिस पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं लेकिन कोई भी रचना इसके बारे में स्थायी या अंतिम सच साबित नहीं हो पाती। दरअसल, यह इंसानी मनोजगत में उपजने वाली भावनाओं से निर्मित ऐसी दुनिया होती है, जिसे हर इंसान अलग तरीके से अनुभूत करता है। सविता सिंह के नए कविता संग्रह 'प्रेम भी एक यातना है' की कविताएं प्रेम के ऐसे ही अनदेखे, अबूझ क्षितिज से हमारा परिचय कराती हैं। यहां उनकी व्यक्तिगत अनुभूतियां बड़ी कोमलता के साथ प्रकृति और समष्टि में समाहित हो जाती हैं। इसी बिंदु पर उनकी कविताओं के व्यापक अर्थ हमारे सामने उद्घाटित होते हैं। प्रेम के जीवन में पदार्पण का मनोहारी बिंब इन पंक्तियों में देख सकते हैं, *'पूरा-पूरा दिन संगीत सा बजता रहता है आजकल/ बेजान दोपहरें भरी रहती हैं तितलियों के रंगों से/ मधुमक्खियों के पंखों से उपजती धुनों से।'* (प्रेम) इसी तरह एक अन्य कविता 'प्रेमरत' की ये पंक्तियां शरीर के स्तर से बहुत गहन मन-आत्मा के किसी तल पर घटित हो रही अनुभूतियों को व्यक्त करती हैं, *'अभी हमारे पास कहने को क्या था/हम तो भाषा में थे ही नहीं/हमारे पास महज अव्यक्त आवाजें थीं कुछ/ शब्द दूर थे हमसे।'* कह सकते हैं, आज के अमानवीय होते जा रहे हिंसा से आक्रांत युग में ये कविताएं, हमारे भीतर कुछ बेहतर बचे रहने की उम्मीद कायम रखने का संबल देती हैं। *

पुस्तक: प्रेम भी एक यातना है (कविता संग्रह), **लेखिका:** सविता सिंह, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

त्योहारों में यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे की खास पहल

12075 विशेष ट्रेनें

रेलगाड़ी सं.	स्टेशन से	स्टेशन तक	तिथियाँ से	तिथियाँ तक	आवृत्ति	चलने के दिन
02251	पटना	नई दिल्ली	11.08.25	16.11.25	त्रि–साप्ताहिक	मंगल, वीर, रवि
02252	नई दिल्ली	पटना	11.08.25	16.11.25	त्रि–साप्ताहिक	सोम, बुध, शनि
02253	पटना	नई दिल्ली	11.08.25	16.11.25	त्रि–साप्ताहिक	सोम, बुध, शनि
02254	नई दिल्ली	पटना	11.08.25	16.11.25	त्रि–साप्ताहिक	मंगल, वीर, रवि
08439	पुरी	पटना जं.	13.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
08440	पटना जं.	पुरी	14.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
02811	भुवनेश्वर	यशवन्तपुर जं.	13.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
02812	यशवन्तपुर जं.	भुवनेश्वर	15.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
08581	विशाखापत्तनम	एसएमवीटी बेंगलुरु	14.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
08582	एसएमवीटी बेंगलुरु	विशाखापत्तनम	15.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
08547	विशाखापत्तनम	तिरुपति	12.09.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
08548	तिरुपति	विशाखापत्तनम	13.09.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
08579	विशाखापत्तनम	चर्लपल्ली	12.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
08580	चर्लपल्ली	विशाखापत्तनम	13.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03230	पटना जं.	पुरी	25.09.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
03229	पुरी	पटना जं.	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
03208	बक्सर	क्यूल	21.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
03207	क्यूल	बक्सर	21.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
03209	झाझा	दानापुर	21.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
03210	दानापुर	झाझा	21.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
05297	पाटलिपुत्र	बलिया	01.10.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
05298	बलिया	पाटलिपुत्र	01.10.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
03215	पटना जं.	थावे जं.	01.10.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
03216	थावे जं.	पटना जं.	01.10.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
03677	धनबाद जं	गोरखपुर जं.	21.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03678	गोरखपुर जं	धनबाद जं.	22.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
03043	हावड़ा जं.	रक्सौल जं.	27.09.25	15.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03044	रक्सौल जं.	हावड़ा जं.	28.09.25	16.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03511	आसनसोल जं.	पटना जं	19.10.25	09.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03512	पटना जं.	आसनसोल जं.	19.10.25	09.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03131	सियालदह	गोरखपुर जं.	30.09.25	18.11.25	द्वि–साप्ताहिक	मंगलवार, गुरुवार
03132	गोरखपुर जं	सियालदह	01.10.25	19.11.25	द्वि–साप्ताहिक	बुधवार, शुक्रवार
03527	आसनसोल जं.	गोरखपुर जं.	26.09.25	07.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
03528	गोरखपुर जं.	आसनसोल जं.	27.09.25	08.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03007	हावड़ा जं.	खातीपुरा	28.09.25	02.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03008	खातीपुरा	हावड़ा जं.	30.09.25	04.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
03109	कोलकाता टर्मिनल	वडोदरा जं.	30.09.25	25.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
03110	वडोदरा जं.	कोलकाता टर्मिनल	02.10.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
03417	मालदा टाउन	उधना जं.	27.09.25	08.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03418	उधना जं.	मालदा टाउन	29.09.25	10.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
03187	कोलकाता टर्मिनल	मधुबनी	30.09.25	25.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
03188	मधुबनी	कोलकाता टर्मिनल	01.10.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
03465	मालदा टाउन	दीघा	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03466	दीघा	मालदा टाउन	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03101	सियालदह	मालतीपाटपुर	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
03102	मालतीपाटपुर	सियालदह	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
03135	सियालदह	पटना जं.	05.10.25	16.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03136	पटना जं.	सियालदह	05.10.25	16.11.25	साप्ताहिक	रविवार
03430	मालदा टाउन	चर्लपल्ली	30.09.25	11.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
03429	चर्लपल्ली	मालदा टाउन	02.10.25	13.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
04131	कानपुर सेंट्रल	एसएमवीटी बेंगलुरु	21.09.25	09.11.25	साप्ताहिक	रविवार
04132	एसएमवीटी बेंगलुरु	कानपुर सेंट्रल	24.09.25	12.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
07019	जयपुर जं.	हैदराबाद	28.09.25	23.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07020	हैदराबाद	जयपुर जं.	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07029	अगरतला	चर्लपल्ली	22.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07030	चर्लपल्ली	अगरतला	26.09.25	24.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
07053	काचीगुडा	बीकानेर जं.	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
07054	बीकानेर जं.	काचीगुडा	23.09.25	25.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
07075	हैदराबाद	गोरखपुर जं.	22.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07076	गोरखपुर जं.	हैदराबाद	28.09.25	23.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07193	हैदराबाद	कोल्लम जं.	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
07194	कोल्लम जं.	हैदराबाद	22.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
07230	हैदराबाद	कन्याकुमारी	24.09.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
07229	कन्याकुमारी	हैदराबाद	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07651	जालना	छपरा	27.08.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
07652	छपरा	जालना	29.08.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07153	नरसापुर	एसएमवीटी बेंगलुरु	03.10.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07154	एसएमवीटी बेंगलुरु	नरसापुर	04.10.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
07005	चर्लपल्ली	रक्सौल जं.	06.10.25	24.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
07006	रक्सौल जं.	चर्लपल्ली	09.10.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
07717	तिरुपति	हिसार	01.10.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
07718	हिसार	तिरुपति	05.10.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार

रेलगाड़ी सं.	स्टेशन से	स्टेशन तक	तिथियाँ से	तिथियाँ तक	आवृत्ति	चलने के दिन
07017	चर्लपल्ली	तिरुपति	28.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07018	तिरुपति	चर्लपल्ली	29.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
07131	तिरुपति	नरसापुर	28.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07132	नरसापुर	तिरुपति	29.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
07233	चर्लपल्ली	नरसापुर	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
07234	नरसापुर	चर्लपल्ली	28.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07445	काकीनाडा टाउन	लिंगमपल्ली	22.09.25	24.11.25	त्रि–साप्ताहिक	सोम, बुध, शुक्र
07446	लिंगमपल्ली	काकीनाडा टाउन	27.09.25	29.11.25	त्रि–साप्ताहिक	मंगल, गुरु, शनि
07447	काकीनाडा टाउन	चर्लपल्ली	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
07448	चर्लपल्ली	काकीनाडा टाउन	28.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07605	तिरुपति	अकोला जं.	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
07606	अकोला जं.	तिरुपति	28.09.25	23.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07609	जालना	तिरुपति	23.09.25	24.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
07610	तिरुपति	जालना	24.09.25	25.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
07521	कड़पा	गुंतकल जं.	22.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
07522	गुंतकल जं.	कड़पा	22.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
07057	पूर्णा जं.	जालना	28.09.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
07058	जालना	पूर्णा जं.	25.09.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
07281	पूर्णा जं.	जालना	22.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
07282	जालना	नांदेड़	22.09.25	30.11.25	प्रतिदिन	प्रतिदिन
07046	चर्लपल्ली	नाहरलगुन	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
07047	नाहरलगुन	चर्लपल्ली	23.09.25	02.12.25	साप्ताहिक	मंगलवार
08611	संतरागाछी जं.	अजमेर जं.	22.09.25	24.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
08612	अजमेर जं.	संतरागाछी जं.	25.09.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
02863	संतरागाछी जं.	यशवन्तपुर जं.	25.09.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
02864	यशवन्तपुर जं.	संतरागाछी जं.	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
08109	संतरागाछी जं.	पटना जं.	18.10.25	01.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
08110	पटना जं.	संतरागाछी जं.	19.10.25	02.11.25	साप्ताहिक	रविवार
08629	रांची	गोरखपुर जं.	18.10.25	01.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
08630	गोरखपुर जं	रांची	19.10.25	02.11.25	साप्ताहिक	रविवार
06085	एर्नाकुलम जं.	पटना जं.	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
06086	पटना जं.	एर्नाकुलम जं.	22.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
06055	पोत्तनूर जं.	बरौनी जं.	27.09.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
06056	बरौनी जं.	पोत्तनूर जं.	09.09.25	02.12.25	साप्ताहिक	मंगलवार
06063	कोयंबटूर जं.	धनबाद जं.	26.09.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
06064	धनबाद जं.	कोयंबटूर जं.	22.09.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
01667	रानी कमलापति	दानापुर	27.09.25	01.11.25	द्वि–साप्ताहिक	शनिवार, मंगल
01668	दानापुर	रानी कमलापति	28.09.25	02.11.25	द्वि–साप्ताहिक	रवि, बुध
01701	जबलपुर	दानापुर	26.09.25	05.11.25	द्वि–साप्ताहिक	बुध, शुक्र
01702	दानापुर	जबलपुर	27.09.25	06.11.25	द्वि–साप्ताहिक	गुरु, शनिवार
09821	सोगरिया	दानापुर	27.09.25	01.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
09822	दानापुर	सोगरिया	29.09.25	03.11.25	साप्ताहिक	रविवार
02192	रीवा	रानी कमलापति	27.09.25	01.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
02191	रानी कमलापति	रीवा	27.09.25	01.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
01704	रीवा	डॉ. अम्बेडकर नगर	27.09.25	25.10.25	साप्ताहिक	शनिवार
01703	डॉ. अम्बेडकर नगर	रीवा	28.09.25	26.10.25	साप्ताहिक	रविवार
09059	उधना जं.	खोरधा रोड जं.	01.10.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
09060	खोरधा रोड जं.	उधना जं.	03.10.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
09025	वलसाड	दानापुर	06.10.25	24.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
09026	दानापुर	वलसाड	07.10.25	25.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
09045	उधना जं.	पटना जं.	03.10.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
09046	पटना जं.	उधना जं.	04.10.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
09007	वलसाड	खातीपुरा	02.10.25	30.10.25	साप्ताहिक	गुरुवार
09008	खातीपुरा	वलसाड	03.10.25	31.10.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
09031	उधना जं.	जयनगर	05.10.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
09032	जयनगर	उधना जं.	06.10.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
09343	डॉ. अम्बेडकर नगर	पटना जं.	02.10.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
09344	पटना जं.	डॉ. अम्बेडकर नगर	03.10.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
09195	वडोदरा जं.	मऊ	06.10.25	24.11.25	साप्ताहिक	सोमवार
09196	मऊ	वडोदरा जं.	07.10.25	25.11.25	साप्ताहिक	मंगलवार
09043	बांद्रा टर्मिनस	बढ़नी	05.10.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
09044	बढ़नी	बांद्रा टर्मिनस	06.10.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
09117	उधना जं.	सूबेदारगंज	03.10.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
09118	सूबेदारगंज	उधना जं.	04.10.25	29.11.25	साप्ताहिक	शनिवार
09075	मुंबई सेंट्रल	काठगोदाम	01.10.25	26.11.25	साप्ताहिक	बुधवार
09076	काठगोदाम	मुंबई सेंट्रल	02.10.25	27.11.25	साप्ताहिक	गुरुवार
09185	मुंबई सेंट्रल	कानपुर अनवरगंज	05.10.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार
09186	कानपुर अनवरगंज	मुंबई सेंट्रल	06.10.25	01.12.25	साप्ताहिक	सोमवार
09039	उधना जं.	धनबाद जं.	03.10.25	28.11.25	साप्ताहिक	शुक्रवार
09040	धनबाद जं.	उधना जं.	05.10.25	30.11.25	साप्ताहिक	रविवार

पूजा स्पेशल गाड़ियों का राज्यवार विवरण (प्रारंभिक स्टेशन के आधार पर)

राज्य	गाड़ियों की संख्या	राज्य	गाड़ियों की संख्या	राज्य	गाड़ियों की संख्या	राज्य	गाड़ियों की संख्या	राज्य	गाड़ियों की संख्या
बिहार	2220	छत्तीसगढ़	60	जम्मू एवं कश्मीर	99	महाराष्ट्र	2190	तेलंगाना	307
आंध्र	382	दिल्ली	1098	झारखण्ड	244	ओडिशा	139	त्रिपुरा	90
अरुणाचल	16	गोवा	61	कर्नाटक	528	पंजाब	59	उत्तर प्रदेश	1170
असम	80	गुजरात	839	केरल	257	राजस्थान	961	उत्तराखंड	115
चंडीगढ़	30	हरियाणा	344	मध्य प्रदेश	150	तमिलनाडु	281	पश्चिम बंगाल	355
								कुल	12075

भारतीय रेल
www.indianrailways.gov.in
हमें फॉलो करें /RailMinIndia

तरकश

संजय के. दीक्षित

मंत्रियों का बढ़ा ब्लडप्रेशर

बीजेपी के गुजरात प्रयोग ने छत्तीसगढ़ के मंत्रियों का ब्लडप्रेशर ऐसा बढ़ा दिया है कि उनकी रात की नींद उड़ गई है। कुछ को बीपी की दवाई का डोज बढ़ाना पड़ गया है। रात में डरावने सपने आ रहे...खासकर बड़े धूमधाम से नवा रायपुर के आलीशान बंगले में प्रवेश करने वाले मंत्रियों को भय सताने लगा है...कुछ दिन बाद कहीं अपने घर न लौटना पड़ जाए। जाहिर है, गुजरात में मंत्रियों का सामूहिक इस्तीफा लेकर कई को घर बिठा दिया गया। छत्तीसगढ़ की स्थिति भी गुजरात अच्छी नहीं बल्कि और गड़बड़ है। बीजेपी के लोग ही दावा करते घूम रहे कि राज्योत्सव या अधिक-से-अधिक अगले साल होली से पहले मंत्रियों से सामूहिक इस्तीफा ले लिया जाएगा। सरकार, पार्टी और संघ के लोग भी दबी जुबां से स्वीकार कर रहे कि कुछ मंत्रियों का प्रयोग बहुत अच्छा नहीं रहा। अलबत्ता, बीजेपी गुजरात मॉडल उन सभी राज्यों में लागू करने वाली है, जहां मंत्रियों का परफर्मेंस ठीक नहीं। अब इसमें छत्तीसगढ़ शामिल है या नहीं, पुख्ता तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। मगर इससे छत्तीसगढ़ के मंत्रियों की हालत पतली हुई जा रही है।

मंत्रियों की चिंता

छत्तीसगढ़ के मंत्रियों की चिंता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे से हैं। महीने भर के भीतर पीएम मोदी चार दिन रायपुर में रुकेंगे। राज्योत्सव में वे आएंगे ही, डीजीपी कांफ्रेंस में ढाई दिन रायपुर में रहेंगे। इस दौरान 28 नवंबर की शाम वे बीजेपी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। पिछले साल गुजरात में भी उन्होंने ऐसा किया था। डीजीपी कांफ्रेंस में पीएम एक दिन पहले शाम को डेस्टिनेशन पर पहुंच जाते हैं। उसके बाद वे पार्टी कार्यालय जाते हैं। और दिक्कत यह है कि अधिकांश मंत्रियों से कार्यकर्ता नाखुश है। असल में, मंत्रियों का लगा कि पांच साल के लिए गद्दी मिल गई है...2028 में विधानसभा चुनाव के समय देखा जाएगा। इस ओवरकांफिडेंस में कार्यकर्ताओं का अनादर होने लगा। मगर इस बीच गुजरात की घटना हो गई। और फिर पीएम मोदी का छत्तीसगढ़ का लंबा दौरा। उपर से अमित शाह महीने में दो बार छत्तीसगढ़ आ ही रहे हैं। मंत्रियों को यही डर खाए जा रहा है...सामूहिक इस्तीफे में कहीं उनका नंबर न लग जाए।

ACS का दिल्ली प्रस्थान

बैचमेट के मुख्य सचिव बनने के बाद छत्तीसगढ़ के 94 बैच के एक आईएएस सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। राज्य सरकार ने इसके लिए डीओपीटी को पत्र लिख दिया है। दिल्ली में जैसे ही वैकेंसी क्रियेट होगी, उनकी पोस्टिंग निकल जाएगी। आईएएस वहां सिकरेट्री रैंक में इंपेनल्ड हैं। सो, पोस्टिंग मिलने में दिक्कत नहीं होगी। इस लेवल पर अप्लाई करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। हर तीन-चार महीने में रोलिंग लिस्ट निकलती रहती है। बता दें, 94 बैच के दो आईएएस यहां हैं। बैचमेट विकास शील के चीफ सिकरेट्री बनने के बाद स्वाभाविक तौर पर दोनों अनकंफर्ट फील कर रहे हैं। इनमें से एक को अभी कुछ काम है, इसलिए यहां रुकेंगे, मगर दूसरे का आदेश किसी भी दिन आ सकता है। ऐसे में, सरकार को उच्च स्तर पर अफसर की जरूरत होगी, और उसमें बड़ा टोटा है। दो में से एक एसीएस चले जाएंगे। प्रमुख सचिव भी तीन ही हैं। उनमें से एक सुबोध सिंह सीएम सचिवालय में हैं। बचे निहारिका बारिक और सोनमणि बोरा। लगता है, सोनमणि का ट्राईबल डिपार्टमेंट किसी सिकरेट्री रैंक के अफसर को देकर उन्हें दिल्ली जाने वाले अफसर का विभाग सौंपा जाएगा।

दिवाली, शराब और लाठी

अभी तक होली में शराब दुकानों पर मेला लगता था, मगर अब आलम यह हो गया कि दिवाली के दिन भिलाई में शराब दुकान पर अनियंत्रित भीड़ को काबू करने पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ गया। दरअसल, शराब दुकान पर लोग ऐसे उमड़े कि मुख्य मार्ग जाम होने लगा। इससे त्यौहारी खरीदी करने निकले लोगों की गाड़ियां फंसने लगी। ऐसे में, रोड से भीड़ हटाने पुलिस के पास लाठी भांजने के अलावा कोई चारा नहीं था। लक्ष्मी पूजा जैसे पवित्र और शुचिता के पर्व पर अगर शराब की इस रुप में इंट्री हो जाए, तो यह चिंता की बात है...आत्ममंथन की आवश्यकता भी...हम और हमारी पीढी किस दिशा में जा रही है।

अफसर एक, भूमिका अनेक

छत्तीसगढ़ के एक आईपीएस अधिकारी के कंधे पर सिस्टम ने इतनी जिम्मेदारियां डाल दी है कि वे हैरान होंगे...अकेला आदमी...किधर-किधर जाउं...क्या-क्या करूं। बात कुछ महीने पहले आईपीएस अवार्ड हुए पंकज चंद्रा की हो रही है। पंकज की मूल पोस्टिंग कमांडेंट 13वीं सशस्त्र बटालियन बांगो है। गृह विभाग ने उन्हें 12वीं बटालियन बलरामपुर का अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंप रखी है। पुलिस मुख्यालय ने बिहार चुनाव के लिए फोर्स लेकर उन्हें बिहार जाने का आदेश निकाल दिया है। इधर, 22 अक्टूबर को गृह विभाग से एक आदेश निकला...बलरामपुर के प्रभारी पुलिस अधीक्षक बनाने का। वहां के एसपी बैंकर वैभव रमनलाल फाउंडेशन कोर्स करने दो महीने के लिए हैदराबाद जा रहे हैं। पंकज प्रभारी पुलिस अधीक्षक बनकर पता नहीं बलरामपुर पहुंचे या रास्ते में होंगे...दो दिन बाद 24 अक्टूबर को उन्हें कोंडागांव का एसपी अपाइंट किया गया। हालांकि, एसपी की फर्स्ट पोस्टिंग के हिसाब से पंकज को जिला तो अच्छा मिला है। मगर वे हैरान होंगे कि उपर वाले अचानक इतना प्रसन्न कैसे हो गया, आए दिन एक पोस्टिंग टपक जा रही।

IPS की एक और लिस्ट

राज्य सरकार ने चार जिलों के पुलिस अधीक्षकों का ट्रांसफर किया। जिन जिलों के कप्तानों को बदला गया, उनमें राजनांदगांव, मनेंद्रगढ़, सक्ती और कोंडागांव शामिल है। इनमें से एक जिले के एसपी को हटाकर पुलिस मुख्यालय राहत की सांस ले रहा है। क्योंकि, पिछले करीब छह महीने से पीएचक्यू इस कोशिश में रहा कि एसपी को हटाया जाए। मगर फेविकोल इतना तगड़ा था कि कोई हिला नहीं पा रहा था। अब जाकर कामयाबी मिली। बहरहाल, एसपी स्तर पर एक छोटी लिस्ट और आएगी। महासमुंद के एसपी आशुतोष सिंह को सीबीआई में एसपी की पोस्टिंग मिल गई है। चूकि भारत सरकार ने आदेश जारी कर दिया है, इसलिए राज्य सरकार को उन्हें रिलीव कर वहां नया पुलिस अधीक्षक भेजना होगा। उधर, चौथी बटालियन के कमांडेंट प्रफुल्ल ठाकुर को सक्ती का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है मगर बटालियन में किसी की पोस्टिंग नहीं हुई है। हो सकता है, राज्योत्सव के बाद एक आदेश और निकले।

छत्तीसगढ़, CBI और IPS

महासमुंद के एसपी आशुतोष सिनहा डेपुटेशन पर सीबीआई में एसपी बनकर जा रहे हैं। जाहिर है, सीबीआई देश की सबसे प्रतिष्ठित जांच एजेंसी है। खास बात यह है कि सीबीआई में छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारियों को हमेशा अहम जिम्मेदारियां मिलती रहीं है। सबसे पहले एडीजी अमित कुमार की बात करें। अमित पूरे 12 साल सीबीआई में रहे और ज्वाइंट डायरेक्टर पॉलिसी जैसी पोस्टिंग की। सीबीआई में जेडी पॉलिसी का पद काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। सीबीआई डायरेक्टर के बिहाफ में जेडी पॉलिसी पीएमओ से सीधे कनेक्ट रहते हैं। अमित कुमार के बाद आईपीएस अभिषेक शांडिल्य और रामगोपाल गर्ग भी सीबीआई में डेपुटेशन किया। जीतेंद्र मीणा और नीतू कमल अभी भी वहीं हैं, और अब आशुतोष सिंह जा रहे। यह पहला मौका होगा, जब सीबीआई में छत्तीसगढ़ काडर के एक साथ तीन आईपीएस पोस्ट होंगे। जीतेंद्र मीणा, नीतू कमल और आशुतोष सिंह।

IPS, ट्रेनिंग और डंपिंग यार्ड!

छत्तीसगढ़ बनने के बाद पुलिस की ट्रेनिंग पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। नक्सलियों के चलते कांकेर में जंगल वार कॉलेज जरूर बना। नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में इस ट्रेनिंग कॉलेज का योगदान भी काफी अहम रहा। लेकिन, चंदखुरी पुलिस एकेडमी, जो पुलिस का रेगुलर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट है, उसे कभी फोकस नहीं मिला। इस एकेडमी में डायरेक्टर के तौर पर एक एसपी स्तर का अधिकारी होता था और पीएचक्यू में आईजी या एडीजी लेवल का अधिकारी। उसमें भी प्रमोटी ज्यादा होते थे। मगर इस समय ट्रेनिंग में अफसरों की भरमार हो गई है। एक एडीजी, दो आईजी, दो डीआईजी और एक एसपी। एडीजी दीपांशु काबरा, आईजी डॉ0 आनंद छाबड़ा, आईजी रतनलाल डांगी, डीआईजी सदानंद, डीआईजी सुजीत कुमार और एसपी डॉ0 अभिषेक पल्लव। इनमें सिर्फ सुजीत कुमार प्रमोटी आईपीएस हैं, बाकी सभी आरआर। सदानंद सशस्त्र बल की ट्रेनिंग में हैं, वह भी आखिर पुलिस का ही पार्ट है। चलिये, ठीक है...शायद पुलिस की ट्रेनिंग अब कुछ दुरूस्त हो जाएगी।

कलेक्टर्स अब रिपीट नहीं?

प्रशासनिक सुधार की दिशा में सरकार कई स्तर पर कार्य कर रही है। कलेक्टरी से पहले आईएएस अफसरों से मिनिस्ट्री और डायरेक्ट्रट की पोस्टिंग कराकर अफसरों को इस रुप में तैयार करना चाह रही कि जिले में कलेक्टर बनकर जाए या फिर रायपुर में एचओडी बनें...कांफिडेंस से काम कर सकें। उधर, कलेक्टरी के लिए एक नार्म तैयार किया जा रहा। इसमें कलेक्टर बनने का टाईम थोड़ा बढ़ाया जाएगा। छत्तीसगढ़ में 2019 बैच के आईएएस कलेक्टर बनना शुरू हो गए हैं। याने आईएएस में सलेक्शन के छह साल के भीतर जिला मिलने लगा है। बाकी राज्यों में यह पीरियड सात से नौ साल है। इससे भी वर्किंग प्रभावित हो रही। जो अफसर एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी हैं, उन्हें तो दिक्कत नहीं, मगर एवरेज लेवल के कलेक्टरों का परफर्मेंस इससे गड़बड़ा रहा। दूसरा विचार इस पर भी किया जा रहा कि लगातार कलेक्टरी की बजाए एक या दो जिले के बाद कुछ ब्रेक दिया जाए, फिर दूसरा जिला मिले। मगर टेन्योर अच्छा मिलेगा। कुछ साल से छह महीने साल भर में कलेक्टर बदल दिए जाते थे, अब दो, पौने दो साल का वक्त दिया जाएगा। अब खुद ही हिट विकेट हो जाए, तो फिर बात अलग है।

IFS को इम्पॉर्टेंस

छत्तीसगढ़ में आईएफएस अफसरों का एक ऐसा दौर था, जब पीडब्लूडी, आवास पर्यावरण और एनर्जी में आईएफएस सचिव होते थे। रमन सिंह के दौर में ढाई दर्जन से अधिक आईएफएस अधिकारियों को सरकार के विभागों में विभिन्न जिम्मेदारिया मिली हुई थी। मगर इसके बाद कैडर का डाउनफॉल होता गया। इसकी एक बड़ी वजह आईएएस अधिकारियों की बढ़ती संख्या भी रही। मगर कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में डीएफओ को बुलाकर सरकार ने फिर से इस कैडर को अहमियत देनी शुरू की है। सुशासन संवाद में तीन कलेक्टरों के साथ एक डीएफओ से भी प्रेजेंटेशन का मौका दिया गया। डिवीजन में भी अब अच्छे अफसरों को बिठाया जा रहा है। कुछ दिन पहले तक 33 में से 18 प्रमोटी आईएफएस डीएफओ थे। इनमें से 12 को हटा दिया गया है। याने अब सिर्फ छह प्रमोटी डीएफओ बच गए हैं। हालांकि, डायरेक्ट वाले ही अच्छा काम करते हैं...यह जरूरी नहीं। मगर यह सही है कि प्रमोटी वाले ज्यादा फ्लेक्सिबल होते हैं। और सिस्टम यही तो चाहता है। मगर हालात अब बदल रहे हैं।

पूर्व सीएस को पोस्टिंग?

मुख्य सचिव के लंबे कार्यकाल का रिकार्ड बना रिटायर हुए अमिताभ जैन को पोस्ट रिटायमेंट पोस्टिंग क्या मिलेगी, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। अभी तक जितने भी मुख्य सचिवों को रिटायरमेंट के बाद पोस्टिंग मिली, उसमें इतना विलंब नहीं हुआ। आरपी मंडल को रिटायरमेंट के 20 मिनट के भीतर एनआरडीए चेयरमैन बनाने का आदेश आ गया था। मगर अमिताभ को रिटायर हुए 25 दिन निकल गए, अभी कोई सुगबुगाहट नहीं है। अलबत्ता, रिटायरमेंट के आखिरी दिनों में जब वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव के साथ जापान और साउथ कोरिया गए थे, तब अटकलें तेज हुई थी कि प्रदेश के मुखिया के साथ विदेश गए हैं, यकीनन उनका कुछ अच्छा ही होगा। उसी समय बिजली नियामक आयोग के चेयरमैन का पद खाली हुआ था। ऐसे में, लोगों ने अंदाजा लगाया कि अमिताभ अब बिजली आयोग के ही चेयरमैन बनेंगे। मगर अभी तक बिजली आयोग का पद विज्ञापित हुआ और न ही मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति केस से हाई कोर्ट का स्टे हटा। असल में, सरकार में बैठा एक वर्ग मानता है कि पिछले सरकार में सीएस बने अमिताभ जैन को सरकार ने नहीं हटाया, फिर पौने पांच साल से अधिक समय तक ब्यूरोक्रेसी की सबसे उंची कुर्सी पर बैठने का मौका दिया गया। इसके बाद और क्या? यही परसेप्शन अमिताभ जैन के रास्ते में रोड़ा अटका रहा। हालांकि, मुख्य सूचना आयुक्त के लिए अमिताभ ने इंटरव्यू दिया है। और खबरें भी इसी तरह की है कि हाई कोर्ट से स्टे क्लियर होते ही उनकी नियुक्ति हो जाएगी। मगर सवाल उठता है कब तक? महाधिवक्ता ऑफिस में भी इसको लेकर कोई सक्रियता नहीं महसूस की जा रही। तो फिर मजरा क्या है...ये उपर बैठे लोग ही बता पाएंगे। वैसे ये सत्य है कि राज्योत्सव और पीएम विजिट की व्यस्तता काफी है, ऐसे में किसी को उपकृत करने वाली पोस्टिंग की बात सूझेगी नहीं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. जिस राज्य में नक्सल मोर्चे पर ऐतिहासिक कामयाबी मिलने जा रही, वहां प्रभारी पुलिस प्रमुख...क्या ये आदर्श स्थिति है?
2. सत्ताधारी पार्टी के भीतर से ब्यूरोक्रेसी पर हमले क्यों हो रहे हैं?

उनकी आवाज के जादू ने बिहार के सैकड़ों कलाकारों को किया प्रेरित

नहीं रहीं भोजपुरी की 'बिजली रानी', दोनों किडनी हो गईं थीं फेल

मुंबई। एक मशहूर नाम बिजली रानी। भोजपुरी का वो सितारा जिसके मंच पर आने मात्र से पूरा मैदान थिरकने लगता था। उनके साटे (शो) में तिल रखने की जगह नहीं होती थी। आवाज में खनक और नृत्य में लचक की मालकिन' बिजली रानी' अब इस दुनिया में नहीं रहीं। वह शुक्रवार 24 अक्टूबर को 70 साल की उम्र में देवलोक के लिए रवाना हो गईं। उनका देहांत रोहतास जिले के नटवर गांव में उनके पैतृक आवास पर हुआ। बिजली रानी काफी लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनकी दोनों किडनी फेल हो चुकी थी। बिजली रानी की मौत की खबर सामने आते ही भोजपुरी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है।

कौन थीं बिजली रानी?

बिजली रानी का जन्म रोहतास जिले के नटवर गांव में हुआ था। 80 और 90 के दशक में वो भोजपुरी रंगमंच की पहचान बन चुकी थीं। भोजपुर और शाहाबाद क्षेत्र में उनके डांस और गायिकी के कद्रदानों की लंबी फौज थी। बिजली रानी को थियेटर की शान कहा जाता था। उस दौर में कोई शादी-ब्याह, मेले या स्टेज शो को तब तक पूरा नहीं माना जाता था, जब तक कि वहां बिजली रानी का ठुमका ना पड़ जाए।

सिर्फ बड़े घराने ही करा पाते थे बुकिंग

उनके साटे यानी शो के रेट इतने ऊंचे थे कि सिर्फ बड़े घराने के लोग ही बुक कर पाते थे। बिजली रानी जहां भी जाती थीं स्टेज पर बिजली गिरा देती थीं। कई भोजपुरी फिल्मों और एलबम में काम किया। उनकी आवाज और उनकी हर अदा पर दर्शक झूम उठते थे। उनकी आवाज के जादू ने बिहार के सैकड़ों कलाकारों को प्रेरित किया।

दोनों किडनी हो गई थी फेल

बिजली रानी की दोनों किडनी फेल हो गई थी। परिवार के लोग अस्पताल के चक्कर लगा-लगाकर परेशान हो उठे। बीमारी की वजह से घर की आर्थिक स्थिति भी डंवाडोल हो गई। जब कहीं से मदद नहीं मिली तो बिजली रानी की बेटी ने स्थानीय मीडिया से मदद की गुहार लगाई।

पवन सिंह ने की मदद

जब ये खबर भोजपुरी के पावर स्टार कहे जाने वाले पवन सिंह ने सुनी तो उन्होंने आगे आकर बिजली रानी की मदद की। पवन सिंह ने बिजली रानी का लखनऊ में दो महीने तक इलाज कराया। पवन सिंह बिजली रानी को चाची कहते थे। पवन सिंह के साथ बिजली रानी की तस्वीर भी सामने आ थी जिसमें वे उनके साथ बैठे दिखाई दिये।

रुला गया सबको हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देने वाला एक किरदार

'मैं हूं ना' के प्रोफेसर से लेकर इंद्रवदन साराभाई तक

मुंबई। एक्टर सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। साराभाई वर्सेस साराभाई शो घर-घर में राज करने वाले सतीश शाह ने शनिवार को इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। आइए उनके कुछ आइकॉनिक रोल पर एक नजर डालते हैं। सतीश, भारतीय सिनेमा और टेलीविजन के उन चुनिंदा कलाकारों में से एक थे, जिन्होंने अपनी कॉमिक टाइमिंग और बहुमुखी अभिनय से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई। उन्होंने चार दशकों से अधिक के अपने करियर में 250 से अधिक फिल्मों और कई हिट टीवी शोज में काम किया। यहां उनकी फिल्मों और टीवी शोज के कुछ सर्वश्रेष्ठ और यादगार किरदारों का जिक्र है।

इंद्रवदन साराभाई : सतीश शाह में इंद्रवदन साराभाई के किरदार में थे, जिनका यह किरदार उनके करियर का सबसे आइकॉनिक और लोकप्रिय रोल माना जाता है। इंद्रवदन एक मजेदार, व्यंग्यात्मक और शरारती गुजराती पति और पिता हैं, जो अपनी बहू मोनिशा को लगातार ताना मारते हैं। रत्न पाठक शाह (माया साराभाई) के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने इस सिटकॉम को कल्ट क्लासिक बना दिया।

कमिश्नर डी मेलो का किरदार : सन 1983 की इस व्यंग्य कॉमेडी फिल्म में सतीश शाह ने भ्रष्ट म्यूनिसिपल कमिश्नर डी'मेलो का किरदार निभाया था। उनका यह रोल हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन कॉमिक किरदारों में से एक माना जाता है। खासकर, क्लाइमैक्स में महाभारत के दृश्य में उनका अभिनय आज भी याद किया जाता है।

दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे में अजित सिंह का किरदार : दुल्हनियां ले जाएंगे इस कल्ट रोमांटिक फिल्म में सतीश शाह ने अजीत सिंह का किरदार निभाया था, जो शाहरुख खान (राज) के पिता का दोस्त होता है। अजीत का राज को यूरोप में गलत काम करने के लिए उकसाना और फिर अपनी बेटी को उसकी हरकतों से बचाना—फिल्म में एक हल्के-फुल्के हास्य का तड़का लगाता है।

मैं हूं ना में प्रो. देसाई का रोल यादगार

फिल्म 'मैं हूं ना' में उन्होंने साइंस टीचर प्रोफेसर देसाई का रोल किया था, जो क्लास में बच्चों को थूक से चिपकाने की हरकतें करते थे। उनका मजाकिया अंदाज और अजीबोगरीब व्यवहार, विशेष रूप से शाहरुख खान के किरदार के साथ उनके सीन, दर्शकों को बहुत हंसाते हैं।

कल हो न हो में बने करसन भाई पटेल

इस भावुक फिल्म में सतीश शाह ने करसन भाई पटेल का किरदार निभाया था. यह रोल न्यूयॉर्क में रहने वाले एक सनकी गुजराती अंकल का था, जो अपने सख्त नियमों और मजेदार संवादों के कारण यादगार बन गया। उनका किरदार फिल्म में कॉमेडी का अहम हिस्सा था।

'मस्ती-4' का दूसरा पोस्टर रिलीज

मुंबई। कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'मस्ती' चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है। इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी 'मस्ती 4' के निर्माता हैं ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठाकेरिया, शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल है। इस बार मस्ती गैंग में ओजी बॉयज के साथ शामिल हैं श्रेया शर्मा, रुई सिंह और एलनाज नोरोज़ी, जो इस पागलपन में नई चमक जोड़ेंगी।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

शिक्षक

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसिपल, क्लर्क, इंचार्ज, म्यूजिक टीचर एवं अंग्रेजी- हिन्दी माध्यम प्रायमरी एवं हाई में: मैथ्स, इंग्लिश, साइंस, पढ़ाने हेतु, शिक्षक/शिक्षिकाओं, ड्राईवर की आवश्यकता। साक्षात्कार 29.10.2025 प्रातः 9:30बजे, **रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई**, 9826198065, 07712252855.(RO-6998)

नर्स/कम्पाउन्डर

आवश्यकता है- नर्स एवं कम्पाउंडर अनुभवी या गैर अनुभवी दवाखाना के लिए स्टाफ चाहिए वेतन योग्यतानुसार रहने के लिए सुविधा उपलब्ध है। **डॉ.डी.आर. साहू तुलसी बाराडेरा 98263-23273.**(RO-6745)

सेल्स मैनेजर/सेल्समैन

आवश्यकता है- सुपेला भिलाई मे स्थित ब्रांडेड ऑटो रिक्शा के शोरूम मे 1 सेल्स मैनेजर, 4 सेल्समेन, 1 ऑटो मैकेनिक की आवश्यकता है. अनुभवी को प्राथमिकता. वेतन योग्यतानुसार. **मो. - 92024-36887** (आरो न.- 4110)

मैनेजर/एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प पर कार्य करने हेतु मैनेजर, एकाउन्टेंट एवं पेट्रोल डालने के लिये लड़को की आवश्यकता हैं। लाल बहादुर नगर, चिचौला बार्डर, **राजनांदगांव सम्पर्क- 8109411676, 6263558400.** (RO-6997)

ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलु वाहन व एम्बुलेंस चालाने हेतु अनुभवी ड्राईवर चाहिए एवं एक घर मे कार्य करने हेतु कुशल व्यक्ति की आवश्यकता, रहने की सुविधा **संपर्कः बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.** (RO-OM)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए टाटा एस एवं बैटरी वाली ई रिक्शा चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए। लोकल दुर्ग भिलाई घुमना है. भिलाई वाले ही **संपर्क करें लाइंसेस अनिवार्य, मो.-98274-66771** (आरो न.-680)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- शानदार इंटीरियर डेकोरेशन /गिफ्ट आइटम के दुकान में काम करने लड़को / लड़कीयों की आवश्यकता है। आर्कषक वेतन समय 11.00 बजे से 9.00 बजे तक **संपर्क - 7999651612 क्लासिक इंटीरियर/ एक्सटीरियर डेकोर गुरुद्वारा रोड (स्टेशन रोड) यशोदा नंदन हास्पिटल के पास । गिल काम्पलेक्स प्रथम तल**(आरो न.-681)

आवश्यकता है- दुकान/ गोडाउन में कार्य करने हेतु पांचवी पास 4- युवकों की आवश्यकता है. योग्यताः पांचवी पास. सैलरी 11000/- से 12000/- योग्यतानुसार। **संपर्क- रायपुर कृषि केंद्र, शॉप नं. 124, एस.के. प्लाजा कॉम्प्लेक्स, बॉम्बे मार्केट, रायपुर**(RO-1655)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- धमतरी जिले के कुरुद गाँव में स्थित फैक्ट्री में यूरोपियन मशीन में coil से pipe बनाने के लिए फोरमैन, मैकेनिकल इंजीनियर, प्रोडक्शन मैनेजर एवं एक्सट्रूडर चलाने वाले चाहिए वेतन योग्यतानुसार **9617210000.**(RO-343)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 8889997826.**(RO-38966)

हेल्पर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- गोलबाजार रायपुर शॉप के लिए लेडिस स्टॉफ हेल्पर पैकिंग कार्य हेतु (आकर्षक वेतन+ ओवरटाइम) केवल मेहनती परमानेंट काम के इच्छुक **संपर्क करें प्रातः 9 से 11- 9826679757.**(RO-0066)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- मैरिज ब्यूरो में टेली कालिंग कार्य हेतु फीमेल चाहिए समय 9 से 6 सैलरी 5000-10000 अच्छे रिश्ता हेतु कन्याएं निःशुल्क बायोडाटा भेजिए मारवाड़ी **मैरिज ब्यूरो भारतमाता चौक गुड़ियारी रायपुर** Shalu- 7828738812, Call Me- 9039321951. (RO-OM)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राईवर, पैकिंग के लिए महिलाओ की, माल छोड़ने के लिए लड़कों की एवं घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है **संपर्क करे:- बोरियाखुर्द रायपुर** Mob. **9893115061.**(RO-6747)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 **चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर- 9425506658, 9424200658, 9425206658.**(RO-7262)

डिजाइनर

आवश्यकता है- श्रीकंचनपथ समाचार पत्र समूह भिलाई में Quark express पर पेज डिजाइन करने वाले की आवश्यकता है। हिन्दी व अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान हो। पांच अंको में वेतन दिया जाएगा। **संपर्क : 98930-92649, 70001-38049, 99933-30237**(आरो न.-4112)

मैनेजर/मैकेनिक

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीक बाइक शोरूम में ब्रांच मैनेजर, सेल्स मैनेजर, टीम लीडर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, बैक ऑफिस, सर्विस एडवाइजर, मैकेनिक, प्यून की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। लोकेशन रायपुर और भिलाई **सम्पर्क करें- 8871717004.** (RO-38975)

टेक्निशियन/असिस्टेंट

आवश्यकता है- यूरेकाफॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्निशियन- 2, ऑफिस बॉय-1 **संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461.** (RO-OM)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर वीआईपी रोड राम मन्दिर के पास बच्चा सम्हालने हेतु २४ घंटे वाली लड़की की जरूरत है, रहना खाना दिया जायेगा, उचित तनख्वाह मिलेगा.. **संपर्क:- 7000989337, 8839751934.**(RO-M)

आवश्यकता है- घर के लिए तुरंत आवश्यक – विश्वसनीय नौकरानियाँ और रसोइया। इच्छुक व्यक्ति या प्लेसमेंट एजेंसियाँ संपर्क करें: 9039129030। अच्छा वेतन, अच्छा माहौल। पूर्णकालिक/आवास सहित अवसर उपलब्ध। (RO-16977)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़के- लड़कियों की आवश्यकता है। कंप्यूटर ऑपरेटर, रिसेप्शनिस्ट, टेलीकॉलर, अकाउंटेंट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर एवं गार्ड भी **संपर्क करें।- 9131941253, 9981855505.**(RO-M)

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो **संपर्क करें - 9241054300** (RO-590)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099.** (RO-302)

For Rent किराया

किराया

किराये से देना है- किराए पर देना है प्रथम मंजिल 3 कमरा लेटबाथ 24 घंटे पानी ग्राम तुलसी बाराडेरा शुद्ध शाकाहारी परिवार को **डॉ.डी.आर. साहू 98263-23273.**(RO-6746)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष
स्वयं का व्यापार
वर हेतु सुन्दर, सुशिक्षित वधु चाहिए
जाति बंधन नहीं
सन्तान सहित भी स्वीकार
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
सम्पर्क करें 6268373521

वधू चाहिए
सरयूपारीण ब्राह्मण, भरद्वाज गोत्र, जन्म- 10.11.1984, ऊँचाई- 5'-6", वित्तीय एवं जीवन बीमा पंजीकृत सलाहकार, निवासी बिलासपुर (छ.ग.) पिता सेवानिवृत्त बैंक शाखा प्रबंधक। योग्य कार्यरत वधू वांछित
-सम्पर्क करें- 7389362896

वधु चाहिए-सरयूपारी ब्राह्मण पुत्र जन्मतिथि 04.07.1990, रायपुर हाइट 5' 10" सॉफ्टवेयर इंजीनियर, प्रथम श्रेणी, सीएस वीटीयू भिलाई से, व्यवसाय- बिजनेस हॉबीज, म्यूजिक, ऑटोमोबाइल, पिता रिटायर्ड गजटेड ऑफिसर, माता गजटेड क्लास वन ऑफिसर। सभी जातियों से ब्राह्मण संपर्क करें। - 9826430448. (6736)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

खारुन में अभी ....

के अनुसार, घाट में जमा कीचड़ और गंदा पानी पूजा करने वालों के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वक्त पानी का टीडीएस 600 से अधिक जाएगा, जो सुरक्षित स्तर से ज्यादा है। पानी का बहाव बढ़ने के बाद भी इसे साफ़ होने में 2-3 दिन लग सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे पानी में नहाने से खुजली, एलर्जी और त्वचा रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

घाट के चारों ओर फैली गंदगी : महादेव घाट जहां हर साल श्रद्धालु छठ पूजा के लिए जुटते हैं, इस बार चारों तरफ गंदगी से जूझ रहा है। शनिवार को भी घाट की सफाई का काम जारी रहा, लेकिन चारों ओर कीचड़, पूजा की पुरानी सामग्री और कचरे का ढेर देखने को मिला। नदी में पानी की कमी के कारण बदबू भी फैली हुई है। घाट के किनारे जहां महिलाएं पूजा करती हैं, वहां तक साफ-सफाई चल रही है।

भिलाई में टीडीएस ...

शीतला तालाब का टीडीएस 271 मिला : जब भिलाई के सुपेला क्षेत्र स्थित शीतला तालाब के पानी का सैंपल टेस्ट किया गया तो वहां का टीडीएस 271 माइक्रोन आया। जबकि पीने के पानी का मानक 350 से कम होना चाहिए। इस तालाब के पानी से हल्की बदबू आ रही थी। बैकुंठधाम तालाब में टीडीएस 198 बैकुंठ धाम तालाब के पानी का टीडीएस 198 मिला जो एक अच्छे पेयजल का टीडीएस होता है।

ओआरपी टेस्ट में भी पानी पास : जब इन तीनों तालाबों के पानी का ओआरपी टेस्ट किया गया तो वह भी मानक के मुताबिक आया। पानी में ओआरपी की बूंदें डालने पर उसका रंग रहा हो गया। इससे यह पता चलता है कि पानी की खनिज गुणवत्ता ठीक है और वह हानिकारक नहीं है।

तालाबों पानी पीने योग्य नहीं : जब इस बारे में एक बड़े वाटर फिल्टर प्लांट के ऑपरेशन हेड मुश्ताक अली से बात की गई तो उन्होंने बताया कि तालाब का पानी काफी बड़े क्षेत्रफल में भरा होता है। इसलिए यदि उसके अलग-अलग प्वाइंट का टीडीएस चेक करेंगे तो वो अलग अलग आएगा। उन्होंने कहा कि तालाब का पानी कहीं से भी पीने के योग्य नहीं है। यदि पानी में एक प्रतिशत भी क्लोरीन की मात्रा नहीं होती तो वो पीने योग्य नहीं होता है। इस पानी का उपयोग केवल निस्तारी के उपयोग में लाया जा सकता है।

कुरुद नकटा तालाब का टीडीएस 206 : कुरुद नकटा तालाब का पानी सीवरेज के पानी मिलने और दुर्गा व गणेश प्रतिमा विसर्जन के चलते इतना गंदा है कि उसमें से काफी बदबू आ रही थी। जब इस पानी का टीडीएस चेक किया गया तो यह 206 आया, जो मानक से कम है।

अरपा की हालत ....

40 एमएलडी पानी शहरवासियों को सप्लाई करता है, इसका 90 फीसदी हिस्सा टायलेट से होकर अरपा में लौट जाता है। कचरे की डंपिंग भी लगातार हो रही है। महामाया चौक के पास इंदिरा सेतु, अरपा के पुराने पुल, शनिचरी रपटा, गुरुनानक चौक और तोरवा पुल से देखें, तो हर कहीं अरपा में गंदगी, कचरा, मटमैला बदबूदार पानी और जलकुंभियों का मैदान नजर आता है।

पर्यावरण विभाग का दावा : छठ घाट से तोरवा और देवरीखुर्द तक नदी के पानी में डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन (डीओ) की मात्रा 5 मिलीग्राम प्रतिलीटर पाई गई। मछली और दूसरे जल जीव इसमें देखे गए हैं। स्टाप डेम के कारण आगे नदी का पानी पीने के लायक नहीं है, पर नहाने और निस्तारी के लिए कुछ हद तक ही उपयुक्त है। गत वर्ष तोरवा क्षेत्र के कई हैंडपंप को पीएचई ने इस कारण बंद कर दिया क्योंकि यहां प्रदूषित पानी आ रहा था।

इस तरह के उपाय बताए डाक्टरों ने

- नदी में डुबकी लगाने के बाद ज्यादा देर तक पानी में न रहें। पूजा होने के बाद हो सके तो बाहर आ जाएं।
- डुबकी लगाने से पहले शरीर पर नारियल या सरसों का तेल, या वैसलीन लगाएं। इससे त्वचा को सुरक्षा मिलेगी।
- कोशिश करें कि शरीर को ज्यादा से ज्यादा ढककर रखें ताकि पानी का संपर्क कम हो, वहीं, पानी को आंखों, नाक और मुंह में जाने से रोकें, ताकि गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो।
- प्रसाद ग्रहण करने से पहले हाथों को अच्छी तरह सैनिटाइज करें, ताकि प्रदूषित पानी पेट में न जाए और पेट से संबंधित कोई बीमारी न हो

क्या कहता है मानक

- पीने के पानी का आदर्श टीडीएस स्तर 150-300 पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) के बीच होना चाहिए। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) 500 पीपीएम तक की अनुमति देता है, लेकिन 150-300 पीपीएम का स्तर खनिजों और स्वाद के बीच एक अच्छा संतुलन प्रदान करता है, जबकि इससे कम टीडीएस वाला पानी फीका हो सकता है।

150-300 पीपीएमः इसे सबसे अच्छा टीडीएस स्तर माना जाता है। इसमें आवश्यक खनिजों का अच्छा संतुलन होता है और स्वाद भी अच्छा होता है।

50 पीपीएम से कमः इसमें आवश्यक खनिजों (जैसे कैल्शियम और मैग्नीशियम) की कमी हो सकती है, जिससे इसका स्वाद फीका हो सकता है।

300-900 पीपीएमः यह एक स्वीकार्य सीमा है, लेकिन इससे अधिक होने पर पानी स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित हो सकता है।

500 पीपीएम से अधिकः 500 पीपीएम से अधिक टीडीएस वाले पानी से जठरांत्र संबंधी जलन हो सकती है। इससे अधिक टीडीएस वाले पानी का स्वाद खारा या धात्विक हो सकता है।

ट्रेनों में जगह ...

किराया में 500 से हजार तक फर्क है। केस 04 - 26 अक्टूबर को रायपुर से इंदौर का बस किराया 3900 से 3000 तक है। वहीं 29 अक्टूबर के बाद 2400 तक कर दिया गया है। ट्रेन में इतने किराए में सेकेंड एसी में सफर कर सकते हैं।

एमपी, यूपी और ....

बस नहीं होने से यात्रियों को अंबिकापुर से बस बदलनी भी पड़ रही है। दूसरी तरफ वेटिंग यात्रियों को सफर करने की अनुमति नहीं होने से यात्री वेटिंग अधिक देखकर टिकट नहीं खरीद रहे हैं। अमरकंटक एक्सप्रेस में सभी कोच का वेटिंग 70 के पार है। इसी तरह समता में 100, दिल्ली संपर्क क्रांति 80, छत्तीसगढ़ में 90 वेटिंग हो चुकी है। वर्तमान में वेटिंग आने पर यात्री का टिकट कन्फर्म नहीं हो रहा है।

पीएम का दो ....

अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी साथ रहेंगे। राजनांदगांव में स्पीकर हाउस में दोपहर भोज लेने के बाद शाम को रायपुर लौटकर राज्योत्सव के समापन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। समापन कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के 36 विधाओं पर विभूतियों को सम्मानित करेंगे। राज्योत्सव कार्यक्रम के समापन के बाद वे दिल्ली रवाना होंगे।

पीएम के कार्यक्रम ....

वापस दिल्ली रवाना होंगे। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 7.30 बजे दिल्ली से रवाना होकर सुबह 9.40 बजे माना विमानतल रायपुर पहुंचेंगे। यहां से वे सीधे सत्य सांई अस्पताल पहुंचकर यहां पर हृदय रोग का इलाज कराने वाले बच्चों से मुलाकात कर उनसे चर्चा करेंगे। सुबह 10.30 बजे तक यहां रहने के बाद नवा रायपुर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के शांति शिखर भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। समारोह की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। वहां से नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण करने पहुंचेंगे। यहां पर करीब 1.30 घंटे का कार्यक्रम होगा। यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सभा का आयोजन किया गया है।

दोपहर 3 बजे ....

मुख्य मंच से प्रदेश की जनता को संदेश देंगे। कार्यक्रम के बाद दोपहर 4.45 बजे माना एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। नवा रायपुर स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

ट्राइबल-आदिवासी संग्रहालय : विधानसभा भवन का लोकार्पण करने के बाद प्रधानमंत्री ट्राइबल-आदिवासी संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। नवा रायपुर में बना यह संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय होगा, जहां छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की गौरव गाथा एवं उनके योगदान की जीवंत झांकी देखने को मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव पर इसका शुभारंभ करेंगे।

कांगेरघाटी में ग्रीन ....

पहुंचने के बाद, पानी के जमा होने के कारण टीम को आगे बढ़ने में रुकावट का सामना करना पड़ा। गुफा की संरचना कुटुमसर गुफा से मिलती-जुलती है, जिसकी छत 60 से 80 फीट ऊंची है। गुफा के भीतर चूना पत्थर से बने विशाल स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स चट्टाने मौजूद हैं, जो इसे एक प्राकृतिक चमत्कार बनाते हैं।

स्टैलेक्टाइट्स व स्टैलेग्माइट्स चट्टानें : ग्रीन गुफा में चूना पत्थर की संरचनाएं मौजूद है, जिन्हें स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स कहते है। स्टैलेक्टाइट्स गुफा की छत से लटकते हैं और कैल्शियम कार्बोनेट युक्त पानी के टपकने से बनते हैं। दूसरी ओर, स्टैलेग्माइट्स जमीन पर खनिजों से युक्त पानी की बूंदों के जमा होने से बनते हैं। ये संरचनाएं चूना पत्थर से बनी होती हैं। ये संरचनाएं बेहद नाजुक होती हैं और मानवीय गतिविधियों से आसानी से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।

इसलिए किराए पर लगाम नहीं : बसों में मनमाना किराया वसूली को लेकर जिम्मेदार परिवहन अधिकारियों से बात करने पर बताया कि लंबी दूरी के लिए बस ऑपरेट करने वाले बस ऑपरेटर ऑल इंडिया परमिट बनावाकर बस संचालित करते हैं। ऑल इंडिया परमिट बनवाने पर बस ऑपरेटर रोड टैक्स की राशि एकमुश्त जमा कर देता है, इसलिए उनका बस किराया भाड़ा फ्लैक्सिबेल रहता है। अर्थात किराया भाड़ा में उतार चढ़ाव होता रहता है।

गुफा का अनूठा हरा रंग ....

पपड़ी, पत्तियों या बालों जैसे आकार में हो सकता है और इसका रंग हरा, पीला या लाल हो सकता है। ग्रीन गुफा में लाइकेन की मौजूदगी इसे अन्य गुफाओं से अलग करती है, क्योंकि यह प्राकृतिक रंग और बनावट इसे एक अनोखा दृश्य प्रदान करते हैं।

पर्यटन की ...

शामिल किया जा चुका है और ग्रीन गुफा के खुलने से इस क्षेत्र का पर्यटन और भी बढ़ेगा।

सेंट्रल विवि में ....

मिली थी, कोनी पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम की सहायता से शव बाहर निकलवाकर मरच्यूरी में रखवा दिया था।

ऐसे हुई पहचान....

लेकर गई, वहां लाश व कपड़े दिखाए गए। लाश सड़ जाने के कारण पहचान वह पहचान नहीं कर पा रहा था, परन्तु टी शर्ट देखकर उसने लाश की पहचान अपने बड़े भाई असलम अंसारी के रूप में की है। उसके माता पिता बिलासपुर के लिए रवाना हो गए हैं। रविवार को उनके द्वारा पुनः लाश की शिनाख्त की जाएगी, उसके बाद उसका पोस्टमार्टम होगा।

पेज एक के शेष

राज्योत्सव के पांच दिन में आएंगे दो लाख ...

उमड़ेगी, इसलिए राज्योत्सव स्थल को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। मुख्य मंच के सामने जहां दर्शकों के बैठने के लिए तीन बड़े डोम लगाए गए हैं। वहीं मुख्य मंच के बाएं ओर सांस्कृतिक मंच और दाएं ओर डिजिटल प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सांस्कृतिक मंच के साथ ही ग्रीन रूम का निर्माण किया गया है, जहां सेलिब्रिटी कार्यक्रम के पहले समय बिता सकेंगे। डिजिटल मंच का अवलोकन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसलिए इसका निर्माण मुख्य मंच के बेहद करीब किया गया है। इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा दीवारों में डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित होगी।

30 स्टॉलों में योजनाओं की झलकः छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं को प्रदर्शित करने 30 स्टॉलों में प्रदर्शनी लगाई जा रही है। इसमें सभी विभागों की योजनाएं तो प्रदर्शित की जाएगी। पीएम मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विभागीय मंत्री के बड़े कटआउट्स भी लगाए जाएंगे। शासन के विभागों के अतिरिक्त अन्य व्यावसायिक संस्थाओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। यहां लोग शासन की योजनाओं के संबंध में जानकारी ले सकेंगे।

शिल्पग्राम में दिखेगी संस्कृति की झलकः राज्योत्सव मेला ग्राउंड के दूसरे हिस्से में शिल्पग्राम और प्रदर्शनी का निर्माण भी किया जा रहा है। शिल्पग्राम में प्रदेशभर से आए शिल्पकार अपनी कलाओं का प्रदर्शन भी करेंगे। साथ ही शिल्पकलाओं का विक्रय भी कर सकेंगे। खास बात यह है कि यहां एंट्री से लेकर एग्जिट तक प्रदेश की संस्कृति और परंपरा की झलक देखने मिलेगी। नवा रायपुर की ओर से पहले गेट से लोग शिल्पग्राम में सीधे प्रवेश कर सकेंगे।

पुलिस कंट्रोल रूम, स्वास्थ्य केंद्र भीः राज्योत्सव में लाखों की संख्या में लोग आएंगे। सुरक्षा के मद्देनजर वहां पुलिस कंट्रोल रूम का निर्माण किया गया है। पूरा कैंपस सीसीटीवी कैमरों से लैस होगा। इसकी मॉनिटरिंग के लिए भी सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निर्माण किया जा रहा है। किसी भी आपात स्थिति को देखते हुए यहां स्वास्थ्य केंद्र भी तैयार किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्राथमिक और आवश्यक उपचार की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

दिवंगत वैज्ञानिक जयंत को 'विज्ञान रत्न ..

जिसके अनुसार ब्रह्मांड एक ही क्षण में बना था। उन्होंने ब्रिटिश खगोलशास्त्री फ्रेड हॉयल के साथ मिलकर यह प्रतिपादित किया कि ब्रह्मांड हमेशा से अस्तित्व में रहा है और अनंत काल तक नए पदार्थों का निरंतर निर्माण होता रहा है। सरकार ने 2025 के लिए आठ 'विज्ञान श्री' पुरस्कारों की भी घोषणा की। इनमें ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (कृषि विज्ञान), यूसुफ मोहम्मद शेख (परमाणु ऊर्जा), के. थंगराज (जैविक विज्ञान), प्रदीप थलप्पिल (रसायन विज्ञान), अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित (इंजीनियरिंग विज्ञान), एस. वेंकट मोहन (पर्यावरण विज्ञान), माहन एमजे (गणित और कंप्यूटर विज्ञान) और जयन एन (अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी) शामिल हैं। इसके अलावा, 14 विज्ञान युवा पुरस्कार विजेताओं की भी घोषणा की गई।

बस के अंदर रखे गए 234 ...

हुआ, जब बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। बस हादसे को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बस में करीब 46 लाख रुपए की कीमत के 234 स्मार्टफोन का कंसाइनमेंट रखा था। जानकारी के मुताबिक यह कंसाइनमेंट हैदराबाद के व्यापारी का था। व्यापारी का नाम मगननाथ बताया गया है। रिपोर्ट में फॉरेंसिक एक्सपर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि स्मार्टफोन की बैटरियों में होते धमाकों के चलते आग और ज्यादा भड़क उठी। पुलिस ने इस मामले में दोनों बस ड्राइवरों के लापरवाही और ओवरस्पीड का मामला दर्ज किया है। यह केस हादसे में बचे एक यात्री एन रमेश की शिकायत पर दर्ज किया गया है। बस में दो ड्राइवर थे। इसमें एक 30 वर्षीय सिवा नारायण है। हालांकि हादसे के वक्त वह बस चला नहीं रहा था। वहीं, बस चला रहा लक्ष्मैया हादसे के बाद वहां से फरार हो गया। फिलहाल सिवा नारायण पुलिस हिरासत में है।

कूदकर भाग निकला था चालकः आंध्र प्रदेश के कुरनूल में मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद आग लगने से जलकर खाक हुई बस का चालक यात्री द्वार से कूदकर भाग निकला था, लेकिन वह स्थिति का सही अंदाजा नहीं लगा सका। फिलहाल, 42 वर्षीय चालक मिरियाला लक्ष्मैया और सहायक चालक दोनों पुलिस हिरासत में हैं। इस घटना के संबंध में शुक्रवार को ही मामला दर्ज कर लिया गया था।

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को एलआईसी ...

मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार किया गया था। एलआईसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग या किसी अन्य निकाय की ऐसे (निवेश) निर्णयों में कोई भूमिका नहीं होती है। एलआईसी ने बयान में कहा कि भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत जांच-पड़ताल के आधार पर विभिन्न कंपनियों में निवेश के फैसले लिए हैं। भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इसका निवेश मूल्य 2014 से 10 गुना बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये से 15.6 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मजबूत फंड प्रबंधन को दर्शाता है। एलआईसी ने कहा कि उसने पिछले कुछ वर्षों में निवेश के फैसले कंपनियों बुनियादी आंकड़ों और जांच-पड़ताल के आधार पर लिए हैं। एलआईसी ने कहा, निवेश संबंधी निर्णय एलआईसी द्वारा विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद उसके निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्वतंत्र रूप से लिए गए। कंपनी ने कहा, एलआईसी ने जांच-पड़ताल के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित किया है और इसके सभी निवेश निर्णय सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में, मौजूदा नीतियों, अधिनियमों के प्रावधानों और नियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन में लिए गए हैं।

सत्यमेव जयते

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

वर्ष 2025-26 के लिए

एससी छात्रों हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना
के अंतर्गत उच्चतर शैक्षिक अध्ययन हेतु

अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की घोषणा करता है।

पात्रता	कार्य क्षेत्र	छात्रवृत्ति
माता-पिता / अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए	कक्षा 11 एवं उसके बाद वाले सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम	पूर्ण अप्रतिदेय शुल्क (ट्यूशन शुल्क सहित)
मान्यता प्राप्त संस्थानों/ विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/ विद्यालयों में पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र	लाभार्थियों का चयन राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाएगा	प्रतिवर्ष 2500/- रुपए से लेकर 13500/- रुपए का अकादमिक भत्ता
	सबसे गरीब परिवारों के आवेदकों को प्राथमिकता	दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

छात्र के पास वैध **मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।**

योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।

https://socialjustice.gov.in/schemes/25

योजना के दिशा-निर्देशों के लिए QR कोड स्कैन करें

cbc38101/11/0024/2526

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
'खनिज भवन', 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद - 500 028, सीआईएन - L13100AP1958GOI001674

अनुबंध विभाग
ई-निविदा सूचना (घरेलू बोली के लिए खुली निविदा पूछताछ)

निविदा पूछताछ संख्या: एचओ (अनुबंध)/एनसीपी और डीएचसीएस/डीईपी-4/282 दिनांक: 24/10/2025

एनएमडीसी लिमिटेड, भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत एक "नवरत्न" सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, अनुभवी, प्रतिष्ठित और सक्षम घरेलू बोलीदाताओं से **एमएसटीसी पोर्टल** के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करती है:

अ. "डिपॉजिट-4 खदान से भानसी रेलवे साइडिंग तक लौह अयस्क के परिवहन और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में भानसी रेलवे साइडिंग पर निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (बीओटी) - टोल आधार पर निर्वहन हेतु 10 मेगाटन क्षमता वाली फीडिंग प्रणाली और उपयुक्त संवहन प्रणाली का विकास"।

और

ब. "विकसित सुविधाओं का संचालन और रखरखाव, कमीशनिंग की तिथि से 15 वर्षों की अनुमानित अवधि के लिए, जिसे आपसी सहमति के आधार पर 5 वर्षों के लिए और बढ़ाया जा सकता है"।

विस्तृत एनआईटी और बोली दस्तावेज़ **24/10/2025 से 25/11/2025 तक** निम्नलिखित वेबसाइट लिंक से देखे और/या डाउनलोड किए जा सकते हैं:

1. एनएमडीसी वेबसाइट https://nmdcportals.nmdc.co.in/nmdctender
2. केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल https://www.eprocure.gov.in/ epublish/pp और निविदा पूछताछ संख्या के माध्यम से निविदा खोजें।
3. एमएसटीसी पोर्टल https://www.mstcecommerce.com/eprocn/एमएसटीसी पोर्टल से बोली दस्तावेज़ तक पहुँचने के लिए, बोलीदाताओं को एमएसटीसी वेबसाइट पर जाना होगा (संगतता के लिए माइक्रोसॉफ्ट एज ब्राउज़र का उपयोग करें) और निविदा ईवेंट संख्या **एनएमडीसी/मुख्यालय/अनुबंध/33/25-26/ईटी/448 [डीएचसी डिपॉज़िट 4 से भानसी तक]** खोजें।

बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से अपनी बोलियाँ ऑनलाइन जमा करें। ऑनलाइन बोली जमा करने का विवरण एनआईटी में दिया गया है। बोलीदाताओं को भविष्य में किसी भी तिथि पर, यदि कोई शुद्धिपत्र हो, तो उसके लिए नियमित रूप से एनएमडीसी की वेबसाइट/सीपीपी पोर्टल/एमएसटीसी पोर्टल देखना आवश्यक है। अधिक स्पष्टीकरण के लिए, निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता है –

1. कार्यकारी निदेशक (कार्य), एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद, फैक्स संख्या 040-2353 4746, टेलीफोन संख्या 040-23532800, ईमेल: contracts@nmdc.co.in
2. श्री के. सुधीर कुमार, उप महाप्रबंधक (यांत्रिक), परिवर्तन एवं नवाचार विभाग, टेलीफोन संख्या +91 9440624173, ई-मेल: ksudhir@nmdc.co.in

कार्यकारी निदेशक (कार्य)

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6028

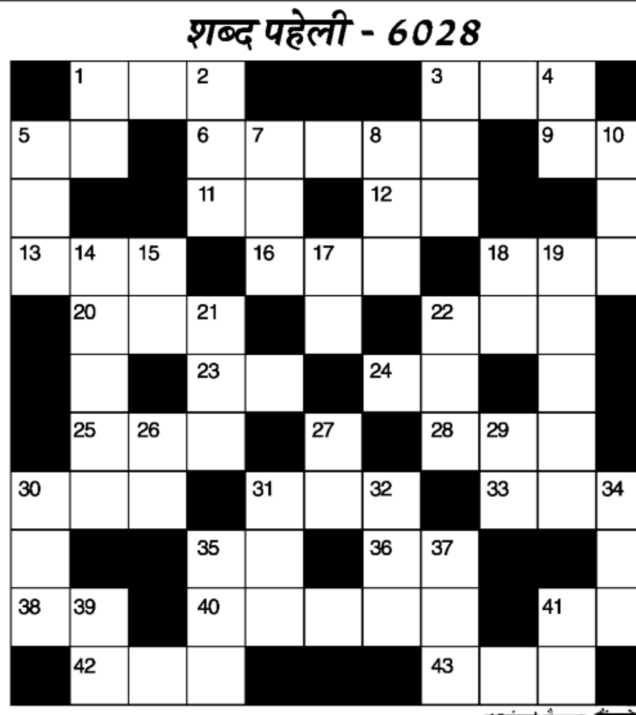

बाएँ से दाए-
1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे
1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -6027 का हल

का	■	बु	आ	■	द	■	स	ख़त	■	मु
र	क्त	■	कु	क	र	मु	त्ता	■	जा	ला
तू	■	म	ल	■	मि	■	श्री	र	■	य
स	क्रि	य	ता	■	या	■	श	ब	न	म
■	या	■	■	■	न	■	■	■	या	■
रा	शी	क	र	ण	■	भा	र	ही	न	ता
■	ल	■	■	■	टी	■	■	■	वे	■
री	ता	प	न	■	ना	■	न	ह	ला	ना
इं	■	स	जा	■	मु	■	का	म	■	का
ब	लि	■	क	हा	नी	का	र	■	छ	बि
र्स	■	गी	त	■	म	■	ना	नी	■	ल

सूडोकु नवताल- 6038

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6037 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे ही पैसे निकालना कितना सही

अगर आप नौकरीपेशा हैं और ईपीएफ (ईपीएफ) में योगदान करते हैं, तो आपके वेतन का एक हिस्सा ईपीएस यानी एंप्लॉइज पेंशन स्कीम में भी जाता है। बहुत से लोग यह सोचते हैं कि नौकरी छोड़ने या बीच में ब्रेक आने पर इस पैसे को फौरन निकाल लेना बेहतर है, लेकिन क्या वाकई ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे पैसे निकाल लेना सही फैसला है? कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने हाल ही में ईपीएस से जुड़े कुछ बदलाव किए हैं, हालांकि, इन बदलावों का असर पेंशन पाने की उम्र यानी 58 साल की एलिजिबिलिटी पर नहीं पड़ेगा। पेंशन पाने के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक लगातार ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी है। अगर किसी सदस्य की नौकरी चली जाती है और वह ईपीएफ (ईपीएस) के लिए योगदान जारी नहीं रखना चाहता, तो वह 10 साल पूरे होने से पहले अपने सारे पैसे निकाल सकता है। पहले यह फाइनल सेटलमेंट नौकरी चले जाने के 2 महीने बाद किया जा सकता था, लेकिन अब इसके लिए 2 महीने नहीं, बल्कि 36 महीने यानी 3 साल तक इंतजार करना होगा, यानी ईपीएफओ ने अब ईपीएस के पैसे निकालना पहले की तुलना में ज्यादा मुश्किल बना दिया है, इस बदलाव का उद्देश्य यह है कि अगर ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रह सके।

- पहले सारा पैसा निकालने पर नहीं मिलती मासिक पेंशन, पेंशन के लिए लगातार दस ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी
- ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रहेगी

10 साल से पहले पैसे निकालने का असर

ईपीएफओ के नियमों के मुताबिक आप लगातार नौकरी के 10 साल पूरे होने से पहले ईपीएस से पैसे निकाल सकते हैं। लेकिन ऐसा करने पर आप आगे चलकर मिलने वाली पेंशन के लिए एलिजिबल नहीं रह जाएंगे। यानी रिटायरमेंट के बाद ईपीएस के जरिये मिलने वाली मंथली पेंशन की सुविधा खत्म हो जाएगी।ईपीएफओ के अनुसार रिटायरमेंट के समय पेंशन पाने की एलिजिबिलिटी के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक ईपीएस में सदस्य रहना जरूरी है। इसका मतलब यह है कि जल्दबाजी में पैसे निकालने से आप अपनी लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा खो सकते हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

दिलचस्प बात यह है कि ईपीएफओ के आंकड़ों के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत सदस्य 4 साल की सर्विस के भीतर ही पूरा पेंशन अमाउंट निकाल लेते हैं, ऐसे में उन्हें भविष्य की पेंशन और आर्थिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाता है।

फैमिली पेंशन का भी नुकसान

अगर कोई सदस्य 10 साल से पहले पैसे नहीं निकालता है और उसका निधन हो जाता है, तो उसके परिवार को अगले 3 साल तक पेंशन का लाभ मिलता है, लेकिन अगर सदस्य ने पूरे पैसे निकाल लिए हैं, तो परिवार यह लाभ नहीं ले सकता। यही वजह है कि ईपीएफओ ने ईपीएस की सदस्यता को 10 साल पूरे होने तक जारी रखने के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। ईपीएफओ का कहना है कि ईपीएस के पैसे निकालने के लिए दो महीने की जगह 36 महीने इंतजार करने का नया प्रावधान इसीलिए लाया गया है ताकि सदस्यों की 10 साल की एलिजिबिलिटी पूरी हो जाए और उनके परिवार को भी पेंशन का लाभ मिल सके।

किन हालात में निकाल सकते हैं पैसे

हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में पैसे निकालने का फैसला सही भी हो सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी व्यक्ति की आमदनी अच्छी खासी है या उसने पहले से अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग कर रखी है, जिसके चलते वह रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम या फैमिली पेंशन पाने के लिए ईपीएस के भरोसे नहीं है, तो जरूरत पड़ने पर अपने पैसे निकाल सकता है। लेकिन जिनकी आय सीमित है और दूसरा कोई रिटायरमेंट प्लान नहीं है, तो उनके लिए ईपीएस को जारी रखना भविष्य की सुरक्षा के लिहाज से बेहतर विकल्प है। ईपीएस पेंशन स्कीम लंबे समय तक आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है। अगर आप 10 साल पूरे होने से पहले पैसा निकालते हैं, तो भविष्य में पेंशन नहीं मिलेगी। साथ ही फेमिली पेंशन के तौर पर परिवार को मिलने वाली सुरक्षा का लाभ भी चला जाएगा। इसलिए नौकरी में ब्रेक या अस्थायी परेशानी की हालत में जल्दबाजी करने की बजाय सोच-समझकर फैसला करने में ही समझदारी है।

- गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला
- जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती जाती है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में निवेश सबसे सुरक्षित, लेकिन जरूरत से ज्यादा भी ठीक नहीं

- यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वालों के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है
- पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12% पैसा सोने में निवेश करते थे
- अब बाजार की तेजी को देखते हुए निवेशक 18 से 22% सोने में निवेश करने लगे

सोने को शुरू से ही निवेश का सबसे सुरक्षित माध्यम माना जाता रहा है। इसने निवेशकों को कभी रुसवा नहीं किया। पिछला रिकॉर्ड देखा जाए तो सोने ने कभी भी निगेटिव रिटर्न नहीं दिया। यह चाहे किसी भी रूप में हो निवेशकों को मालामाल करता रहा है। हालांकि बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने में निवेश करना सही है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। हाल फिलहाल में सोने में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए निवेशकों ने अपने पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12 फीसदी पैसा सोने में निवेश करते थे, लेकिन अब निवेशक 18 से 22 फीसदी सोने में निवेश करने लगे हैं। यहां तक तो ठीक हैं, लेकिन इससे अधिक रिस्की हो सकता है। इस साल आई जबर्दस्त तेजी की वजह से सोना चर्चा में है। 21 अक्टूबर को 5 फीसदी की गिरावट के बावजूद गोल्ड ने निवेशकों को मालामाल किया है। सवाल है कि आखिर गोल्ड में इतनी तेजी की क्या वजह है? इस सवाल का जवाब पाने के लिए हमें ग्लोबल इकोनॉमी में गोल्ड की भूमिका को समझना होगा।

1944 का ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद 1944 में ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट हुआ। तब अमेरिकी डॉलर में दुनिया के दूसरे देशों की करेंसीज की कीमत तय करने पर सहमति बनी। डॉलर की कीमत गोल्ड पर आधारित थी। 35 डॉलर एक औंस सोने के बराबर था। इस व्यवस्था से ग्लोबल इकोनॉमी को तब स्थिरता मिली, जब उसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। लेकिन, अमेरिकी इकोनॉमी का आकार बढ़ने पर सरकार ने ज्यादा डॉलर छापे। एक समय ऐसा आया जब कुल डॉलर का मूल्य गोल्ड रिजर्व से ज्यादा हो गया।

1960 के दशक में एक कमोडिटी के रूप में उभरा गोल्ड

1960 का दशक आते-आते इस असंतुलन की अनदेखी करना मुश्किल हो गया। 1971 में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने डॉलर को गोल्ड में बदलने की सुविधा बंद कर दी, जिससे ब्रेटन वुड्स सिस्टम खत्म हो गया। इससे मॉनेटरी सिस्टम में गोल्ड की तय भूमिका खत्म हो गई। इसके बाद गोल्ड एक कमोडिटी बनकर रह गया। इसकी कीमतों पर मार्केट फोर्सेज का असर पड़ना शुरू हो गया, लेकिन, निवेश के सुरक्षित विकल्प को लेकर इसकी भूमिका बनी रही।

केंद्रीय बैंकों ने समझा गोल्ड का महत्व

जैसे-जैसे डॉलर कमजोर होता गया और इनफ्लेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे गोल्ड की अपील बढ़ती गई। जब कभी डॉलर में बड़ी कमजोरी आई या इनफ्लेशन में उछाल आया, गोल्ड निवेश के भरोसेमंद जरिया के रूप में सामने आता रहा। क्राइसिस के समय भी इसकी चमक बनी रही। इससे यह माना गया कि जब सबकुछ अनिश्चित दिख रहा तो तब भी गोल्ड में वेल्थ की वैल्यू घटने से बचाने की क्षमता है। इसके बाद दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने गोल्ड खरीदना शुरू कर दिया। इसका मकसद विदेशी मुद्रा भंडार का डायवर्सिफिकेशन था।

गोल्ड में तेजी की बड़ी वजहें

बीते कुछ सालों में गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला है। जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती है। इससे यह दूसरी

करेंसीज में इनवेस्ट करने वाले इनवेस्टर्स के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है। बॉन्ड्स की रियल यील्ड ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। जब रियल यील्ड घट जाती है तो गोल्ड की अपील बढ़ जाती है। जब हम साल 2025 के अंत के करीब है, गोल्ड 4000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर है। गोल्ड की तेजी में डॉलर में कमजोरी, बॉन्ड्स की कम रियल यील्ड और सेंट्रल बैंकों के बीच गोल्ड की ज्यादा डिमांड का हाथ है। इसके अलावा जियोपॉलिटिकल टेंशन का असर भी इसमें शामिल है।

इकोनॉमी में गोल्ड की बढ़ती भूमिका

गोल्ड में तेजी न सिर्फ इनवेस्टर्स के लिए अहम है बल्कि इसका आर्थिक महत्व भी है। उदाहरण के लिए भारत में आरबीआई के रिजर्व में डॉलर के अलावा गोल्ड भी है। जब गोल्ड में तेजी आती है तो आरबीआई के डॉलर रिजर्व की वैल्यू बढ़ जाती है। इससे इंडिया की फाइनेंशियल पोजीशन मजबूत होती है। गोल्ड का असर भारत में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पर भी पड़ता है। उदाहरण के लिए सितंबर 2025 में गोल्ड की ज्यादा कीमतों की वजह से इंडिया के कोर इनप्लेशन में मामूली उछाल देखने को मिला, जबकि फूड की कीमतों में गिरावट आई। इससे पता चलता है कि गोल्ड की भूमिका इकोनॉमी में कितनी ज्यादा है।

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। इसकी कई वजहें हैं। रियल यील्ड लगातार कम बनी हुई है। सेंट्रल बैंक के बीच गोल्ड की डिमांड बनी हुई है, लेकिन, इतिहास यह बताता है कि ऐसी तेजी के बाद गोल्ड दोबारा नई ऊंचाई पर पहुंचने से पहले कंसॉलिडेशन फेज में रहता है। इसलिए गोल्ड में तेजी जारी रहने की संभावना है, लेकिन इनवेस्टर्स को इसमें उतार चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

एक सीमा से ज्यादा निवेश सही नहीं

कई इनवेस्टर्स इनफ्लेशन से बचाव, करेंसी में कमजोरी और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए गोल्ड में निवेश कर रहे हैं। लेकिन, गोल्ड में बहुत ज्यादा निवेश से आपके पोर्टफोलियो पर इसकी कीमतों में तेजी या कमजोरी का असर पढ़ना शुरू हो जता है। ऐसे में बॉन्ड बड़ा रोल निभाता है। अनिश्चित समय में तो गोल्ड का प्रदर्शन अच्छा रहता है लेकिन, जब सबकुछ ठीक चल रहा होता है तो क्या होता है? बॉन्ड्स पोर्टफोलियो में स्टैबिलिटी लाता है। साथ ही इंटरेस्ट के रूप में इससे रेगुलर इनकम होती है। यह फायदा गोल्ड में नहीं है। ऐसे इनवेस्टर्स जिन्हें रेगुलर कैश की जरूरत पड़ती है, उनके डायवर्सिफायड पोर्टफोलियो में बॉन्ड्स का होना जरूरी है।

पर्सनल लोन एग्रीमेंट पर साइन से पहले चेक करें कुछ बातें, वरना पड़ेगा पछताना

बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं जो करती हैं परेशान, ऐसे में ऐसी शर्तों पर पहले से ही नजर दौड़ा लें, दिक्कत नहीं होगी

ऑफर देखकर न ललचाएं ज्यादा जरूरत होने पर ही पर्सनल लोन उठाएं, वरना यह बढ़ा सकता है परेशानी

कई बार हमें अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है चाहे मेडिकल इमरजेंसी हो, शादी का खर्च या फिर किसी जरूरी ट्रिप का खर्चा। ऐसे में पर्सनल लोन एक आसान रास्ता लगता है। कुछ क्लिक या एक फॉर्म भरकर पैसा खाते में आ जाता है, लेकिन यही आसानी कई बार बाद में परेशानी का कारण भी बन जाती है, अगर आपने लोन एग्रीमेंट के कागजों को ध्यान से नहीं पढ़ा। बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं, जिन पर नजर न गई तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर चार्जेज

कई लोग सोचते हैं कि लोन जल्दी चुका देंगे तो ब्याज बच जाएगा, लेकिन हर बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन इसकी इजाजत नहीं देता। अगर आप लोन तय समय से पहले चुका देते हैं, तो आपको प्रीपेमेंट या फोरक्लोजर चार्जेज देने पड़ सकते हैं, जो आम तौर पर बाकी बचे लोन अमाउंट का 2% से 5% तक होता है। इसलिए साइन करने से पहले यह जरूर समझ लें कि आपका बैंक या एनबीएफसी पर्सनल लोन जल्दी चुकाने पर कितने चार्जेज वसूलेगा।

लेट पेमेंट और डिफॉल्ट पेनॉल्टी

एक भी ईएमआई छूटना आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके साथ ही, बैंक लेट पेमेंट पर पेनाल्टी चार्ज भी वसूलते हैं। कुछ बैंक एक तय रकम लेते हैं, तो कुछ बाकी बचे ईएमआई अमाउंट का एक प्रतिशत। यही वजह है कि देर से भुगतान करने पर ब्याज से ज्यादा रकम चुकानी पड़ सकती है। इससे बचने का सबसे आसान तरीका है ऑटो डेबिट ऑर्डर लगाना, ताकि ईएमआई समय पर कट जाए।

छिपे हुए प्रोसेसिंग व सर्विस चार्जेस

बैंक जब लोन का ब्याज दर बताते हैं, तो वह तो साफ होता है, लेकिन बाकी के चार्जेस अक्सर ध्यान नहीं जाते। जैसे प्रोसेसिंग फीस, डॉक्युमेंटेशन फीस और जीएसटी आदि। यहां तक कि कुछ बैंक फोरक्लोजर लेटर या लोन स्टेटमेंट के लिए भी शुल्क वसूलते हैं। इसलिए हमेशा साइन करने से पहले बैंक से यह पूछें कि कुल मिलाकर आपकी जेब से कितनी रकम कटेगी। आखिरकार, जो लोन अमाउंट आपको मिलेगा, वह इन चार्जेस के बाद थोड़ी कम ही होगी।

ब्याज दर में बदलाव से जुड़ी शर्तें

अगर आपने फ्लोटिंग रेट वाला पर्सनल लोन लिया है, तो यह समझना जरूरी है कि ब्याज दर में बदलाव कब और कैसे होगा। कुछ बैंक हर तिमाही में रेट बदलते हैं, तो कुछ साल में एक बार. अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं तो आपकी ईएमआई भी बढ़ सकती है। इसलिए एग्रीमेंट में दिए गए इस क्लॉज को जरूर पढ़ें ताकि बाद में बढ़ी हुई किस्त देखकर झटका न लगे।

बीमा और क्रॉस-सेलिंग की चाल

कई बैंक पर्सनल लोन के साथ एक बीमा पॉलिसी भी जोड़ देते हैं, जो बेरोजगारी, बीमारी या मृत्यु की स्थिति में लोन को कवर करती है। सुनने में यह सुरक्षा जैसा लगता है, लेकिन अक्सर यह बीमा वैकल्पिक होता है. कुछ बैंक इसे अनिवार्य बताकर जोड़ देते हैं। इसलिए साइन करने से पहले यह साफ कर लें कि क्या यह बीमा जरूरी है, और क्या उसकी प्रीमियम लागत वाजिब है।

हर शर्त को समझना बेहद जरूरी

पर्सनल लोन एक सुविधाजनक विकल्प जरूर है, लेकिन इसके साथ जुड़ी हर शर्त को समझना बेहद जरूरी है। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान न देने से बाद में भारी ब्याज, चार्जेस या अन्य पेनाल्टी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए अगली बार जब भी आप किसी लोन डॉक्यूमेंट पर साइन करें, तो जल्दबाजी न करें। हर पेज, हर क्लॉज को ध्यान से पढ़ें और समझें। आखिरकार, लोन से राहत तभी मिलेगी जब आप इसके हर नियम को समझदारी से निभाएंगे।

घर में कितनी रख सकते हैं चांदी कमाई पर कैसे लगता है टैक्स

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में सोना के साथ एक और एसेट क्लास सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो है चांदी। वजह इसमें मिल रहा सुपर रिटर्न। साल 2025 में रिटर्न के मामले में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है। इस साल चांदी का रिटर्न 73फीसदी से अधिक रहा है। इससे निवेशकों के बीच चांदी की डिमांड बढ़ रही है, चाहे वह किसी भी फॉर्मेट में हो। तो यहां 2 बातें समझ लेना जरूरी है कि आप अपने घर में अधिक से अधिक कितना चांदी रख सकते हैं, ताकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का कोई झंझट न हो। वहीं इससे होने वाली कमाई पर कितना टैक्स लगता है।

चांदी रखने पर लिमिट नहीं

सोने की तरह, चांदी (जैसे सिक्के, गहने, बर्तन आदि) रखने पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत कोई सीमा तय नहीं की गई है। अगर चांदी कानूनी तरीके से खरीदी गई या विरासत में मिली है, तो उस पर कोई रोक नहीं है। टैक्स तभी लगता है जब आप चांदी बेचते हैं और उस पर कैपिटल गेंस (लाभ) कमाते हैं। टैक्स सिर्फ बिक्री पर या छुपाई गई संपत्ति पाए जाने पर लगता है। हालांकि घर पर कितनी भी चांदी रखने की सीमा नहीं है, लेकिन अगर आपके पास ज्यादा चांदी है, तो उसकी खरीद के प्रमाण (बिल या रसीद) संभाल कर रखना बेहतर है। अगर आपने चांदी किसी ज्वेलर, डीलर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदी है, तो उसका असली बिल जरूर रखें। भविष्य में अगर कभी इनकम टैक्स विभाग जांच करता है, तो ये दस्तावेज आपके लिए सुरक्षा कवच बन सकते हैं।

चांदी की कमाई पर टैक्स

चांदी पर टैक्स के नियम की बात करें तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने फिजिकल सिल्वर (जैसे गहने, सिक्के, बार) खरीदी है या सिल्वर ईटीएफ या सिल्वर म्यूचुअल फंड में निवेश किया है, और आपने इसे कितने समय तक रखा है. इसलिए, टैक्स के नियम समझना जरूरी है ताकि आप सही निवेश निर्णय ले सकें।

कार्यालय लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पण्डरिया, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
Email : Lspsskm@gmail.com Contact No. 07987900070, 09907575796

// ई - निविदा सूचना //

ई-निविदा सूचना क्रमांक- 178135, 178136, 178137, 178138, 178139, 178140 **दिनांक**- 25.10.2025

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में ई-निविदा सूचना क्रमांक- 178135 (जे.सी.बी. किराया), क्रमांक- 178136 (हमाली), क्रमांक 178137 (चूना, सल्फर फिडिंग कार्य) क्रमांक 178138 (सायलो सिस्टम संचालन), क्रमांक 178139 (केमिकल्स सामाग्री मेन्युफेक्चरर/ एथोराईज्ड), क्रमांक- 178140 (इंजी. एथोराईज्ड एवं इंजी. नॉन एथोराईज्ड सामाग्री) कार्य / क्रय हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो / निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर अलग-अलग ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/- रू. (1000/- रू. + 311/- रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E- Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म Upload किया जाना हैं।

निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते हैं।

महाप्रबंधक (प्रशा.)

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001

सूचना

सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति द्वारा बी.एस .पी., शॉप नंबर 11 के पास बी.एस.पी. अधिग्रहित भूमि पर लगभग 40X60 वर्ग फीट जमीन पर अवैध कब्ज़ा कर पक्का निर्माण किया जा रहा है ।

उक्त भूमि बी.एस.पी. की सम्पति है, जिसे ना ही आबंटित किया गया है और ना ही निवास / व्यवसाय हेतु अनुमति दी गई है ।

उक्त अवैध निर्माण को रोकने हेतु समय- समय पर नोटिस दिया गया, किन्तु निर्माण कार्य नहीं रोका गया ।

अतः अतिक्रमण धारी सार्वजनिक सम्पति का अवैध दुरुपयोग करने के दोषी है अतः अतिक्रमण के विरुद्ध कब्ज़ा हटाने की कारवाही की जायगी ।

नगर प्रशासन विभाग
आई . ओ . सी . राजहरा

विज्ञापन.क्र.-बीएसपी-11 / 25-26 / दिनांक : 25 / 10 / 2025

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : 127109DL1973G01006454.Website: www.sail.co.in
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

एन एम डी सी लिमिटेड) (NMDC LIMITED)
(भारत सरकार का उद्यम) (AGovernment of India Enterprises)
बैलाडीला आयरन ओर माइन, किरन्दुल कॉम्पलेक्स
Bailadila Iron Ore Mine, Kirandul Complex
(आई.एस.ओ. 9001:2015, आई.एस.ओ. 14001:2015, आई.एस.ओ. 45001:2018, एस.ए. 8000:2014 प्रमाणित एकक)
(An ISO - 9001:2015, ISO 14001:2015, ISO 45001:2018, SA 8000:2014 Certified Unit)
किरन्दुल-494556, जिला- दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छत्तीसगढ़) भारत
KIRANDUL - Distt- SOUTH BASTAR DANTEWADA (C.G.) INDIA

क्रमांकः केसी / प्र एवं सु. / 2025 / **अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के लिए वॉक इन इंटरव्यू की अधिसूचना** अधिसूचना दिनांक 26/10/2025

एनएमडीसी लिमिटेड, बैलाडीला आयरन ओर माईन किरंदुल कॉम्प्लेक्स अप्रेंटिसशिप एक्ट 1961 (अभी तक संसोधित), अप्रेंटिसशिप नियम 1992 एवं बी. ओ. ए. टी. (एन. ए. टी. एस / एन. ए. पी. एस.) के दिशा निर्देश के अंतर्गत ग्रेजुएट अप्रेंटिस, तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिस और ट्रेड अप्रेंटिस के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन कर रहा है। रिक्तयों का विवरण नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	वर्ग	रिक्तियों की संख्या	अर्हता	वॉक इन इंटरव्यू की तिथि
(अ) ट्रेड आपरेंटिस				
1	मशीनिष्ट	04	मशीनिष्ट में ट्रेड सर्टिफिकेट	12/11/2025
2	फिटर	12	फिटर में ट्रेड सर्टिफिकेट	
3	वेल्डर	23	वेल्डर में ट्रेड सर्टिफिकेट	13/11/2025
4	मेकनिक डीजल	22	मेकनिक डीजल में ट्रेड सर्टिफिकेट	14/11/2025
5	मेकेनिक मोटर व्हीकल (एमएमवी)	12	मेकेनिक मोटर व्हीकल (एमएमवी) में ट्रेड सर्टिफिकेट	
6	इलेक्ट्रीशियन	27	इलेक्ट्रीशियन में ट्रेड सर्टिफिकेट	17/11/2025
7	कोपा	47	कोपा में ट्रेड सर्टिफिकेट	18/11/2025
(ब) स्नातक अपरेंटिस				
8	केमिकल इंजीनियरिंग	01	केमिकल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	19/11/2025
9	कम्प्यूटर इंजीनियरिंग	01	कम्प्यूटर इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	
10	फॉरमेसी में स्नातक	01	फॉरमेसी साईस में डिग्री	
11	बी. बी.ए. (बेचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)	02	बी. बी. ए. में डिग्री	20/11/2025
12	इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग (ई. ई.)	02	ई. ई. इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	
13	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	06	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	
14	मेकेनिकल इंजीनियरिंग	10	मेकॅनिकल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	21/11/2025
15	मइनिंग इंजीनियरिंग	10	मइनिंग इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	
16	सिविल इंजीनियरिंग	07	सिविल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	
(स) तकनीशियन (डिप्लोमा) अपरेंटिस				
17	सिविल इंजीनियरिंग	01	सिविल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	21/11/2025
18	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	04	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	20/11/2025
19	मेकेनिकल इंजीनियरिंग	04	मेकेनिकल इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	21/11/2025
20	माईनिंग इंजीनियरिंग	01	माईनिंग इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	

योग्यता मानदंड :- (1) उपरोक्त तालिका में उल्लेखित (अ) ट्रेड (आईटीआई) अपरेंटिस के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास आवेदन के समय राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) / राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई ट्रेड योग्यता प्रमाणपत्र (राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र / राज्य व्यापार प्रमाण पत्र) होना चाहिए ।(2) उपरोक्त तालिका में उल्लेखित (ब) ग्रेजुएट अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग में डिग्री होना चाहिए । संस्थान से प्रौद्योगिकी और साक्षात्कार के समय डिग्री प्रमाण पत्र का उत्पादन करना होगा ।(3) उपरोक्त तालिका में उल्लेखित (स) तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास इंजीनियरिंग में डिप्लोमा सर्टिफिकेट होना चाहिए । संस्थान से पौद्योगिकी और साक्षात्कार के समय डिप्लोमा प्रमाण पत्र का उत्पादन करना होगा । उम्मीदवारों को केवल विज्ञापन में उल्लेखित निर्धारित योग्यता के लिए साक्षात्कार दिया आधार जाएगा ।

पात्रता मानदंड :- (1) ट्रेड अप्रेंटिसशिप के वॉक-इन-इंटरव्यू में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों को राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) वेब पोर्टल (http://www.apprenticeshipindia.gov.in) पर पहले से पंजीकरण कराना होगा और उसे अनुमोदित कराना होगा (2) ग्रेजुएट अप्रेंटिस और तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिसशिप के लिए राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एन.ए.टी.एस.) वेब पोर्टल (https://nats.education.gov.in) पर पहले से पंजीकरण कराना होगा और उसे अनुमोदित कराना आवश्यक है। (3) इंजीनियरिंग स्नातक या डिप्लोमा धारक या व्यावसायिक प्रमाणपत्र धारक, जिन्होंने इन योग्यताओं को प्राप्त कर लिया है / कर रहे हैं / पहले से ही अनुबंधित हैं या इन योग्यताओं को प्राप्त करने के बाद एक वर्ष या उससे अधिक समय तक नौकरी का अनुभव रखते हैं, वे प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत प्रशिक्षुता के लिए पात्र नहीं होंगे। (4) कृपया सुनिश्चित करें कि परीक्षा उत्तीर्ण करने की तारीख से अनुबंध निर्माण की तारीख तक अंतर 5 वर्ष से अधिक नहीं है। यदि अनुबंध निर्माण की तारीख में यह अंतर 5 वर्ष से अधिक है, तो अनुबंध पोर्टल द्वारा नहीं बनाया जाएगा और प्रशिक्षु के रूप में जुड़ाव संभव नहीं होगा । इसलिए 5 वर्ष से अधिक के अंतर वाले उम्मीदवार को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। (5) उम्मीदवारों की आयु अधिसूचना की तिथि के अनुसार 16 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए ।(6) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग का चयन शिक्षुता नियम 1992 के अनुसार और भारत सरकार द्वारा निर्धारित कोटा के अनुसार होगा। (7) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाण पत्र वांछिन्य प्रारूप मे प्रस्तुत करना होगा । वांछिन्य प्रारूप एनएमडीसी की वेबसाइड (www.nmdc.co.in.) पर उपलब्ध हैं। यह नोटिफिकेशन एनएमडीसी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है । यदि साक्षात्कार के समय जाति प्रमाण प्रत्र वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो आपकी उम्मीदवारी पर संबंधित श्रेणी के लिए आरक्षित सीटों के लिए विचार नहीं किया जाएगा । जाति प्रमाण पत्र के प्रारूप के लिए एनएमडीसी वेबसाइट पर पब्लिस्ड नोटिफिकेशन अवश्य देखें ।(8) ओबीसी श्रेणी (नॉन क्रीमी लीयर) के लिए जाति प्रमाण वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत करना होगा। वांछिन्य प्रारूप एनएमडीसी की वेबसाइड (www.nmdc.co.in) पर उपलब्ध हैं। यह नोटिफिकेशन एनएमडीसी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है । यदि साक्षात्कार के समय जाति प्रमाण प्रत्र वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो आपकी उम्मीदवारी पर संबंधित श्रेणी के लिए आरक्षित सीटों के लिए विचार नहीं किया जाएगा । जाति प्रमाण पत्र के प्रारूप के लिए एनएमडीसी वेबसाइट पर पब्लिस्ड नोटिफिकेशन अवश्य देखें। (9) केवल भारतीय नागरिक ही आवेदन करने के पात्र हैं ।(10) उपरोक्त सभी दस्तावेजों की जांच साक्षात्कार सहायता डेस्क के सदस्यों और साक्षात्कार बोर्ड के सदस्यों द्वारा की जाएगी। विज्ञापन के अनुसार सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद ही उम्मीदवार का साक्षात्कार लिया जाएगा। (11) तथ्यों को दबाने से किसी भी स्तर पर उम्मीदवारो को खारिज किया जा सकता है। शिक्षुता प्रशिक्षण योजना शिक्षुता प्रशिक्षण पूरा होने पर किसी रोजगार की गारंटी नहीं देती है। शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष के लिए होगी ।(12) एन. एम. डी. सी. लिमिटेड बी.आई.ओ.एम. किरंदुल कॉम्पलेक्स, बिना कोई कारण बताए, यदि परिस्थितियां ऐसी हों तो विज्ञापन / चयन प्रक्रिया वापस लेने / रद्द करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है ।(13) ऊपर उल्लेखित रिक्तियों की संख्या केवल सांकेतिक है और प्राप्त पात्र आवेदको के अंतिम मूल्यांकन के आधार पर बाद में इसमें बदलाव हो सकता है। (14) दस्तावेजों के संतोषजनक सत्यापन एवं साक्षात्कार के आधार पर चयन किया जाएगा।

साक्षात्कार से पहले, उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे निम्नलिखित दस्तावेज लेकर आएं :- (क) संबंधित वेब पोर्टल (एन.ए.पी.एस./एन.ए. टी.एस.) में पंजीकरण प्रमाण के प्रोफाइल पृष्ठों की अनुमोदित प्रति ।(ख) बायोडाटा फॉर्म (एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ) ।(ग) आयु प्रमाण के लिए 10 वीं कक्षा के प्रमाण पत्र / जन्म प्रमाण पत्र । सत्यापन उद्देश्य के लिए मूल प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है ।(घ) योग्यता प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र आवश्यक है। सत्यापन उद्देश्य के लिए मूल प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है। इन प्रमाण पत्रों को प्रस्तुत न करने पर आपको क्रमशः साक्षात्कार और आरक्षित सीटों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। (ड) उम्मीदवार को साक्षात्कार की तिथि पर हेल्प डेस्क द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन गूगल फॉर्म को भरना होगा । **उपर्युक्त विषयों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू प्रशिक्षण संस्थान, बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स, किरंदुल परिसर, जिला- दंतेवाड़ा (सीजी-494556) में प्रत्येक श्रेणी के सामने उल्लेखित तारीखों पर ही सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे** तक आयोजित किया जाएगा। वॉक-इन-इंटरव्यू में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवार को साक्षात्कार हेल्प डेस्क पर खुद को पंजीकृत करने के लिए **दोपहर 01:00 बजे** से पहले साक्षात्कार स्थल पर पहुंचना होगा। **दोपहर 1:00 बजे** के बाद की रिपोर्टिंग पर विचार नहीं किया जाएगा। साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को किसी प्रकार के भुगतान या टी. ए. / डी.ए. की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी । स्टाइपेंड का भुगतान अप्रेंटिसशिप नियम, 1992 के अनुसार किया जाएगा। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण अवधि के दौरान आवास एवं भोजन की व्यवस्था प्रशिक्षुओं को स्वयं करनी होगी।

सहायक महाप्रबंधक (खनन)
प्रशिक्षण एवं सुरक्षा विभाग

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल, 1 विकेट खोकर हासिल किया 237 रनों का लक्ष्य

सिडनी में गरजा 'रो-को' का बल्ला, 168 रन की अटूट साझेदारी

एजेंसी ▶▶| सिडनी

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करके आकर्षक पारियां खेल कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जिससे भारत ने तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

भारत के सामने 237 रन का अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य था लेकिन रोहित और कोहली ने इसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रोहित ने 125 गेंद पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कोहली ने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। इस तरह से उसने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की मंशा पर भी पानी फेर दिया, जो पहले दो मैच जीत कर तीन मैच की श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुका था।

रोहित ने अपने वनडे करियर का 33वां शतक लगाया। यह उनका 50वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। पहले दो मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे कोहली अधिक प्रतिबद्ध दिखे। वनडे क्रिकेट के बेताज बादशाह ने अपने करियर का 75वां अर्धशतक लगाया। वह वनडे में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक शतक

9	रोहित शर्मा
9	सचिन तेंदुलकर
8	विराट कोहली
6	डेसमंड हेन्स

कम पारियों में वनडे में 33 शतक लगाने वाले भारतीय

195 पारी	विराट कोहली
268 पारी	रोहित शर्मा
286 पारी	सचिन तेंदुलकर

101वीं बार साझेदारी

रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं।

वनडे में 100+ रनों की साझेदारी

बल्लेबाज जोड़ी	100+	पारी
सचिन – सौरव	26	176
दिलशान-संगकारा	20	108
रोहित - कोहली	19	101
रोहित – धवन	18	117

अय्यर बीच मैच चोटिल होकर गए मैदान से बाहर

भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने एलेक्स कैरी का एके बेहतरीन कैच पीछे दौड़ लगाते हुए पकड़ा। मगर वह इसके बाद काफी दर्द में नजर आए। उन्हें मैदान से बाहर भी तुरंत ले जाया गया। उनकी जगह फील्ड पर सब्सटीट्यूट के रूप में ध्रुव जुरेल आए। अब इस चोट के बाद निश्चित ही टीम इंडिया और भारतीय फैंस की टेंशन बढ़ गई होगी।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श बो अक्षर	41	50	5	1
हेड का कृष्णा बो सिराज	29	25	6	0
शॉर्ट का कोहली बो वाशिंगटन	30	41	2	0
रेनशॉ पगबाधा बो वाशिंगटन	56	58	2	0
कैरी का श्रेयस बो राणा	24	37	1	0
कोनोली का कोहली बो राणा	23	34	2	0
ओवेन का रोहित बो राणा	01	04	0	0
स्टार्क बो कुलदीप	02	05	0	0
एलिस का रोहित बो कृष्णा	16	19	3	0
जम्पा नाबाद	02	05	0	0
हेजलवुड बो राणा	00	2	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 46.4 ओवर में 236/10 रन
गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 5-1-24-1, हर्षित राणा 8.4-0-39-4, प्रसिद्ध कृष्णा 7-0-52-1, कुलदीप यादव 10-0-50-1, अक्षर पटेल 6-0-18-1, वाशिंगटन सुंदर 10-0-44-2

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा नाबाद	121	125	13	3
गिल का कैरी बो हेजलवुड	24	26	2	1
कोहली नाबाद	74	81	7	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 38.3 ओवर में 237/1 रन
गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 5-0-31-0, जोश हेजलवुड 6-1-23-1, नाथन एलिस 7.3-0-60-0, कूपर कोनोली 5-0-36-0, एडम जम्पा 10-0-50-0, मिचेल ओवन 1-0-2-0, मैथ्यू शॉर्ट 4-0-29-0

रोहित ने जीता प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब

रोहित शर्मा ने कंगारू टीम के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि ओवरऑल भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 101.00 की औसत के साथ 202 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उन्होंने इस दौरान 21 चौके और 5 छक्के भी जड़े और उनका बेस्ट स्कोर 121 रन रहा। रोहित को उनकी बेहतरीन बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

वनडे में पूरे किए 100 कैच

रोहित शर्मा ने कंगारू टीम को दो बल्लेबाजों का कैच लपका और वनडे क्रिकेट में उन्होंने अपने 100 कैच भी पूरे कर लिए। रोहित ने गांगुली की भी बराबरी कर ली, जिन्होंने वनडे में 100 कैच लिए थे साथ ही भारत की तरफ से 100 कैच लेने वाले 7वें फील्डर भी बन गए। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है जिन्होंने अब तक कुल 164 कैच लिए हैं।

सचिन से आगे निकले कोहली

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं।

जैक कैलिस को पीछे छोड़ा

कोहली ने भी मेजबान टीम के दो बल्लेबाजों के बेहतरीन कैच लपके और अब वो इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए। कोहली के नाम अब इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 339 कैच हो गए हैं जबकि कैलिस ने कुल 338 कैच लपके थे। इस लिस्ट में 440 कैच के साथ महेला जयवर्धने पहले स्थान पर हैं।

मेसी ने हासिल की गोल्डन बूट ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| फोर्ट लॉडरडेल

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में सर्वाधिक गोल करने के लिए गोल्डन बूट ट्रॉफी हासिल करने के बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अर्जेंटीना के इस दिग्गज स्ट्राइकर ने दो गोल किए, जिससे उनकी टीम इंटर मियामी में नैशविले एससी पर 3-1 से जीत के साथ मेजर लीग सॉकर प्लेऑफ में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। मेसी ने पहले हाफ में डाइविंग हेडर के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की और फिर 96वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इंटर मियामी ने मेसी का तीन साल का अनुबंध बढ़ाने की घोषणा की थी।

भारत नहीं आएंगे मेसी, मैत्री मैच स्थगित

कोच्चि। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम और स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी अगले महीने केरल का दौरा नहीं करेंगे। इस दौरे के प्रायोजक ने यह घोषणा की। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। ऑगस्टीन ने अब अपने फेसबुक पेज पर घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। ऑगस्टीन ने लिखा, 'फीफा की अनुमति मिलने में देरी को देखते हुए, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ चर्चा के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।' उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

सोनिया ने रचा इतिहास, डब्ल्यूएनबीए में बनीं पहली भारतीय मुख्य कोच

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल की सोनिया रमन ने सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनकर डब्ल्यूएनबीए (महिला नेशनल बास्केटबॉल लीग) में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्ल्यूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होंगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है, जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं।

गलतियों से सीखकर नई शुरुआत करेगा भारत

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका भारत इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगा।

इंदौर में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले का विजेता अंक तालिका में शीर्ष पर रहेगा और 30 अक्टूबर को सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भी भारत चौथे स्थान पर ही रहेगा। भारत बांग्लादेश पर जीत से अधिकतम आठ अंक तक पहुंच सकता है, लेकिन वह इंग्लैंड से पीछे रहेगा, जो नौ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और यदि वह रविवार को न्यूजीलैंड को हरा देता है तो उसके अंकों की संख्या 11 हो जाएगी।

भारत और बांग्लादेश में भिड़ंत आज दोपहर 3 बजे से

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हौलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

पैरा बैडमिंटन में भगत ने जीते दो स्वर्ण पदक

विक्टोरिया। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो स्वर्ण पदक जबकि सुकांत कदम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता, जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलियाई पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में अपना दबदबा बनाते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।भगत ने फाइनल में हमवतन मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की हमवतन भारतीय जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से हराया।

महिला विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया ने द. अफ्रीका को 7 विकेट से हराया, अब भारत से सेमीफाइनल

ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाज अलाना किंग

एजेंसी ▶▶| इंदौर

लेग स्पिनर अलाना किंग की करिश्माई गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में सात विकेट से हराकर लीग चरण का समापन तालिका में शीर्ष स्थान पक्का करते हुए किया। ऑस्ट्रेलिया के सामने अब 30 अक्टूबर को नवी मुंबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत की चुनौती होगी क्योंकि भारत रविवार को अपने अंतिम लीग मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज कर भी तालिका में चौथे स्थान से ऊपर नहीं बढ़ सकता है।

किंग (सात ओवर में 18 रन देकर सात विकेट) ने अपनी फिरकी का जादू बिखेरते हुए करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम 24 ओवर में महज 97 रन पर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने इसके बाद 199 गेंद शेष रहते आसानी से लक्ष्य को हासिल कर लिया। किंग ने अपनी फिरकी की जादू से एक बार फिर साबित किया कि वह मौजूदा दौर में कलाई की सबसे कुशल स्पिनरों में से एक हैं। उन्होंने महिला वनडे में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह महिला वनडे में ऑस्ट्रेलिया के किसी गेंदबाज के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ विश्व कप मैच में किसी गेंदबाज के अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी,
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉप्लर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

हर दिन यहां होती है हीरों की बारिश, वैज्ञानिकों ने खोजा अंतरिक्ष का सबसे अमीर ग्रह

नई दिल्ली। आपने पृथ्वी पर आसमान से होने वाली पानी की बारिश तो देखी होगी, लेकिन क्या आपने कभी बेशकीमती हीरों की बारिश होते हुए देखा है? पृथ्वी पर ऐसा होना सपने जैसा लगता है, लेकिन अंतरिक्ष में ऐसे 2 ग्रह भी हैं, जहां सच में आसमान से हीरों की बारिश होती है। कथित तौर पर वैज्ञानिकों ने इन्हें अंतरिक्ष का 'सबसे अमीर' ग्रह बताया है।

किन ग्रहों पर होती है हीरों की बारिश?

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में दो ऐसे विशाल ग्रहों की पहचान की है जहां हीरों की बारिश होती है। इनके नाम हैं यूरेनस और नेपच्यून। इन ग्रहों पर मौसम की स्थितियां इतनी अजीबोगरीब हैं कि यहां के वातावरण में हीरा बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

चल रही खोज क्या इंसान भी रह सकते हैं वहां

क्या इंसान भी जा सकता है वहां?

दुर्भाग्य से, यूरेनस और नेपच्यून जीवन के लिए बिलकुल सही नहीं हैं। यहां का वातावरण इतना प्रतिकूल है कि इंसान का रहना असंभव है। यहां तापमान लगभग माइनस 200 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

आखिर ग्रहों में कैसे बनते हैं हीरे?

हीरा बनने के लिए मीथेन का टूटना बहुत जरूरी होता है, और यह काम ग्रह पर मौजूद अत्यधिक दबाव और तापमान करते हैं। इन तीव्र स्थितियों में मीथेन के मॉलेक्युल्स (अणु) टूट जाते हैं, जिससे कार्बन के छोटे-छोटे कण बनने शुरू हो जाते हैं, जो बाद में हीरे का रूप लेते हैं।

कुछ परतों पर हजारों डिग्री ज्यादा तापमान

यूरेनस और नेपच्यून के अंदरूनी हिस्सों में जो दबाव होता है, वह हमारी पृथ्वी के वायुमंडल से लाखों गुना ज्यादा होता है। यही नहीं, कुछ परतों में तापमान भी हजारों डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यही अत्याधिक दबाव और तापमान कार्बन कणों को हीरे के कठोर क्रिस्टल में बदलने के लिए जरूरी हैं।

कार्बन एटम से कैसे बन जाता है हीरा?

जब मीथेन के अणु वातावरण के तीव्र दबाव और गर्मी के कारण टूटते हैं, तो कार्बन एटम (परमाणु) अलग होकर एक साथ समूह बनाने लगते हैं। ये कार्बन एटम धीरे-धीरे आपस में विलीन होते जाते हैं और एक कठोर, मजबूत हीरे के क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं।

कहां गिरते हैं हीरे के क्रिस्टल?

एक बार जब कार्बन एटम हीरा बन जाते हैं, तो ग्रह का गुरुत्वाकर्षण बल उन्हें अपनी ओर खींचने लगता है। इस गुरुत्वाकर्षण के कारण ये हीरे के क्रिस्टल ग्रह की और गहरी परतों की ओर गिरने लगते हैं, जिसे वैज्ञानिक एक तरह की 'हीरे की बारिश' मानते हैं।

दुनिया का सबसे अमीर देश जहां है अरबों का खजाना ना सेना, ना पुलिस, फिर भी सुरक्षित है ये जगह

दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो अपनी ताकत, बड़ी सेना या मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए जाने जाते हैं। पर एक ऐसा देश भी है जो इन सब से बिलकुल अलग है। हम बात कर रहे हैं वेटिकन सिटी की। यह न केवल दुनिया का सबसे छोटा देश है, बल्कि दुनिया के सबसे अमीर देशों में भी गिना जाता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसके पास कोई बड़ी सेना या पुलिस बल नहीं है, फिर भी इसका अरबों का खजाना पूरी तरह सुरक्षित है।

सिर्फ 0.49 वर्ग किमी क्षेत्रफल, कमाई इतनी

वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल सिर्फ 0.49 वर्ग किलोमीटर है, यानी यह दुनिया का सबसे छोटा देश है. इसके बावजूद, यहां की प्रति व्यक्ति जीडीपी अक्सर 400,000 डॉलर से भी ज्यादा होती है, जो इसे दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल करती है। यह अमीरी यहां मौजूद कला के खजानों और वैश्विक दान से आती है।

कौन करता है पोप की सुरक्षा?

वेटिकन सिटी के पास अपनी कोई रेगुलर सेना नहीं है, लेकिन पोप की सुरक्षा के लिए 'स्विस गार्ड' नाम की एक खास यूनिट मौजूद है। इसमें सिर्फ 135 सैनिक होते हैं, जो अपनी रंग-बिरंगी, पुरानी शैली की वर्दी में दिखते हैं। ये आधुनिक सुरक्षा तकनीकों में पूरी तरह से प्रशिक्षित होते हैं। यह गार्ड केवल दिखावा नहीं, बल्कि पोप की सुरक्षा की एक कुलीन यूनिट है।

आंतरिक कानून व्यवस्था और पुलिस

स्विस गार्ड के अलावा, आंतरिक कानून व्यवस्था और निगरानी का काम 'वेटिकन जेंडरमेरी' संभालती है। यह यूनिट सुरक्षा, निगरानी और साइबर सुरक्षा जैसे मामलों को देखती है। बड़े इवेंट्स, जैसे कि पोप की सभाएं, इटली पुलिस और इंटरपोल के साथ मिलकर सुरक्षित किए जाते हैं।

वेटिकन की असली ताकत हथियारों में नहीं

वेटिकन की असली ताकत हथियारों में नहीं, बल्कि इसकी 'सॉफ्ट पावर', विश्वास, कूटनीति और नैतिक अधिकार में निहित है। इसकी तटस्थता, जिसे वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, ने 1,000 से अधिक वर्षों से इसके अस्तित्व और प्रभाव को सुनिश्चित किया है।

'हमला' क्यों नहीं करता कोई देश : कोई भी देश वेटिकन पर हमला नहीं करता क्योंकि इसकी नैतिक स्थिति, वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव और धार्मिक महत्व बहुत बड़ा है। वेटिकन पर हमला करने का मतलब है दुनिया भर के अरबों कैथोलिक और कई शक्तिशाली देशों को नाराज करना, इसलिए इसे राजनयिक रूप से 'अछूत' माना जाता है।

सुरक्षा की गारंटी देता है पड़ोसी ये देश

वेटिकन सिटी की सुरक्षा अप्रत्यक्ष रूप से इटली के भरोसे चलती है। 1929 की लेटरन संधि के तहत, इटली इसकी रक्षा की गारंटी देता है। इसका मतलब है कि अगर कोई बाहरी खतरा हुआ तो तो इटली की सरकार तुरंत बीच में आएगी और बचाव करेगी।

कहां से आता है अरबों का खजाना?

वेटिकन को अपनी आय दुनिया भर के चर्चों से मिलने वाले दान, पर्यटन, निवेश और वेटिकन बैंक से मिलती है। इसके पास माइकल एंजेलो और राफेल जैसे महान कलाकारों की अनमोल कलाकृतियां हैं, जो इसकी सांस्कृतिक और आर्थिक ताकत का आधार हैं।

पोप के पास है कितनी ताकत?

पोप न केवल कैथोलिक चर्च के प्रमुख हैं, बल्कि वेटिकन सिटी राज्य के मुखिया भी हैं, जिससे उन्हें एक अद्वितीय राजनीतिक शक्ति मिलती है। वे दुनिया भर के नेताओं से मिलते हैं और शांति, जलवायु और नैतिकता जैसे वैश्विक मुद्दों पर बड़े-बड़े निर्णय लेते हैं, भले ही उनके पास कोई बड़ी सेना न हो।

भारत का यह गांव मशहूर है मिनी इजरायल के नाम से

नई दिल्ली। भारत देश अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यहां की सुंदरता और संस्कृति से मोहित होकर पर्यटक बार-बार यहां लौटते हैं। इसी बीच आज हम आपको बताने जा रहे हैं हिमाचल प्रदेश के ऐसे अनोखे गांव के बारे में जहां विदेशी सिर्फ घूमने नहीं आते बल्कि किराए पर घर लेते हैं और लंबे समय तक बसते हैं। इस गांव का नाम है धर्मकोट। इस गांव को मिनी इजरायल भी कहा जाता है। आइए जानते हैं आखिर क्यों इसका नाम ऐसा पड़ा।

धर्मकोट में कई संस्कृतियों का मिलन : धर्मकोट एक ऐसी खूबसूरत जगह है जहां प्रकृति और वैश्विक संस्कृति का संगम होता है। विदेशी प्रभाव, तिब्बती परंपरा और हिमालय की खूबसूरती इस जगह को एक अनोखा अनुभव देती हैं। चाहे आप एक शांत जगह की तलाश में हों या ट्रैकिंग के शौकीन या फिर अलग अलग संस्कृति का अनुभव लेना चाहते हों, धर्मकोट आपको सब प्रदान करेगा।

गर्मियों में एक शांत विश्राम स्थल

शहरी इलाकों की भीड़भाड़ से दूर धर्मकोट में साल भर सुहावना मौसम ही रहता है। घने देवदार के जंगलों से घिरा यह गांव गर्मियों में भी ठंडा रहता है। धर्मशाला शहर में जहां तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है। वहीं धर्मकोट में 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाता है।

सर्दियों में हो जाता है और भी खूबसूरत

सिर्फ गर्मी ही नहीं बल्कि सर्दियों के मौसम में यह जगह स्वर्ग जैसी सुंदर हो जाती है। बार-बार होने वाली बर्फबारी इस गांव को एक वंडरलैंड में बदल देती है। फोटोग्राफी के शौकीन और प्रकृति प्रेमियों को यह जगह बिल्कुल स्वर्ग जैसी लगती है। यहां पर आपको भारतीयों से ज्यादा विदेशी लोग ही देखने को मिलेंगे। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के अलावा यह जगह अपने शांत वातावरण के लिए भी पहचानी जाती है।

इजरायली यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र

मैक्लोडगंज से सिर्फ 2 किलोमीटर दूर बसा धर्मकोट गांव अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों खासकर इजरायली यात्रियों के लिए आकर्षण का एक बड़ा केंद्र है। यहां पर काफी बड़ी तादाद में इजरायली पर्यटक हैं इसलिए इसे मिनी इजरायल भी कहा जाता है। यहां की दुकानें, रेस्टोरेंट और कैफे इजरायली रंग और संस्कृति से सजी हुई हैं।

दुनिया का ऐसा देश, जहां ढूंढने से भी नहीं मिलते गरीब व बेघर...! कोई व्यक्ति भूखा नहीं सोता

नई दिल्ली। कल्पना कीजिए एक ऐसा देश, जहां गरीब होना किसी अपराध जैसा हो। स्विट्जरलैंड, जो यूरोप के सबसे समृद्ध देशों में से एक है, वहां सड़क पर कोई भिखारी या बेघर व्यक्ति नजर आना लगभग असंभव है। सरकार गरीबी को इतनी सख्ती से नियंत्रित करती है कि यह लगभग 'गायब' हो चुकी है।

न्यूनतम वेतन लगभग 4 लाख रुपए

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यहां न्यूनतम वेतन 4,000 यूरो (लगभग 4 लाख रुपया) है। बेरोजगारी की स्थिति में व्यक्ति को अपनी आखिरी सैलरी का 80 फीसद भत्ता मिलता है और अगर किसी ने सड़क पर सिगरेट का बट फेंक दिया, तो 300 यूरो (करीब 30,000 रुपया) का चालान तुरंत कट जाता है! स्विट्जरलैंड में जो लोग 'गरीब' माने जाते हैं, उनके पास आमतौर पर एक घर होता है, दिन में तीन वक्त का खाना मिलता है। डॉक्टर के पास जाना भी संभव होता है। कई लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करते हैं।

19वीं सदी से बना अनुशासन का मॉडल देश

यह व्यवस्था किसी रात में नहीं बनी। 19वीं सदी से ही स्विट्जरलैंड ने सामाजिक सुरक्षा की मजबूत नींव रखी है। अगर कोई व्यक्ति अपना घर खो देता है, तो सरकार उसे नया आवास देती है। फेडरल हाउसिंग पॉलिसी के तहत 60 फीसदी आबादी को सब्सिडी वाले अपार्टमेंट मिलते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं लगभग मुफ्त हैं और बेरोजगारों को मुफ्त करियर रिट्रेनिंग भी दी जाती है।

ये है दुनिया की सबसे लंबी उम्र जीने वाली मछली

नई दिल्ली। समुद्र की गहराइयों में ऐसी मछली मिली है जो दुनिया की सबसे लंबी उम्र जीने वाली मानी जाती है। इसकी उम्र जानकर आप हैरान रह जाएंगे। वैज्ञानिक इसे जीव विज्ञान और उम्र अध्ययन में महत्वपूर्ण मानते हैं।

दुनिया की सबसे पुरानी मछली लंगफिश : मेथुसेला नाम की ये ऑस्ट्रेलियन लंगफिश दुनिया की सबसे पुरानी कैद वाली मछली है जो 92 से 101 साल की बताई जा रही है। 2023 की डीएनए स्टडी से पता चला कि ये पहले सोचे से भी ज्यादा उम्र की है। ये सैन फ्रांसिस्को के कैलिफोर्निया एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्टीनहार्ट एक्वेरियम में रहती है। नाम बाइबल के मेथुसेला से लिया गया है जो 969 साल जिया था।

इस मछली की लंबाई 4 फुट वजन 40 पाउंड

मेथुसेला की लंबाई 4 फुट है और वजन 18 किलो यानी 40 पाउंड के आसपास है। ये टॉरपीडो जैसे बॉडी वाली है जिसमें फैन शेप्ड स्केल्स और ब्लंट स्नाउट है। 2022 तक के रिकॉर्ड्स से ये साइज कन्फर्म है लेकिन उम्र के साथ कलर हल्का हो गया है। दूसरी लंगफिश से दिखने में मिलती है लेकिन ज्यादा एक्सपीरियंस्ड लगती है।

मेथुसेला का जेंडर कैसे पता चलेगा?

बायोलॉजिस्ट्स को यकीन है कि ये फीमेल है लेकिन कन्फर्म करने के लिए ब्लड टेस्ट रिस्की है। अब एक्वेरियम फिन का छोटा सैंपल ऑस्ट्रेलिया भेज रहा है रिसर्चर्स को। डीएनए से जेंडर और एक्जैक्ट एज दोनों पता चल सकते हैं। सेक्सुअल डाइमॉर्फिजम न होने से ये मुश्किल काम है।

ऑस्ट्रेलियन लंगफिश की खासियत क्या है?

ऑस्ट्रेलियन लंगफिश मछली और उभयचरों के बीच इवोल्यूशनरी लिंक है क्योंकि इसमें फेफड़े और गिल्स दोनों हैं। ये 100 मिलियन साल पुरानी लिविंग फॉसिल है जो डायनासोर से पहले की लगती है। क्वींसलैंड के रिवर्स में पाई जाती है और एंडेंजर्ड स्पीशीज है। वाइल्ड में कार्निवोर है लेकिन कैप्टिविटी में वैरायटी डाइट लेती है।

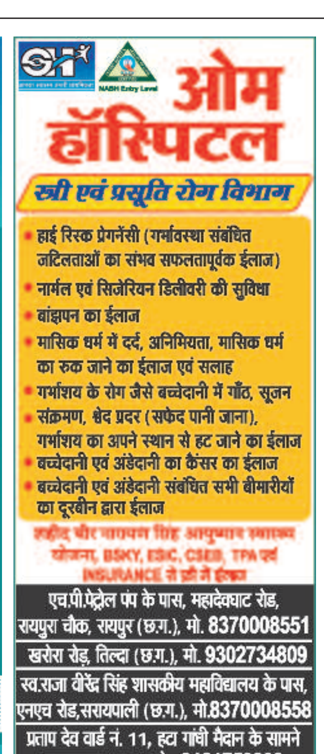

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com